हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 22.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 147 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

कांग्रेस ने बिगाड़े हालात, हमारी सरकार सुधार रही देश की उर्वरक व्यवस्था : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए किया भूमि पूजन

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के दौरान असम सहित देश के कई हिस्सों में खाद की फैक्ट्रियों के बंद होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसी के चलते किसानों को यूरिया के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था और कई बार स्थिति संभालने के लिए लाठीचार्ज तक का सामना करना पड़ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि हालात को कांग्रेस ने बिगाड़ा और उन्हें सुधारने के लिए वर्तमान सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और देशभर में नई उर्वरक इकाइयों की स्थापना की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज डिब्रूगढ़ के नामरूप में असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी की अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए भूमि पूजन किया। नई ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना में लगभग 1 करोड़ रुपये से अधिक का अनुमानित निवेश किया गया है। 10,600 करोड़ रुपये की यह परियोजना असम और पड़ोसी राज्यों की उर्वरक आवश्यकताओं

को पूरा करेगी, आयात पर निर्भरता कम करेगी, पर्याप्त रोजगार सृजित करेगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज भी देश-विरोधी सोच को आगे बढ़ा रही है और असम के जंगलों व जमीन पर बांग्लादेशी अवैध घुसपैठियों को बसाकर केवल अपना वोटबैंक मजबूत करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को असम की पहचान, संस्कृति और सम्मान से कोई सरोकार नहीं है। अवैध घुसपैठियों को बसाने और उन्हें संरक्षण देने का काम कांग्रेस ने ही किया है, इसी कारण वह वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण एसआईआर का विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति के इस जहर से असम को बचाना जरूरी है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि असम की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा फौलाद बनकर जनता के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार ने भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इसका विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से दिया गया बयान–मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है– केवल भूपेन दा का ही नहीं, बल्कि पूरे असम और उसकी सांस्कृतिक विरासत का अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असम और पूरे नॉर्थ-ईस्ट के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। नामरूप और डिब्रूगढ़ का वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है और इस पूरे क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू हुआ है, जो भविष्य में व्यापक विकास की नींव बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में उद्योग और कनेक्टिविटी की जुगलबंदी असम के विकास को नई गति दे रही है। इससे न केवल आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, बल्कि युवाओं में नए सपने देखने और उन्हें पूरा करने का आत्मविश्वास भी पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि नामरूप में स्थापित होने वाली अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर यूनिट से रोजगार और स्वरोजगार के हजारों नए अवसर सृजित होंगे। प्लांट के शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोगों को स्थायी नौकरी मिलेगी और इससे जुड़े सहायक कार्यों में भी स्थानीय लोगों, विशेषकर युवाओं, को रोजगार प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि इससे पहले गुवाहाटी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया गया। इन परियोजनाओं से यह स्पष्ट है कि असम ने विकास की नई रफ्तार पकड़ ली है और राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि असम के 7.5 लाख चाय बागान श्रमिकों के जनधन खाते खुलवाए गए हैं, जिससे सरकारी सहायता सीधे उनके खातों में पहुंच रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और चाय बागान क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में भी लगातार काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास का विजन देश के गरीब वर्ग के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लेकर आया है। बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और देश में एक नया नियो-मिडिल क्लास उभरा है, जो भारत की विकास यात्रा को मजबूती दे रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकसित भारत के निर्माण में किसानों और अन्नदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी कारण सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए नीतियां बना रही है और उनके जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देख कर समझना संभव नहीं, महसूस करना होगा : भागवत

एजेंसी

कोलकाता : "संघ को देख कर समझना संभव नहीं, इसे महसूस करना होगा।" यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को कोलकाता के साइंस सिटी सभागार में आयोजित व्याख्यान श्रृंखला संघ के 100 वर्ष- नए क्षितिज के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि संघ के नाम से पूरी दुनिया अवगत है लेकिन काम के बारे में सही लोगों में सही धारणा नहीं है। संघ के हितैषियों में भी संघ कार्यों को लेकर सही जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग संघ को भाजपा के जरिए देखने की कोशिश करते हैं, जो गलत है। डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज देश भर में संघ एक लाख 20 हजार प्रकल्पों के जरिये देश और समाज के उत्थान का प्रयत्न कर रहा है। यदि संघ को समझना हो तो संघ के बारे में अपने विचार अलग रख कर इसे महसूस करना होगा। संघ के स्थापना की पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संघ किसी परिस्थिति के प्रतिक्रिया स्वरूप, किसी के विरोध के लिए, किसी से स्पर्धा करने अथवा उपलब्धियां हासिल करने के उद्देश्य से नहीं बना। यह हिंदू समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए अस्तित्व में आया। संघ प्रमुख ने कहा कि देश की तत्कालीन परिस्थितियां संतोषजनक नहीं थी। देश एक के बाद एक बाह्य आक्रमण झेलता आ रहा था। अंग्रेजों से पहले भी हम गुलामी का दंश झेल चुके थे। ऐसे में हिंदू समाज को संगठित करने की आवश्यकता महसूस हुई। समाज के आचरण को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए देश भर में कार्यकताओं का समूह तैयार करना जरूरी लगा। उन्होंने कहा कि हिन्दू महज एक नाम नहीं बल्कि विशेषण है जो सर्व समावेशी है और सबका कल्याण चाहता है। जो भारत को माता मान कर उसे पूजता है, वह हिन्दू है।

राष्ट्रपति ने 'वीबी-जी राम जी विधेयक, 2025' को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी विधेयक, 2025 (वीबी-जी राम जी) को मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ यह विधेयक कानून बन गया। इससे पहले संसद के दोनों सदन इस विधेयक को पास कर चुके हैं। अब ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में बड़ा बदलाव लागू हो गया है। नए कानून के तहत अब ग्रामीण परिवारों को प्रति वित्त वर्ष 125 दिन का वैधानिक मजदूरी रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा, जो पहले 100 दिन था। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का स्थान लेगा और इसे विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप तैयार किया गया है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ टिकाऊ और उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, ताकि समावेशी और संतुलित विकास को बढ़ावा मिल सके। कानून के प्रावधानों के तहत इच्छुक ग्रामीण परिवारों को न्यूनतम 125 दिन का रोजगार देना सरकार की वैधानिक जिम्मेदारी होगी। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य किया गया है। तय समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर देरी का मुआवजा देने का भी प्रावधान रखा गया है। कृषि कार्यों के दौरान श्रमिकों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए राज्यों को एक वित्त वर्ष में कुल 60 दिन तक का समेकित विराम काल घोषित करने का अधिकार दिया गया है। हालांकि, इससे कुल 125 दिन के रोजगार के अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा और शेष अवधि में पूरा रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस कानून के तहत सभी कार्यों की योजना ग्राम सभा की मंजूरी से ग्राम पंचायतों द्वारा तैयार की जाएगी। योजना निर्माण की प्रक्रिया पूरी तरह नीचे से ऊपर की होगी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न योजनाओं और विभागों के बीच समन्वय के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे संसाधनों की बबार्दी रुकेगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी। रोजगार को जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत ढांचा, आजीविका से जुड़ी संरचनाओं और प्राकृतिक आपदाओं व जलवायु प्रभावों से निपटने वाले कार्यों से भी जोड़ा गया है। इन कार्यों के जरिए बनने वाली परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में शामिल किया जाएगा।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के विरोध में नेपाल में प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू : बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में झूठे आरोप के आधार पर एक हिंदू युवक की पिटाई कर हत्या करने और शव जलाने की घटना के विरोध में वीरगंज में हिंदू युवाओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने घटना में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार की आलोचना की। प्रदर्शन में शामिल हिंदू युवाओं ने हिंदुओं की हत्या नहीं चलेगी, बांग्लादेशी मुसलमान मुदार्बाद जैसे नारे लगाते हुए वीरगंज नगर का परिक्रमा किया। इसके बाद वे घंटाघर पहुंचे, जहां उन्होंने बांग्लादेश के झंडे अंकित चित्र को आग लगाकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शनकारी युवाओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू असुरक्षित हैं और इस तरह की निर्मम हत्याओं के बावजूद सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। घंटाघर में आयोजित कोणसभा को संबोधित करते हुए हिंदू युवा नेता विकास साह ने कहा कि बांग्लादेश में इससे पहले भी अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दमन होता रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म शांति प्रेमी है और दुनिया के किसी भी कोने में हिंदुओं पर होने वाले अत्याचार और हिंसा को सहन नहीं किया जाएगा। साह ने कहा, बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए। नेपाल मुस्लिम समाज संघ, पर्सा ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक युवक की निर्मम हत्या की घटना की कड़ी निंदा की है। संघ के अध्यक्ष होने का दावा करने वाले महबूब अली (शेरू) ने इस अमानवीय घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक निर्दोष युवक की निर्मम हत्या की घटना ने हम सभी को गहरे दुख और चिंता में डाल दिया है। इस प्रकार की अमानवीय, घृणास्पद और हिंसक घटनाएं मानवता, सह-अस्तित्व और धार्मिक सहिष्णुता पर गंभीर प्रहार करती हैं। मुस्लिम संघ ने विश्वभर में बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच भाईचारा, प्रेम, सौहार्द और पारस्परिक संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि धर्म, जाति या समुदाय के आधार पर होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है। नेपाल को हमेशा धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक एकता का उदाहरण बताते हुए पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर चिंता भी व्यक्त की गई है।

नेपाल के आमचुनाव में भारतीय नंबर प्लेट के वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध

काठमांडू : नेपाल के निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव में भारतीय वाहनों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नेपाल में आगामी 5 मार्च, 2026 को प्रतिनिधि सभा के चुनाव है। आयोग ने आचार संहिता में कहा कि भारत सहित किसी भी विदेशी नंबर प्लेट वाले वाहनों को किसी भी परिस्थिति में अनुमति नहीं दी जाएगी। राजनीतिक दल केवल निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्वीकृत संख्या और प्रकार के वाहन ही उपयोग कर सकेंगे तथा वाहनों के स्वरूप में किसी प्रकार का परिवर्तन प्रतिबंधित रहेगा। आचार संहिता के अनुसार, उम्मीदवारों को बिना पूर्व अनुमति के प्रचार के लिए वाहन इस्तेमाल करने या वाहनों पर प्रचार सामग्री प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं होगी। बिना अनुमति उपयोग किए गए वाहनों और भारतीय साइट विदेशी नंबर प्लेट के वाहनों को जब्त किया जाएगा और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस या अन्य सुरक्षा निकाय ऐसे वाहनों को जब्त कर जिला आचार संहिता स्वीकृति समिति को रिपोर्ट करने के लिए अधिकृत होंगे।

नए साल से पहले रेलवे का झटका, 26 दिसंबर से बढ़ेगा रेल किराया, पटना व दिल्ली जाना पड़ेगा महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने नए साल से पहले अपने यात्रियों को एक झटका दिया है। जी हां, रेल मंत्रालय ने नए साल 2026 की शुरूआत से पहले रेल किराए को बढ़ाने का फैसला किया है। रेलवे का यह नया किराया 26 दिसंबर 2025 से प्रभावी हो जाएगा। इससे पहले की तुलना में अब ट्रेन टिकट के दाम कुछ बढ़ जाएंगे। यह किराया पूरे देश में रेल यात्रा को लेकर बढ़ाया गया है। आइए जानते हैं कि बिहार की राजधानी पटना से देश की राजधानी नई दिल्ली जाने के लिए हर टिकट पर पहले की तुलना में कितने रुपये अधिक देने होंगे।

इस प्रकार हुए हैं रेलवे किराए में बदलाव

भारतीय रेलवे ने 26 दिसंबर 2025 से रेल के किराए को बढ़ाने की घोषणा की है। इसके अनुसार, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर से कम की यात्राओं के लिए किराया नहीं बढ़ाया जाएगा। 215 किलोमीटर से अधिक की यात्राओं के लिए साधारण श्रेणी में 1 पैसा प्रति किलोमीटर किराया बढ़ाया जाएगा। वहीं, मेल/एक्सप्रेस नॉन-एसी और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की किराया वृद्धि होगी। रेलवे ने बताया है कि इस बदलाव से अनुमानित राजस्व लाभ 600 करोड़ रुपये है और 500 किलोमीटर की नॉन-एसी यात्रा करने वाले यात्रियों को 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। पटना से नई दिल्ली जाने वाली तेजस राजधानी एक्सप्रेस की किराए की बात करते हैं। पटना से नई दिल्ली की दूरी करीब 1045 किलोमीटर के आसपास है। अभी अगर आप 26 दिसंबर से पहले पटना से नई दिल्ली के लिए तेजस राजधानी में टिकट (3ए/ थर्ड एसी) बुक करते हैं तो आपको प्रत्येक टिकट के लिए 2445 रुपये देने होंगे। सेकेंड एसी के लिए 3375 रुपये और फर्स्ट एसी के लिए 4135 रुपये प्रति टिकट देने होंगे।

लेकिन 26 दिसंबर के बाद अगर आप पटना से नई दिल्ली के लिए इस राजधानी एक्सप्रेस में टिकट की बुकिंग करते हैं तो एसी क्लास के लिए हर किलोमीटर पर 2 पैसे की बढ़ोतरी हो जाएगी। मतलब कि अगर आप पटना से नई दिल्ली किसी भी एसी ट्रेन से जाते हैं तो आपको हर किलोमीटर के हिसाब से 2 पैसे अधिक देने होंगे। इस हिसाब से अब राजधानी एक्सप्रेस के इस किराए की बात करें तो पटना से नई दिल्ली के लिए हर टिकट पर 20.9 पैसे की बढ़ोतरी हो जाएगी। इसके अनुसार, 26 दिसंबर के बाद टिकट बुक करने पर तेजस राजधानी में पटना से नई दिल्ली के लिए 3अ/ थर्ड एसी के लिए आपको प्रत्येक टिकट के लिए 2445+20.9= 2465.9 रुपये देने होंगे। सेकेंड एसी के लिए 3375+20.9= 3395.9 रुपये और फर्स्ट एसी के लिए 4135+20.9= 4155.9 रुपये प्रति टिकट देने होंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरे के कारण 97 उड़ानें रद, 200 से अधिक सेवाओं में देरी

एजेंसी

नई दिल्ली : घने कोहरे के कारण पिछले कई दिन से दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन बाधित है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर रविवार को कोहरे व कम दृश्यता के चलते कुल 97 उड़ानें रद्द कर दी गई और 200 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। इंडिगो एयरलाइन ने कम विजिबिलिटी और कोहरे की वजह से फ्लाइट शेड्यूल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर 48 आगमन और 49 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइरडार24 डॉट कॉम पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 200 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ और हवाई अड्डे पर उड़ानों के प्रस्थान में औसतन लगभग 23 मिनट की देरी हुई। दिल्ली एयरपोर्ट के संचालक डीआईएलएल के मुताबिक दोपहर के बाद से परिचालन सुचारू रूप से जारी है। इस बीच इंडिगो एयरलाइन ने हवाई पैसेंजर के लिए एक एडवाइजरी में बताया कि दिल्ली, बेंगलुरु और अमृतसर में कम विजिबिलिटी और कोहरे की वजह से फ्लाइट के शेड्यूल पर असर पड़ा है। हम मौसम पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

एक नजर

जोहान्सबर्ग में राहगीरों पर गोलीबारी 10 की मौत

जोहान्सबर्ग : राजधानी जोहान्सबर्ग के पास एक रिहायशी इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने राहगीरों पर गोलीबारी कर 10 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इस गोलीबारी में 10 अन्य घायल हो गए। यह वारदात वेस्ट रैंड के बेकर्सडेल में हुई है। दक्षिण अफ्रीका के अखबार टाइम्स लाइव और टीएनटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस प्रवक्ता ब्रिगेडियर एथलेंडा माथे ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने यह बर्बरता सड़क पर की। पुलिस का कहना है कि गोलीबारी का मकसद साफ नहीं हो सका है।

करोड़ों ग्रामीण परिवार असुरक्षा और संकट में धकेले गए : कांग्रेस महासचिव

नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मनरेगा को लेकर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा को नष्ट कर इसे अधिकार से बदल कर एहसान में बदल दिया है। मनरेगा काम करने का कानूनी अधिकार था। वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में कहा कि फंड को कैप कर, नियंत्रण को केंद्रीकृत कर और मांग संचालित प्रकृति को बदल कर भाजपा ने मनरेगा को बजट निर्भर योजना बना दिया है। इससे करोड़ों ग्रामीण परिवार असुरक्षा और संकट में धकेले गए हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले के विरोध में कांग्रेस आज देशभर के सभी जिला मुख्यालयों में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि काम के अधिकार पर इस गंभीर हमले को लेकर 27 दिसंबर को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि 28 दिसंबर को कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता पूरे देश के मंडलों और पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस दौरान महात्मा गांधी के चित्र के साथ उनके आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई जाएगी और न्याय, गरिमा तथा काम के अधिकार के संवैधानिक वादे की पुष्टि की जाएगी।

इलेक्ट्रिक वाहन से तेज होगी भारत की विकास गाथा : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पर्यावरण संरक्षण से लेकर रोजगार सृजन तक भारत के विकास को गति दे रहे हैं। जितेंद्र सिंह ने आज भारत मंडपम में आयोजित इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) एक्सपो में स्वच्छ परिवहन और युवा उद्यमिता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को रेखांकित किया। उन्होंने युवाओं के बीच इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में मौजूद अवसरों के बारे में जागरूकता और व्यापक पहुंच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विकास के लिए हरित और टिकाऊ भविष्य, वैश्विक भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका तथा स्वच्छ ऊर्जा का समग्र दृष्टिकोण प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी केवल परिवहन या पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह उद्यमिता, रोजगार और आजीविका का एक शक्तिशाली इंजन बनकर उभर रही है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग की हुई मौत

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत करसो में हुई दर्दनाक सड़क हादसा में 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रूपलाल राणा उम्र करीब 65 वर्ष पिता स्व सुकर राणा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रूपलाल राणा करसो से बरही की ओर जा रहे थे, इसी क्रम में पीछे से आ रही सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर जिसकी संख्या बीआर02 एक्यू 8888 ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे रूपलाल राणा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, घटना के बाद घटनास्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं स्थानीय लोगों ने इस बात की जानकारी बरही थाना को दी। जिसके बाद बरही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया गया। जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके स्वजनों को सौंप दी गई। सूचना पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर भी अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को ढाढस बंधाया।

पत्रकारिता की गरिमा व संगठनात्मक एकजुटता पर मंथन

चौपारण : प्रेस क्लब चौपारण इकाई की ओर से आयोजित वनभोज कार्यक्रम होटल सेलिब्रेशन में सौहार्दपूर्ण एवं सफल वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के बीच आपसी संवाद, संगठनात्मक मजबूती, पत्रकारिता की गरिमा तथा सामाजिक दायित्वों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंकर यादव ने की, जबकि संचालन सचिव उमेश पासवान ने किया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं और निष्पक्ष, निर्भीक व जिम्मेदार पत्रकारिता वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संगठन की एकजुटता से ही पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा संभव है और सामाजिक सरोकारों को मजबूती मिलती है। वनभोज कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार अजय ठाकुर, शशि शेखर, बीरेंद्र ठाकुर सहित अन्य पत्रकारों ने भी अपने विचार साझा किए और संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने पर बल दिया।

हजारीबाग में अर्धनारीश्वर चिकित्सा वेलनेस न्यूरोथैरेपी का दो दिवसीय शिविर का हुआ समापन

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को नई दिशा देने के उद्देश्य से आरोग्य पीठ द्वारा रजत जयंती वर्ष 2026 की ऐतिहासिक शुरूआत हजारीबाग से की गई। इस अवसर पर अर्धनारीश्वर चिकित्सा वेलनेस न्यूरोथैरेपी का दो दिवसीय उपचार एवं प्रशिक्षण शिविर शनिवार एवं रविवार को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शिविर का आयोजन आरोग्य पीठ फ्रेंचाइजी केंद्र, हजारीबाग द्वारा किया गया। जिसमें हजारीबाग जिले सहित आस पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में रोगी, विद्यार्थी एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का आयोजन पूज्य

गुरुदेव आचार्य डॉ. राम गोपाल दीक्षित जी के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की गरिमा उस समय और अधिक बढ़ गई जब प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, माननीय न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय तथा रचना श्रीवास्तव जी की अतिविशिष्ट के तौर पर उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रदीप प्रसाद, सदर विधायक हजारीबाग, विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, चिकित्सक, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों की भी उपस्थिति रही।

430 से अधिक रोगियों को मिला लाभ, 50 विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

दो दिवसीय शिविर के दौरान 430 से अधिक रोगियों का अर्धनारीश्वर चिकित्सा वेलनेस न्यूरोथैरेपी पद्धति से सफल उपचार किया गया। वहीं लगभग 50 विद्यार्थियों को इस चिकित्सा पद्धति का गहन सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में बिना दवा, पूर्णतः प्राकृतिक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित उपचार पद्धति को लेकर आम जनमानस में विशेष उत्साह देखने को मिला। रोगियों ने उपचार के बाद सकारात्मक अनुभव साझा करते हुए इसे प्रभावी और सहज बताया। पूज्य गुरुदेव आचार्य डॉ. राम गोपाल दीक्षित जी का प्रेरणादायी उद्बोधन पूज्य गुरुदेव आचार्य डॉ. राम गोपाल दीक्षित जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अर्धनारीश्वर चिकित्सा भारतीय दर्शन, शिव-शक्ति संतुलन एवं ईड़ा-पिंगला सिद्धांतों पर आधारित एक वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक उपचार पद्धति है। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा शरीर की संरचना, ऊर्जा प्रवाह एवं रासायनिक संतुलन को नियंत्रित कर रोग के मूल कारण पर कार्य करती है। आज के तनावपूर्ण और असंतुलित जीवन में बिना दवा उपचार पद्धतियों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। आचार्य जी ने विद्यार्थियों से इस विद्या को सेवा भाव से सीखकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का आह्वान किया तथा अंत में सभी रोगियों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

भक्ति का महापर्व: श्री मद भागवत कथा साप्ताहिक का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विधानसभा के विधायक रोशन लाल चौधरी और उनकी पत्नी डा रेखा चौधरी ने क्षेत्र के तमाम सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ श्री मद भागवत कथा साप्ताहिक का आयोजन किया। यह आयोजन आवासीय कार्यालय PTPS, पतरातु में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय पंच मंदिर प्रांगण से श्री मद भागवत आसन पूजन कर सैकड़ों कलश पूजन सह शोभायात्रा के साथ की गई। यह शोभायात्रा कटिया पंचमंदिर प्रांगण से निकल कर हनुमानगढ़ी पंचायत होते हुए मुख्य मार्ग मेन रोड पतरातु से होते हुए पुनः श्री मद भागवत कथा स्थल पर पूर्ण की गई। इस शोभा यात्रा में जगह जगह पर विशेष रूप से पंचमंदिर मुखिया श्यामली महथा, हनुमानगढ़ी पंचायत भवन के समीप मुखिया नूतन सिंह और दर्जनों भक्त जनों के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। यज्ञ स्थल पहुंचने पर झांकी के कलाकारों के द्वारा मनमोहक राधा कृष्ण की झांकी प्रस्तुत की गई। जिसमें उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। श्रृद्धालु भक्ति भाव से झूम उठे। प्रसाद के रूप में चना गुड़ का वितरण किया गया।

नये भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव एवं शिबू उर्फ शिव शंकर को कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : रविवार को बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा बनाए गए नए मंडल अध्यक्षों का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दोनों नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष विजय यादव बड़कागांव पूर्वी एवं शिव शंकर मेहता उर्फ बड़कागांव पश्चिमी साथ ही साथ मनीष पांडे प्रतिनिधि बड़कागांव पश्चिमी को कार्यकताओं द्वारा माला पहनाकर अंग वस्त्र देकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। वही पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कहा की पाटी ने जो मुझ पर भरोसा रखते हुए जिम्मेवारी सौंपी है उस पर खरा उतरते हुए विश्वास दिलाना चाहता हूं कि पार्टी स्तर को बुथ से लेकर मंडल तक मजबूत बनाने का प्रयास करूंगा वहीं पश्चिमी मंडल अध्यक्ष शिवकुमार मेहता ने कहा कि मुझे पार्टी जो मंडल का दायित्व सौंपी है मैं आप सभी कार्यकताओं को विश्वास दिलाता हूं कि मैं सभी कार्यकताओं के मान सम्मान एवं पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करूंगा। इस स्वागत समारोह का अध्यक्षता बड़कागांव विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू तथा संचालन बड़कागांव पश्चिम मंडल महामंत्री नरसिंह प्रसाद एवं सभा की समापन बड़कागांव पूर्वी मंडल महामंत्री सुमन गिरी ने किया। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानेश्वर शर्मा ,पूर्व मंडल अध्यक्ष बेचन साव, भिखन महतो,कैलाश राणा ,कृष्ण गुप्ता,विष्णु गुप्ता,भागीरथ ठाकुर, कजरू साहू ,राज किशोर साव अन्य शामिल थे।

एनएचआरए रांची एवं लोहरदगा की टीम ने वर्षों से चला आ रहा पारिवारिक विवाद को सुलझाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शांति नगर,किस्को मोड़ लोहरदगा निवासी प्रतिमा रानी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन से लिखित शिकायत पत्र देकर अपने पति पर नशा कर मारपीट करने, गाली गलौज देने तथा जान से मारने का आरोप लगाते हुए अपने एवं अपनी बच्चियों के मानवाधिकार की संरक्षण के लिए गुहार लगाई। आवेदन पर संज्ञान लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के महिला प्रकोष्ठ के प्रमंडल अध्यक्ष कामिनी देवी, प्रदेश संगठन सचिव सह जिला अध्यक्ष जगदीश दास एवं रांची जिला महासचिव महिला प्रकोष्ठ संजू देवी को जिला अध्यक्ष लोहरदगा स्वीटी कुमारी से संपर्क कर पारिवारिक विवाद को सुलझाने के निर्देश दिया। निर्देश के आलोक में रांची एवं लोहरदगा की एक संयुक्त टीम पीड़ित परिवार के घर पहुंची और दोनों पक्षों की बात सुनी। टीम द्वारा

महिला की पति को नशा नहीं करने तथा पत्नी एवं बच्चों के साथ किसी तरह की मारपीट नहीं करने की सख्त हिदायत दी। महिला के पति मुरारी कुमार लोहारा ने अपनी गलती स्वीकार की और कभी भी पत्नी एवं बच्चों के साथ मारपीट नहीं करने का वचन दिया। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की टीम द्वारा आपसी समझौता का मामला का निष्पादन किया। पत्नी प्रतिमा रानी को भी निर्देश दिया कि वह भी पति के समन्वय बनाकर अपना पारिवारिक जिंदगी ठीक ढंग से गुजरेगी। वर्षों से आ रहा पारिवारिक विवाद के निपटारा पर दोनों पति पत्नी ने एनएचआरए टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। पारिवारिक विवाद को सुलझाने में प्रदेश संगठन सचिव सह कार्यकारी जिला अध्यक्ष जगदीश दास, प्रमंडल अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ कामिनी देवी, जिला महासचिव महिला प्रकोष्ठ संजू देवी, लोहरदगा जिला अध्यक्ष स्वीटी कुमारी, जिला कोषाध्यक्ष शोभा देवी, रांची जिला कोषाध्यक्ष गणेश वर्मा, रांची जिला युवा मंडल उपाध्यक्ष शमीम अंसारी, प्रेम कुमार ने महती भूमिका निभाई।

एनटीपीसी ने स्कूली बच्चों के बीच किया अध्ययन सामग्री किट का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा जागृति महिला संघ के सहयोग से परियोजना प्रभावित गांवों के स्कूली बच्चों हेतु अध्ययन सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं जागृति महिला संघ की अध्यक्षा अनीता दास तथा उपाध्यक्षा मीनाक्षी सक्सेना की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें लगन एवं आत्मविश्वास के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बड़कागांव प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री से युक्त अध्ययन किट प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा को प्रोत्साहन देना एवं विद्यार्थियों को अध्ययन में आने वाली आवश्यकताओं को पूरा कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। मौके पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान की दिशा में निरंतर योगदान दे रही है।

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था 'ऑल टाइम लो' पर : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक गंभीर आरोप लगाते हुए इसे "ऑल टाइम लो" स्तर पर बताया है। एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से उसपर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। सांसद मनीष जायसवाल ने केरेडारी सीएचसी के एक कथित वीडियो पर गहरी चिंता व्यक्त की जिसमें बंध्याकरण का ऑपरेशन टॉर्च की रोशनी में किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑपरेशन करने वालों में संभवतः कोई डॉक्टर भी मौजूद नहीं था। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था की वर्तमान स्थिति एकदम निचले स्तर पर है और यह पूरी तरह से चिंता का विषय है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को बयानबाजी बंद करने की सलाह दी और उनसे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को इस वायरल घटना पर जाँच कराकर दोषियों के खिलाफ तुरंत और अविलंब कार्रवाई करनी चाहिए। सांसद मनीष जायसवाल ने सूबे के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के अन्य राज्य विशेषकर बिहार में कथित तौर पर अधिक सक्रिय रहने पर भी सवाल उठाया।

पुलिस के निष्क्रियता के खिलाफ मासूम बच्चे की सकुशल बरामदगी को लेकर भाकपा माले ने प्रतिवाद मार्च निकाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : भाकपा माले प्रखंड कमिटी ने पुलिस के धीमी करवाई के खिलाफ प्रतिवाद मार्च निकाला इरगोबाद निवासी मोहम्मद शमशेर के तीन वर्षीय पुत्र सैफ कि सकुशल बरामदगी को लेकर इरगोबाद गांव से पेठियाबागी होते हुए थाना मोड तक प्रतिवाद मार्ग निकल गया मार्च का नेतृत्व माले नेता मोहम्मद इब्राहिम प्रखंड सचिव मुंना यादव अशोक यादव कर रहे थे सैफ की लपता पर चुपी क्यों पुलिस प्रशासन जवाब दो, सैफ की लापता पर स्थानीय विधायक सांसद की चुप्पी क्यों सांसद विधायक जवाब दो, पुलिस प्रशासन अबोध बालक को

अभिलंब बरामद करो पुलिस अपराधी गठजोड़ को ध्वस्त करो नारों के साथ प्रतिवाद मार्च निकाला गया थाना मोड पर सभा में तब्दील हो गया अध्यक्षता व संचालन प्रखंड सचिव मुंना यादव ने किया वक्ताओं ने कहा कि पुलिस प्रशासन इस घटना का उद्वेदन अभिलंब करे और नहीं तो आंदोलन उग्र रूप लेगा जिसकी जवाब दे ही पुलिस प्रशासन पर होगा दो दिनों के अंदर पुलिस प्रशासन बच्चा को बरामद करे सभा को शंभू नाथ वर्मा महेश कुमार सोनी जिला कमेटी सदस्य बहादुर यादव असगर अंसारी अशोक यादव पूर्व मुखिया प्रतिनिधि भोला यादव, राजेंद्र यादव जयनगर पश्चिमी जोन लोकल कमेटी सचिव मशरूल होदा अंसारी कालेश्वर राणा सुरेंद्र भाई मोदी जयनगर पश्चिम पंचायत मुखिया प्रतिनिधि इसाक अंसारीजयनगर पश्चिम पंचायत के मुखिया कौशल खान, योगियाटिल्हा मुखिया इरफान अंसारी समाजसेवी रामकुमार राजेंद्र दास ने संबोधित किया मौके पर कयूम अंसारी केदार पासवान रामधनी पंडित मंजूर आलम रजिया खातून अख्तरी खातून मंजू देवी मंसूर आलम संतोष यादव हसीना खातून तजबुन खातून असगर अली शुक्र मिया सहित सैकड़ो में महिला पुरुष प्रतिवाद मार्च में शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

बरही वेक्टर क्लासेज में 25 दिसंबर से विशेष क्रैश कोर्स की शुरूआत

बरही : बरही का सबसे पुराना और भरोसेमंद कोचिंग संस्थान बरही वेक्टर क्लासेस 25 दिसंबर से विशेष क्रैश कोर्स शुरू करने जा रहा है। इस कोर्स में छात्रों की पूरी तैयारी को ध्यान में रखते हुए एग्जाम पैटर्न के अनुसार नियमित टेस्ट भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे उनकी कमजोरियां दूर हो सकें और कॉन्फिडेंस लेवल बढ़े। निदेशक दीपक गुप्ता ने बताया कि यह क्रैश कोर्स उन सभी विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी होगा जो अंतिम समय में अपनी तैयारी को और मजबूत करना चाहते हैं। संस्थान की वर्षों पुरानी सफलता और अनुभवी फैकल्टी की वजह से बरही वेक्टर क्लासेज आज भी छात्रों का पहला पसंदीदा कोचिंग सेंटर बना हुआ है।

भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरही : भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। झारखंड प्रांत की कार्यवाहिका शारदा देवी, आचार्या मधुश्री, निशा श्रेष्ठ,आरती देवी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रश्मि कुमारी ने अतिथि परिचय कराया। जूली कुमारी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। सशक्त महिला ही परिवार, समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। निशा श्रेष्ठ ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण का भारतीय दृष्टिकोण पर सारगर्भित एवं प्रेरणादायी उद्बोधन दिया ।मधुश्री ने भारत के विकास में महिलाओ की भूमिका पर कहा कि बच्चों को शिक्षा, संस्कार देने के साथ साथ उन्हें सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़ भाग लेना होगा और महिलाओ को आगे बढना होगा। कार्यक्रम में रानी लक्ष्मी बाई,जीजाबाई और सावित्री बाई फूले का रुप धारण करने वाली बहनों को पहचानने वाली माताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में अधिक से अधिक प्रश्नों का उत्तर देने वाली महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। अनुभव कथन के रूप मे पायल कुमारी और मधुबाला ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षीय भाषण देते हुए शारदा देवी ने संयुक्त परिवार की महत्ता बतायी। कार्यक्रम में विभाग की संयोजिका,विभाग के निरीक्षक, कुम्हार टोली विद्यालय के प्रधानाचार्य, भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय समिति की सदस्य अंजलि देवी और सरिता देवी मौजूद थीं। राखी कुमारी,विनीता कुमारी ने सहयोग किया। मंच संचालन सह संयोजिका सृष्टि कुमारी ने किया।

18 जनवरी को प्रस्तावित कुम्हार अधिकार महासम्मेलन को लेकर हुई बैठक

चलकुसा : झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की ओर से आगामी 18 जनवरी को कुम्हार अधिकार महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन को लेकर जिला अध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति के नेतृत्व में लगातार बैठकों की दौर जारी है। इसी कड़ी में चलकुशा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पलमा सूदन एवं बेडमकी में बैठक की गई। इस बैठक में उपस्थित लोगों ने महासम्मेलन में बढ़ चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि प्रजापति समाज का अतीत गौरवशाली है। लेकिन आपसी एकजुटता नहीं रहने के कारण कुम्हार समाज को इग्नोर किया जाता रहा है। सामाजिक, राजनीतिक भागीदारी में हम पिछड़ते जा रहे हैं। हमलोगों को अपनी शक्ति को पहचानना होगा। अन्याय के विरुद्ध जंग छेड़ना समय की मांग है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुम्हार अधिकार महासम्मेलन को सफल बनाने में सभी की भागीदारी होनी चाहिए। अपने समाज को आगे बढ़ाना हरेक सामाजिक कार्यकर्ता की पुनीत कर्तव्य होनी चाहिए। मौके पर बैठक में जिला अध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति, ज़िला उपाध्यक्ष लीलाधन प्रजापति, संगठन मंत्री शिव प्रजापति, कोषाध्यक्ष बीरेन्द्र प्रजापति सहित कई लोग मौजूद रहे ।

ताजपुर में पासवान कल्याण समिति की प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न, कमेटी का हुआ विस्तार

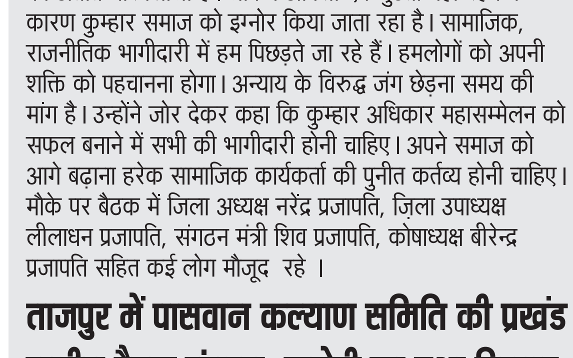

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत ग्राम ताजपुर स्थित आंगनबाड़ी भवन में झारखंड पासवान कल्याण समिति की प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड इकाई के समाज अध्यक्ष बैजू गहलोत ने की, जबकि संचालन संजय पासवान ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रखंड कमिटी का विस्तार एवं गठन किया गया। इसमें जोगेन्द्र पासवान (सेवानिवृत्त दरोगा) को अध्यक्ष, रेवाली पासवान को सचिव एवं महेन्द्र पासवान को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर सुधीर कुमार कौशल के शिक्षक बनने पर समिति की ओर से उन्हें सम्मानित कर अभिनंदन किया गया। साथ ही बैठक में आगामी 10 जनवरी 2026 को पतरातू डैम में आयोजित होने वाले वन भोज सह पारिवारिक मिलन समारोह में प्रखंड से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में रामचंदर राम पासवान, कपिलदेव पासवान, प्रेमधारी पासवान, अमृत पासवान, अजय पासवान, नरेश पासवान, केदार पासवान, मनोज पासवान, दीपक पासवान सहित बड़ी संख्या में पासवान समाज के लोग उपस्थित थे।

एक नजर

झारखंड कांग्रेस का पलटवार : भ्रष्टाचार की नींव बाबूलाल मरांडी के शासन में पड़ी

रांची : महागठबंधन सरकार पर भाजपा के आरोपों को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने कड़ा पलटवार किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा है कि झारखंड में भ्रष्टाचार की बुनियाद राज्य निर्माण के साथ ही बाबूलाल मरांडी के शासनकाल में पड़ी थी, जिसे बाद में अर्जुन मुंडा और रघुवर दास की सरकारों ने खाद-पानी देकर एक विशाल रूप दे दिया। वर्तमान सरकार उसी भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने में जुटी हुई है। सोनाल शांति ने कहा कि एक तरफ केंद्र की भाजपा सरकार झारखंड को उसके हिस्से का आवंटन नहीं दे रही है, वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता भ्रष्टाचार का अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। जनहित में किए जा रहे हर विकास कार्य में उन्हें केवल भ्रष्टाचार ही नजर आता है। केंद्र के असहयोग के बावजूद झारखंड में हो रहे विकास कार्य भाजपा नेताओं को रास नहीं आ रहे हैं, जिससे उनकी बेचैनी साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्रों का वितरण, विकास योजनाओं का शिलान्यास और तेजी से उनका क्रियान्वयन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में हो रहे सुधार तथा जनता की आर्थिक स्थिति मजबूत होने से भाजपा नेताओं को अपना राजनीतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि अनर्गल बयानबाजी और नकारात्मक राजनीति छोड़कर अगर वे सरकार के विकास कार्यों में सकारात्मक सहयोग का रवैया अपनाते हैं, तो जनता के बीच उनकी गिरी हुई छवि में कुछ सुधार हो सकता है।

द क्रिएटिव कॉर्नर में डांस का बॉस प्रतियोगिता और क्रिसमस समारोह का हुआ आयोजन

रांची : डेला टोली, कोकर स्थित द क्रिएटिव कॉर्नर की ओर से रविवार को एक दो-भागीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पहले डांस का बॉस नृत्य प्रतियोगिता उसके बाद क्रिसमस समारोह आयोजित किया गया इसने पूरे वातावरण को उत्साह और उत्सव की भावना से भर दिया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में जूनियर और सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने भाव-भंगिमा और ऊर्जावान प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीनियर वर्ग में लकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रीजीत पाल उपविजेता रहे। जूनियर वर्ग में आश्विन कुजूर ने प्रथम पुरस्कार जीता, स्मृति कुजूर प्रथम उपविजेता एवं त्रिशा डे द्वितीय उपविजेता रहीं। निर्णायक मंडल के रूप में मयंक बिम्मी और रूमझुम मुखर्जी ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनकी मेहनत और रचनात्मकता की प्रशंसा की।

आरपीएफ की सतर्कता से बची तीन माह के मासूम की जान

रांची : राजधानी रांची के रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मानवता की एक मिसाल देखने को मिली, जब रेलवे सुरक्षा बल ने कड़ाके की ठंड में लावारिस हालत में मिले तीन माह के नवजात शिशु को सुरक्षित बचा लिया। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्टेशन परिसर में ओवरब्रिज के नीचे बच्चे को छोड़ दिया गया था। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के अनुसार, स्टेशन परिसर में सुरक्षा और निगरानी लगातार बढ़ाई गई है। इसी क्रम में एएसआई अरुण कुमार और महिला कांस्टेबल राखी कुमारी प्लेटफॉर्म संख्या एक पर गश्त कर रहे थे, तभी उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास जांच करने पर ओवरब्रिज के नीचे ठंड में लिपटा हुआ तीन माह का नवजात मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महिला कांस्टेबल राखी कुमारी ने तुरंत शिशु को गोद में उठाया और उसे जीआरपी पोस्ट लाया गया।

भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनेगा रांची : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रोटरी क्लब रांची के तत्वावधान में रांची क्लब परिसर में आयोजित तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समागम का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरूआत प्रेसिडेंट इलेक्ट ललित त्रिपाठी ने की। ललित त्रिपाठी ने दूसरे दिन के सत्र की समीक्षा करते हुए रोटरी द्वारा संचालित सेवा कार्यों की प्रगति और भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रोटरी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अंतिम दिन के मुख्य वक्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को देश का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी अभियान के तहत फैटी लिवर की जांच और जन-जागरूकता के लिए छह करोड़ रुपये की लागत से चार अत्याधुनिक मोबाइल वैन शीघ्र ही रोटरी को दी जाएंगी। ये वैन रांची शहर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेंगी।

उन्होंने कहा कि बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका उसकी समय पर पहचान है। यह अभियान केवल इलाज तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक जन-जागरूकता का प्रयास है, जिसमें रोटरी की भूमिका अहम होगी। संजय सेठ ने रोटरी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में रोटरी का योगदान प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहा है। रोटरी केवल सेवा कार्य नहीं करती, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव रखती है। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि रोटरी के माध्यम से आगामी माह तीन करोड़ रुपये की सिलाई मशीनें महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रदान की जाएंगी। इससे हजारों महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में सहायता मिलेगी और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। सम्मेलन के तीसरे दिन काउंसिल ऑफ लेजिस्लेशन के चुनाव भी संपन्न हुए, जिसमें सत्र 2026-29 के लिए पीडीजी जोगेश गंभीर एवं सत्र 2028-29 के लिए गवर्नर पद पर डॉ. अजय कुमार इलेक्ट हुए। चुनाव प्रक्रिया इलेक्शन ऑब्जर्वर पीडीजी दीपक कुमार, चेयरमैन पीडीजी राकेश प्रसाद, पीडीजी शिवप्रकाश बागड़िया और बैलेटिंग कमेटी चेयरमैन पीडीजी डॉ. बिंदु सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया का संचालन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम का संचालन शाहिद पॉल और अजय छाबड़ा ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य, पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रांची में 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत गुम हुए 50 मोबाइल बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से गुम हुए करीब 50 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से मोबाइल की लोकेशन की जानकारी प्राप्त कर पुलिस ने कार्रवाई की और रविवार को थाना परिसर में आयोजित मोबाइल वितरण समारोह के दौरान उनके असली धारकों को मोबाइल सौंपे। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा, जगरनाथपुर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि थाना क्षेत्र से अलग-अलग समय पर गुम हुए लगभग 50 मोबाइल फोन को पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद किया है। 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत चलाए गए इस अभियान में तकनीकी जांच और लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों को मोबाइल बरामदगी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने बताया कि पूरी जांच-पड़ताल, आवश्यक कागजातों की पुष्टि और तकनीकी सत्यापन के बाद 25 लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल फोन लौटा दिए गए हैं। शेष मोबाइल के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही उन्हें भी उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिया जाएगा।

रांची के जमीन कारोबारी के घर सात राउंड फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र से फायरिंग का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां बालालौंग निवासी बबलू प्रसाद उर्फ बबलू सोनी के घर शुक्रवार देर रात करीब एक बजे अपराधियों ने सात राउंड फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि घटना का उद्देश्य केवल बबलू सोनी और उनके परिवार को डराना था। जानकारी के मुताबिक लगभग दस दिन पहले बालालौंग निवासी बबलू सोनी से राहुल सिंह गैंग के नाम पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गयी थी। वहीं पैसे नहीं देने पर विदेश से अलग-अलग नंबरों से उन्हें तीन-चार बार कॉल कर जान से मारने की धमकी दी गयी थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि, बाइक पर सवार दो युवक घर के नजदीक आये और फायरिंग शुरू कर दी। वहीं घटना की सूचना अगली सुबह शनिवार को नगड़ी थाना को दी गयी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रवीण कुमार अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने जांच के दौरान बबलू सोनी के घर के पास से छह खोखे बरामद किये हैं। वहीं अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया, लेकिन रात काफी और घना घना कोहरा होने के की वजह से पहचान संभव नहीं हो सकी। इसके अलावा बालालौंग से कुछ दूरी पर बचेया रोड के पास एक खेत से काले रंग की बाइक बरामद की गयी है। पुलिस का मानना है कि फायरिंग करनेवाले अपराधियों ने इसी बाइक का इस्तेमाल किया होगा। और फायरिंग करने के बाद बाइक छोड़कर फरार हो गए होंगे। हालांकि बबलू सोनी ने थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। उससे पांच करोड़ की रंगदारी क्यों मांगी गयी है, इसकी छानबीन की जा रही है।

रांची में बजरंग दल का भव्य शौर्य संचलन हजारों कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में महानगर बजरंग दल के तत्वावधान में रविवार को चुटिया स्थित शास्त्री मैदान से भव्य शौर्य संचलन निकाला गया। संचलन का शुभारंभ बजरंग दल के ध्वजारोहण और प्रार्थना के साथ हुआ। इससे पूर्व शौर्य सभा का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज के लोग शामिल हुए। शौर्य सभा को संबोधित करते हुए बजरंग दल के प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि एक दिसंबर से गीता जयंती के अवसर पर देशभर में बजरंग दल द्वारा शौर्य यात्रा, शौर्य संचलन और शौर्य सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भगवद् गीता की ऐतिहासिक गरिमा और उसके महत्व को समाज तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता के 700 श्लोक जीवन की हर परिस्थिति में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। रंगनाथ महतो ने कहा कि अन्य धर्मग्रंथों की तुलना में भगवद् गीता की जयंती इसलिए मनाई जाती है, क्योंकि इसका उपदेश स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की भूमि पर मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन दिया था। उन्होंने युवाओं से सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को समझने तथा उनसे जुड़ने का आह्वान किया। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण सामूहिक प्रयासों और लंबे संघर्ष का परिणाम है। यह सहज रूप से प्राप्त नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने समाज में एकता बनाए रखने और विभाजनकारी प्रवृत्तियों से सतर्क रहने की अपील की। रंगनाथ महतो ने बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वर्ष 1971 में भारत की सेना ने बांग्लादेशी नागरिकों की जान-माल और सम्मान की रक्षा की थी। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं।

कांग्रेस मीडिया टैलेंट हंट का अंतिम साक्षात्कार संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मीडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम के तहत राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों का अंतिम साक्षात्कार और विभिन्न चरणों की जांच प्रक्रिया कांग्रेस भवन में पूरी की गई। इस दौरान झारखंड के अलग-अलग जिलों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि टैलेंट हंट के माध्यम से झारखंड की उन प्रतिभाओं को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं तथा पार्टी के विचारों को प्रभावशाली तरीके से जनता तक पहुंचाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के जरिए ऐसे लोगों को संगठन से जोड़ा जा रहा है, जिन्हें अब तक अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित मंच नहीं मिल पाया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया से चयनित प्रतिभागियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया एवं संचार विभाग से जुड़े दायित्व सौंपे जाएंगे। नए और ऊर्जावान लोगों के संगठन से जुड़ने से कांग्रेस को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि टैलेंट हंट के अंतिम चरण में कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों की क्षमता का आकलन लेखन, ग्रुप डिस्कशन, मौखिक साक्षात्कार सहित विभिन्न स्तरों पर किया गया, ताकि अंतिम रूप से चुने गए लोग संगठन को अधिक प्रभावी ढंग से मजबूत कर सकें। उन्होंने बताया कि करीब एक माह से चल रही इस प्रक्रिया के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने कांग्रेस से जुड़ने की इच्छा जताई थी।

रांची में भूमि पूजन के साथ राष्ट्रीय पुस्तक मेले की तैयारियां शुरू, 26 दिसंबर से 4 जनवरी तक सजेगी अक्षरों की दुनिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक नगरी रांची के जिला स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला की तैयारियां रविवार को भूमि पूजन के साथ जोर-शोर से शुरू हो गईं। भूमि पूजन कार्यक्रम में समय इंडिया के प्रबंध न्यासी चन्द्र भूषण के अलावा मंडप निर्माण से जुड़ी संस्था के कर्मचारी व प्रतिनिधि तथा स्थानीय लेखक और संस्कृतिकर्मी उपस्थित रहे। यह पुस्तक मेला 26 दिसंबर से 4 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा, जहां अक्षरों की दुनिया सजेगी। मेले में एक ही छत के नीचे हर आयु वर्ग के पाठकों के लिए हिन्दी और अंग्रेजी पुस्तकों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध रहेगी। समय इंडिया, नई दिल्ली पुस्तकों को पाठकों से जोड़ने की मुहिम के तहत यह राष्ट्रीय पुस्तक मेला लेकर आया है। पाठकों के लिए मेला प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 7.30 बजे तक खुला रहेगा। यह जानकारी समय इंडिया के प्रबंध न्यासी चन्द्र भूषण ने दी। चन्द्र भूषण ने बताया कि इस पुस्तक मेले को लेकर प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं में विशेष उत्साह है। वे अपने साथ नई और पुरानी पुस्तकों का समृद्ध संग्रह लेकर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें न केवल ज्ञान देती हैं, बल्कि पाठकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जहां संवेदनशीलता और मानवीय मूल्य विकसित होते हैं। राष्ट्रीय पुस्तक मेले का उद्देश्य समाज में पुस्तकों के प्रति बढ़ती उदासीनता को दूर करना और पाठकों को फिर से किताबों के करीब लाना है। पुस्तक मेले में जिन प्रमुख प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं की सहभागिता सुनिश्चित हो चुकी है, उनमें राजपाल एण्ड संस, प्रकाशन संस्थान, समय प्रकाशन, यश प्रकाशन, योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया, क्राउन पब्लिकेशन, झारखंड झरोखा, गीता प्रेस, श्री कबीर ज्ञान प्रकाशन केन्द्र, बोधकृति प्रकाशन, त्रिदेव बुक कलेक्शन, सस्ता साहित्य मंडल, उपकार प्रकाशन सहित कई प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वाणी प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन, पुस्तक महल, मनोज पब्लिकेशन और किताब घर की पुस्तकें भी पाठकों के लिए उपलब्ध रहेंगी।

संक्षिप्त खबरें

हिंदी साहित्य भारती झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जिला विस्तार और कोष संग्रह पर हुई चर्चा

रांची : हिंदी भाषा, साहित्य और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से हिंदी साहित्य भारती, झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सर्कुलर रोड, लालपुर स्थित होटल सिटी पैलेस में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से जिला कमेटी का विस्तार और कोष संग्रहण पर चर्चा हुई। बैठक की शुरूआत नवगठित प्रदेश इकाई की औपचारिक घोषणा और पदाधिकारियों के परिचय से हुई। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना, संरचना और विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कोष संग्रह के लिए पारदर्शी और व्यावहारिक उपायों पर सहमति बनी और जिला स्तर पर संगठन विस्तार की कार्ययोजना तय की गई। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर जोर देते हुए कहा कि नियमित बैठकें, सक्रिय जिला इकाइयां और अनुशासित कार्यप्रणाली संगठन की मजबूती का आधार हैं। मुख्य अतिथि रामनिवास शुक्ल ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का आधार है। उन्होंने संगठन को गांव-गांव और जिले-जिले तक सक्रिय करने पर जोर दिया। प्रदेश प्रभारी डॉ. अरुण कुमार सज्जन सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल, प्रदेश महामंत्री डॉ. सुनीता कुमारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर 28 दिसंबर को घर-घर फहराया जाएगा पार्टी का झंडा

रांची : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस आगामी 28 दिसंबर को पूरे देश में मनाया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी निर्णय लिया है कि प्रदेश के जिला, प्रखंड, मंडल, ग्राम पंचायत एवं वार्ड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने-अपने आवासों पर कांग्रेस का झंडा फहराएंगे। इसी क्रम में रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कांके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बुड़मू प्रखंड के ठाकुरगांव में पंचायत अध्यक्षों के बीच कांग्रेस के झंडों का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस का स्थापना दिवस संगठनात्मक एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संकल्प के रूप में मनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बुड़मू पंचायत अध्यक्ष चंदन तिर्की, छापर पंचायत अध्यक्ष प्रभु यादव, हेसलपीरी पंचायत अध्यक्ष ललित महतो एवं गुरुगाई पंचायत अध्यक्ष तबारक हुसैन को 12-12 कांग्रेस के झंडे सौंपे गए। इस अवसर पर सकील अख़्तर अंसारी, गोपाल तिवारी तथा प्रखंड अध्यक्ष बलराम साहू सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

सीबीएसई का कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम संपन्न शिक्षण को रोचक बनाने पर रहा जोर

रांची : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से रविवार को कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय स्टोरी टेलिंग ऐज पेडगॉजी रहा, जिसका उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और छात्र-केंद्रित बनाना था। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) हजारीबाग की प्राचार्या प्रेमलता तथा विद्या विकास पब्लिक स्कूल, रांची के प्रधानाध्यापक संजीव कुमार चक्रवर्ती उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षण में कहानी कहने की विधा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्टोरी टेलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, समझ और रचनात्मक सोच को किस प्रकार विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कक्षा शिक्षण में कहानियों के व्यावहारिक उपयोग से जुड़े कई उपयोगी उदाहरण भी प्रस्तुत किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा के कुल 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई शिक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। शिक्षकों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। समापन अवसर पर वेन्यू डायरेक्टर एवं विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के कौशल संवर्धन के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झारखंड राज्य सीनियर सुपर स्पीड खो-खो खुली चयन प्रतियोगिता संपन्न

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा स्थित सेक्टर-2 के बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय में रविवार को झारखंड राज्य स्तरीय सुपर स्पीड खो-खो खुली बालक-बालिका चयन प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में रांची, धनबाद, लातेहार, गढ़वा, सिमडेगा, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा और लोहरदगा सहित राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में टाटा डीएवी चैनपुर, रामगढ़ की बालक टीम की ओर से वतन कुमार, रंजीत कुमार, आयन प्रसाद, अक्षत कुमार, मोहम्मद अर्ष, राजवीर कुमार, लखराज, सौरभ कुमार और आशिष कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। खुली चयन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि धुर्वा सेक्टर-2 स्थित बीएसपी विद्यालय के सचिव सजल बनर्जी, विशिष्ट अतिथि कार्तिक उरांव तथा सुपर स्पीड प्रशिक्षण केंद्र, बाल विकास आवासीय विद्यालय रातू के अध्यक्ष रंजीत तिर्की ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डीएवी टाटा चैनपुर, रामगढ़ के प्राचार्य तारकेश्वर कुमार ने भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। चयन प्रक्रिया में रिया सिंह, सन्नी कुमार, अभिषेक उरांव, शिवम नायक, प्रीति प्रजापति एवं सोनाली होरो ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरी प्रतियोगिता का संचालन झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. अजय झा ने किया।

एक नजर

अटल जन्म उत्सव की तैयारी: अटल जागृति मंच की बैठक भोजपुर कॉलोनी में

बोकारो : अटल जागृति मंच की बैठक शनिवार को भोजपुर कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में 25 दिसंबर को होने वाले अटल जन्म उत्सव को भव्य और सुव्यवस्थित ढंग से मनाने पर चर्चा की गई।मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड अर्जुन मुंडा उपस्थित रहेंगे। बैठक में सभी सदस्यों ने उत्सव की शानदार सफलता का संकल्प लिया। प्रमुख रूप से संस्था के संयोजक जशंकर जी, संयोजक मंडल सदस्य राकेश कुमार मधु, सुनील कुमार, अजीत ठाकुर, टुनटुन मिश्रा, सदस्य सुमन कुमार, सियाराम सिंह, शैलेन्द्र सिंह, कुंदन कुमार, संजय शर्मा आदि शामिल हुए। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि उत्सव में सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी जाएंगी।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों की संपत्ति जलकर खाक

कोडरमा : डोमचांच के जयनगर रोड स्थित एक मकान में सुबह 7:45 अचानक आग लगने से लाखों की संपत्ति नुकसान हुई है। आग लगने को लेकर गृह स्वामिनी वीना रानी मिश्रा ने कहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण घर में आग लगा है आग लगने से 50 हजार रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारण घर में सोफा पलंग कुर्सी आदि सम्मान जल कर खाक हो गया। लगने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, वहीं मौके पर दमकल की वाहन भी आई और आग उस पर काबू पाकर पूरी तरह से आग पर को बुझा दिया, हालांकि इस घटना में रूम में रखे कई तरह के सामानें जलकर खाक हो गए।

गौशाला परिसर में आज से श्रीमद् भागवत कथा का सात दिवसीय आयोजन होगा शुरू

झुमरी तिलैया : कोडरमा गोशाला समिति यदुटांड़ झुमरी तिलैया की ओर से 22 से 28 दिसंबर तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। कथा वाचक आचार्य पंडित पतंजली शर्मा द्वारा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाली कथा में श्रद्धालुओं को भक्ति, ज्ञान और आध्यात्मिकता से भरपूर दिव्य प्रसंगों का श्रवण करायेगें। आयोजक समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा के प्रथम दिन 22 दिसंबर को श्रीमद् भागवत कथा माहात्म्य, राजा परीक्षित को शुकदेव जी से कथा श्रवण तथा भक्ति महारानी के आगमन का वर्णन किया जाएगा। द्वितीय दिन कपिल आख्यान, माता अनुसूया की कथा एवं जड़भरत प्रसंग प्रस्तुत होंगे। तृतीय दिन रुव चरित्र और नृसिंह अवतार की कथा सुनाई जाएगी। चतुर्थ दिन 25 दिसंबर को गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, श्रीराम कथा तथा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव व नंदोत्सव का आयोजन मुख्य आकर्षण रहेगा। पाँचवें दिन बाल कृष्ण की लीलाएँ, माखन चोरी प्रसंग तथा गिरिराज गोवर्धन पूजन का विस्तृत वर्णन किया जाएगा। छठे दिन रस पंचाध्यायी, गोपी गीत, रसलीला तथा रुक्मिणी मंगल के प्रसंगों से पूरा वातावरण भक्तिमय होगा। अंतिम दिन 28 दिसंबर को श्रीकृष्ण विवाह, सुदामा चरित्र, हाइवैश्विक उपदेश, शुकदेव विदाई और राजा परीक्षित मोक्ष कथा के साथ सप्ताहभर चलने वाली कथा का समापन होगा।

शादी का प्रलोभन देकर युवक जेवर ले हुआ फरार, दो गए जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कभी भरोसा, कभी सुरक्षा का एहसास और कभी भविष्य के सपने। इन्हीं बातों के सहारे एक शातिर ठग ने महिला को अपने जाल में फंसाया। खुद को कभी बैंक मैनेजर तो कभी एयरफोर्स पदाधिकारी तो कभी सचिवालय का कर्मी बताने वाला युवक असल में ठगी की साजिश रच रहा था। सेक्टर-4 थाना पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर इस भरोसेमंद चेहरे के पीछे छिपे अपराधी को बेनकाब किया है।

भरोसे से शुरू हुई कहानी

कतरास मेन रोड निवासी अंजली सिन्हा की मुलाकात संकल्प कुमार उर्फ गोलु से ऑनलाइन हुई। बातचीत बढ़ी तो भरोसा भी बढ़ता गया। आरोपी ने अपनी पहचान बैंक मैनेजर के रूप में बताया। उसके शब्दों और व्यवहार ने महिला को यकीन दिला दिया कि वह किसी सुरक्षित और समझदार व्यक्ति से बात कर रही है।

चालाकी से ले लिया जेवर और कैश

भरोसे में लेने के उपरांत संकल्प ने अंजलि को जेवर लेकर आने को कहा जिसे वो सुरक्षित लॉकर में रख देगा।

12 दिसंबर को आदित्य होटल के सामने जब अंजलि दोनों जेवर और 30 हजार रुपये उसे सौंप दिया। कुछ ही देर में वह वहां से निकल गया। काफी समय तक संपर्क न होने पर महिला को ठगी का एहसास हुआ। मानसिक तनाव और टूटे भरोसे के बावजूद अंजलि ने पुलिस में शिकायत दर्ज की।

एसपी के निर्देश पर SIT ने शुरू की तफ्तीश

सेक्टर-4 थाना में मामला दर्ज होते ही एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। बोकारो और पटना की तकनीकी शाखा की मदद से मोबाइल लोकेशन और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। इसके बाद बिहार के फतुहा थाना क्षेत्र के रहने वाले संकल्प कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

शशि ज्वेलर्स में गलाए गए थे चोरी के जेवरात

पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि ठगी के जेवर मोसीमपुर स्थित शशि ज्वेलर्स में गलाए गए थे। पुलिस ने वहां छापा मारकर ज्वेलर्स के मालिक सूर्यकांत सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर नकदी और सोना बरामद किया गया।

संकल्प का रहा है आपराधिक इतिहास

पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 लाख 75 हजार रुपये नकद, 22.72 ग्राम सोना और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि संकल्प कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पटना के फतुहा थाना में पहले से दो मामले दर्ज हैं।

किशोरी फुटबॉल मैच के माध्यम से बाल विवाह पर रोक का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बाल समृद्धि परियोजना के तहत गोमिया प्रखंड के सियारी पंचायत स्थित दवार मैदान में किशोरियों का फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया। पंच सूत्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के निदेशक गुलाब चंद ने कहा कि खेल के माध्यम से किशोरियों का नेतृत्व क्षमता का विकास का प्रयास चल रहा है। उन्होंने बताया कि उरी तथा सारथी नेटवर्क के सहयोग से गोमिया प्रखंड में जलवायु परिवर्तन तथा बाल विवाह, बल हिंसा रोक से संबंधित जागरूकता का कार्य किया जाता है। इसके तहत आज फुटबॉल खेल का आयोजन किशोरियों के बीच किया गया है। इस दौरान सहयोगिनी के निर्देशक गौतम सागर ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार के द्वारा 100 दिन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत संस्था के द्वारा बोकारो जिले के विभिन्न स्थानों में बाल विवाह मुक्त करने के लिए विभिन्न प्रकार का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सियारी पंचायत के मुखिया रामकृष्ण मुर्मू ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में बाल विवाह तथा बच्चों के अधिकार को लेकर सघन रूप से कार्य किया जा रहा है।

संस्कृति महोत्सव मां मनसा मंदिर ट्रस्ट का वनभोज सह पारिवारिक मिलन समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-2 स्थित संस्कृति महोत्सव माँ मनसा मंदिर ट्रस्ट ने रविवार को सिटी पार्क में वनभोज सह पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया। ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों, सलाहकारों और सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में यह कार्यक्रम सफल रहा।सभी सदस्यों ने अपने विचार रखे, जिसमें मंदिर की गरिमा-पवित्रता बनाए रखने और परिसर के रख-रखाव को प्राथमिकता देने पर कृतसंकल्प जताया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि सन- 2000 में आज ही के दिन मंदिर की स्थापना हुई थी, जो आज 25 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम को देखते हुए ट्रस्ट द्वारा गरीब-असहायों में कंबल वितरण किया जाएगा।सदस्यों ने एकमत से निर्णय लिया कि मुख्य लक्ष्य लोगों को संस्था से जोड़ना और विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनाना है। साथ ही, माँ मनसा पूजा- जो झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर है- की गरिमा बनाए रखने के साथ मंदिर परिसर के विकास पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में राजेंद्र प्रसाद, सिदाम महतो, प्रफुल्ल अग्रवाल, बादशाह महतो, लखन लाल महतो, सुचांद प्रजापति, देवेंद्र गोरी, संतोष कुमार महतो, धीरेंद्र रजवार, शांति देवी, बसंती देवी, मंजू देवी, गीता देवी, सुधारानी, ललिता देवी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

धनबाद में आयोजित झारखंड प्रांतीय बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा बनी विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झारखंड प्रांतीय बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन धनबाद में धया शाखा के आतिथ्य में अत्यंत उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से आई महिला टीमों ने भाग लिया और अपने खेल कौशल, अनुशासन व टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के जोश, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और खेल के प्रति समर्पण ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस रोमांचक प्रतियोगिता में झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा की महिला टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की और विजेता का खिताब अपने नाम किया। टीम का नेतृत्व कैप्टन आर्ची जैन ने किया। टीम में ज्योति पहाड़िया, दिव्या जैन, शिल्पा जैन, दीपाली जैन, आकांक्षा जैन, प्राची जैन एवं चांदनी जैन शामिल रहीं। सभी खिलाड़ियों ने सामूहिक प्रयास, सधी हुई रणनीति और बेहतरीन तालमेल के साथ खेलते हुए विरोधी टीम को कड़ी चुनौती दी। फाइनल मुकाबले में प्रेरणा शाखा की टीम ने आत्मविश्वास से भरी बल्लेबाजी, मजबूत गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग का शानदार प्रदर्शन किया। मैच के हर चरण में टीम ने संयम और आक्रामकता का संतुलन बनाए रखा, जिससे निर्णायक बढ़त बनाकर जीत हासिल की। खिलाड़ियों की एकजुटता, निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण इस सफलता के प्रमुख कारण रहे। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विजेता टीम झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा की खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और आयोजकों ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं की खेलों में सक्रिय भागीदारी न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा भी देती है।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय की देवकन्याओं ने विद्यालयों में किया प्रेरणादायक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर/कोडरमा : देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार से आई तीन देवकन्याएँ आयुषी शर्मा, दुर्गेश नंदिनी एवं सुप्रिया द्वारा आदर्श +2 उच्च विद्यालय मधवाटांड़, लक्ष्मी नारायण विद्या पीठ घाघडीह तथा आदर्श शिशु +2 हाई स्कूल बाघमारा में विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरूआत विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई, जिसमें देवकन्याओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान शांतिकुंज हरिद्वार एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के उद्देश्य, कार्य और समाजसेवा के बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों को सकारात्मक सोच, मानसिक रूप से मजबूत बनने, स्मरण शक्ति बढ़ाने, तनाव कम करने, तथा परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के व्यावहारिक उपाय समझाए गए। साथ ही गायत्री मंत्र के महत्व, योग-मुद्राओं, आध्यात्मिक जीवन के लाभ, नैतिक मूल्यों, अनुशासन और चरित्र निर्माण पर भी प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में भारतीय संस्कृति के अनुरूप जन्मदिन मनाने की परंपरा बताई गई तथा विद्यालय की बालिकाओं का जन्मदिन भारतीय रीति से मनाया गया, जिससे छात्रों में संस्कार और कृतज्ञता की भावना विकसित हुई।

अंत में विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने हेतु "हारिए न हिम्मत", "मित्रभाव" तथा स्वाध्याय से संबंधित प्रेरणादायक पुस्तकें भेंट की गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार ने देवकन्याओं का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय ओबीसी अधिकारी कर्मचारी मोर्चा का सामाजिक न्याय व ओबीसी अधिकार सम्मेलन रांची में संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय ओबीसी अधिकारी कर्मचारी मोर्चा का सामाजिक न्याय व ओबीसी अधिकार सम्मेलन रविवार को रांची में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में मुख्य रूप से योगेंद्र प्रसाद, पेयजल स्वच्छता एवं मद्यनिषेध विभाग मंत्री, झारखंड सरकार, जानकी यादव, अध्यक्ष, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग झारखंड रांची, ममता देवी, विधायक रामगढ़ , डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता, जलगुरु महेंद्र मोदी, अवकाश प्राप्त डीजीपी, उत्तर प्रदेश अलावे राज्य के बड़े अधिकारी गण, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, लेक्चरर्स, टीचर्स, और अन्य बुद्धिजीवी गण्यमान बंधु उपस्थित हुए। ज्ञात हो ही ओबीसी समुदाय के हक अधिकारों को लेकर लगातार संघर्षरत रहा है। चाहे आरक्षण का मामला हो या इनके ऊपर हो रहे किसी भी प्रकार का शोषण दमन का मामला हो आदि। वही इस सम्मेलन में कोडरमा जिला से अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री, चंद्रवंशी विकास मंच के अध्यक्ष चंद्रवंशी दीपक कुमार नवीन ने भाग लिया जिसे मुख्य अतिथियों के द्वारा सॉल वो बुक्के देकर सम्मानित करते हुए कोडरमा जिला ओबीसी मोर्चा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। मौके पर ही चंद्रवंशी दीपक कुमार नवीन ने कहा कि समाज को समाज की जरूरत है। इसे एक सूत्र में बांधे रखना हमारा कर्तव्य है। वही उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा के अंतर्गत वैसे तमाम समुदाय जो सीएनटी में आते है। उनके लिए सीएनटी अभिशाप है। जो मर भी नहीं सकता और न ही जी सकता है वैसे जन कुरीतियों को समाप्त करने या फिर विशेष अधिकार दिलाने हेतु संघर्ष करने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

खुटरी में कल हासा-भाषा विजय दिवस: सेंगेल अभियान का ऐतिहासिक संकल्प

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान के तत्वावधान में कल 22 दिसंबर को खुटरी पॉलिटेक्निक के समक्ष फुटबॉल मैदान में हासा-भाषा विजय दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।आज खुटरी में हुई बैठक की अध्यक्षता बोकारो सेंगेल जिला अध्यक्ष व बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने की। उन्होंने कहा कि 22 दिसंबर 1855 को महान शहीद सिदो मुर्मू के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का प्रतिफल संथाल परगना देश व संताल परगना कानून की स्थापना के रूप में मिला था। उसी प्रकार, पूर्व सांसद व संताली भाषा मोर्चा अध्यक्ष सालखन मुर्मू के नेतृत्व में लंबे आंदोलन से 22 दिसंबर 2003 को संताली भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हुई। सुखदेव मुर्मू ने संकल्प दिलाया कि 22 दिसंबर 2025 को बोकारो जिले के सभी प्रखंडों के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हासा-भाषा विजय दिवस मनाया जाएगा। जैनामोड़, खुटरी पॉलिटेक्निक फुटबॉल मैदान व गितीलटांड़ में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने जरीडीह प्रखंड सहित विभिन्न आदिवासी बहुल क्षेत्रों के सामाजिक संगठनों, नौकरीपेशा लोगों व बुद्धिजीवियों से उपस्थिति का आह्वान किया है। सभी हासा (सीएनटी/एसपीटी) कानून बचाने व संताली भाषा को झारखंड की प्रथम राजभाषा बनाने का संकल्प लेंगे।बैठक में झारखंड प्रदेश संयोजक सह बोकारो जोनल परगना करमचंद हांसदा, बोकारो जिला परगना फूलचंद किस्कू, सेंगेल सरना धर्म मंडवा के जिला अध्यक्ष भीम मुर्मू, कालीचरण किस्कू, कारण मुर्मू, लालजी मुर्मू, छोटू सोरेन आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

ईएसएल स्टील लिमिटेड ने क्रिटिकल रिस्क मैनेजमेंट पर दूसरा सेफ्टी टाउनहॉल किया आयोजित

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपना दूसरा सेफ्टी टाउनहॉल आयोजित किया। इस टाउनहॉल का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा को और सशक्त बनाना था। कार्यक्रम की थीम "क्रिटिकल रिस्क मैनेजमेंट " रही, जिसमें जीरो हार्म के लक्ष्य पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति रही, जिनमें रवीश शर्मा, डिप्टी सीईओ एवं होल-टाइम डायरेक्टर; आनंद दुबे, मुख्य वित्तीय अधिकारी; तपेश चंद्र नस्कर, निदेशक-सीई एवं एचएसईएस, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष, बिजनेस पार्टनर्स, श्रमिक, साइट इंचार्ज तथा एचएसईएस और सेफ्टी टीम के सदस्य शामिल थे। अपने उद्घाटन संबोधन में रवीश शर्मा ने अब तक की ईएसएल की सुरक्षा यात्रा पर प्रकाश डाला और क्रिटिकल रिस्क मैनेजमेंट के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने चार प्रमुख जोखिम क्षेत्रों को रेखांकित किया, जिन पर निरंतर विशेष ध्यान देना आवश्यक है-पिघला हुआ धातु, एंटैंगलमेंट, वाहन-पैदल यात्री इंटरैक्शन तथा आइसोलेशन। उन्होंने कहा कि जोखिमों की पहचान करना और खतरों को समाप्त करने के लिए क्रिटिकल कंट्रोल प्लान तैयार करना नेतृत्व और फ्रंटलाइन मैनेजर्स की अहम जिम्मेदारी है।

सेक्टर-2 के प्राचीन मां मनसा मंदिर में 25वें पूजनोत्सव पर हर्षोल्लास

बोकारो : प्राचीन मां मनसा मंदिर, मौजा हरला शेक्टर-2 में पूजनोत्सव के 25 वर्ष पूरे होने पर छोटा नागपुर सांस्कृतिक महोत्सव समिति के बैनर तले 25वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। रविवार को आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक व मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, समाजसेवी व संस्थापक सदस्य भगीरथ शर्मा, समाजसेवी नवल शर्मा एवं कमलेश ठाकुर ने भक्तों का स्वागत किया।समिति के अध्यक्ष शंकर लाल गोप और सचिव गौतम सिंह चौधरी ने सभी अतिथियों व भक्तों का अभिनंदन किया। अध्यक्ष ने कहा कि 2001 में वर्तमान मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री व विधायक स्व. समरेश सिंह के प्रयासों से मंदिर की स्थापना हुई थी। उन्होंने इसे बोकारो के आध्यात्मिक व सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताया तथा सभी भक्तों का आभार जताया।अतिथियों व समिति सदस्यों की उपस्थिति में केक काटकर मिठाई बांटी गई और खुशियां मनाई गईं। कार्यक्रम में प्रकाश चटर्जी, मंडल रामेश्वर सिंह, बिहारी गोरी, संतोष कुमार महतो, निर्मल महतो, उमेश चंद्र बावरिया, मुकुल कुमार, प्रकृति लाल महतो, जनार्दन मिश्रा, शक्ति मिश्रा, बबलू कुमार, निमाई महतो, रायपुर महतो, घनश्याम महतो, मोतीलाल महतो, सुशांत गोप, नगेंद्र रजवार, मदन महतो, बिंदु देवी, नीलू देवी, चारू देवी, गीत देवी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बिलहोर टोला में गर्म चादर व स्वेटर का वितरण कर ऐतिहासिक कदम उठाया गया

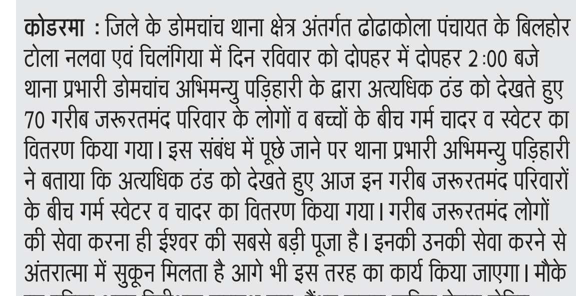

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढाकोला पंचायत के बिलहोर टोला नलवा एवं चिलंगिया में दिन रविवार को दोपहर में दोपहर 2:00 बजे थाना प्रभारी डोमचांच अभिमन्यु पड़िहारी के द्वारा अत्यधिक ठंड को देखते हुए 70 गरीब जरूरतमंद परिवार के लोगों व बच्चों के बीच गर्म चादर व स्वेटर का वितरण किया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी अभिमन्यु पड़िहारी ने बताया कि अत्यधिक ठंड को देखते हुए आज इन गरीब जरूरतमंद परिवारों के बीच गर्म स्वेटर व चादर का वितरण किया गया। गरीब जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। इनकी उनकी सेवा करने से अंतरात्मा में सुकून मिलता है आगे भी इस तरह का कार्य किया जाएगा। मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक रामवृक्ष राम, पैंथर जवान कपिल मेहता रोहित कुमार के अलावे डोमचांच पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

एक नजर

भुरकुंडा मार्केट में दिनदहाड़े विजय ज्वेलर्स में हथियारबंद लूट

भुरकुंडा : थाना अंतर्गत भुरकुंडा मार्केट में दिनदहाड़े विजय ज्वेलर्स में हथियारबंद लुटेरों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। लुटेरों ने दुकान में मौजूद मालिक और स्टाफ को हथियार दिखाकर 20 से 25 लाख के जेवरात और ढाई लाख नगद लूट लिए। घटना की जानकारी मिलते ही भुरकुंडा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, लुटेरे पांच की संख्या में थे और सभी के हाथ में पिस्टल था। वे दुकान में सामान लेने के बहाने आए थे और हथियार दिखाकर लूटपाट शुरू कर दी। लुटेरों ने सीसीटीवी कैमरे का तार भी तोड़ दिया। दुकानदार विजय कुमार वर्मा ने बताया कि लुटेरे बाइक से आए थे और लूट के बाद सभी फरार हो गए। लूट की यह घटना भुरकुंडा मार्केट स्थित रोड स्थित पेट्रोल पंप के समीप हुई है। घटना का समय लगभग 7:00 बजे का बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और लुटेरों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। भुरकुंडा पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही लुटेरों को पकड़ लिया जाएगा और लूट का माल बरामद किया जाएगा।

सुरेश नाथ गोस्वामी अज्ञात वाहन के चपेट से गंभीर रूप से घायल

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के मूर्कमनाय पंचायत के ग्राम जोगिया टील्हा निवासी सुरेश नाथ गोस्वामी उम्र 45 वर्ष रविवार की सुबह लगभग 9:30 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के मौजूद लोगों ने नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिए पहुंचाया। जहां उपस्थित चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे जहां उनका इलाज जारी है। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद वाहन चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार सुरेश नाथ गोस्वामी बरियारडीह की ओर से अपनी लूना मोटरसाइकिल से मरकच्चो की ओर जा रहे थे।वहीं मरकच्चो की ओर से बरियारडीह की ओर जा रही अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया।

हत्याकांड का खुलासा, हथियार सहित तीन गिरफ्तार

धनबाद : धनबाद पुलिस ने हत्या में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में रविवार को प्रेस वार्ता कर धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि गत 18 नवंबर को झरिया के कतरास मोड़ पर बाइक सवार अपराधियों के जरिए प्रेम यादव को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।
मामले में मृतक के पिता ने झरिया थाना में मामला दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक ने मामले में एक विशेष टीम का गठन किया था। पुलिस टीम ने अनुसंधान के क्रम में मामले में शामिल दो अभियुक्तों रोहित कुमार सिंह और कुणाल कुमार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से एवं एक अन्य आरोपित आकाश गोप को बिहार के वैशाली से गिरफ्तार किया।
गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने कांड में प्रयुक्त किया गया पिस्टल, एक देशी कट्टा, मोटरसाइकिल और घटना के समय पहना हुआ कपड़ा, एक मैगजीन और 03 जिंदा गोली बरामद किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तीनो अभियुक्तों का पूर्व से ही आपराधिक इतिहास रहा है। तीनों आरोपित पूर्व में हत्या, रंगदारी एवं आर्म्स एक्ट के मामले में जेल की हवा भी खा चुके है।

उपायुक्त ने देर रात किया निरीक्षण, जरूरतमंदों में कंबल वितरण व अलाव व्यवस्था का जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कड़ाके की ठंड में शीतलहर से आमजन को राहत दिलाने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज शनिवार देर रात स्वयं निरीक्षण पर निकले। इस दौरान उन्होंने झुमरी तिलैया के झंडा चौक एवं कोडरमा रेलवे स्टेशन परिसर का दौरा कर गरीब, असहाय, निर्धन एवं दिव्यांग व्यक्तियों को अपने हाथों से कंबल वितरित किए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्टेशन परिसर में मौजूद लोगों से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएँ सुनीं और मौके पर ही संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने झुमरी तिलैया के विभिन्न क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा की गई अलाव व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ऋतुराज ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अलाव नियमित रूप से जलते रहें, लकड़ियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त अलाव की व्यवस्था की जाए, ताकि ठंड से किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो। इस अवसर पर उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा नगर परिषद क्षेत्र के साथ-साथ जिले के सभी प्रखंडों में जरूरतमंद परिवारों के बीच लगातार कंबल वितरण अभियान चलाया जा रहा है। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिले एवं प्रखंडों के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण पीड़ित न हो और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जेएलकेएम के रक्तदान शिविर में 101 यूनिट रक्त संग्रह किया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दिघी भुला में रविवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 101 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस महान कार्य का मुख्य उद्देश्य पटमदा- बोड़ाम क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों की सहायता एवं मानवता की सेवा के लिए यह कार्यक्रम किया गया है। शिविर में मुख्य रूप से केंद्रीय संयुक्त महासचिव देवव्रत महतो, जिला प्रवक्ता सुब्रत महतो, फनी महतो, सुभाष चंद्र महतो, अनिल बास्के, नवीन महतो, दिनेश महतो, बुद्धेश्वर महतो, रजनीकांत सिंह, रंजन गोप, आशुतोष महतो, तपन महतो, पूनम महतो, सुलोचना महतो, भानुप्रिया महतो, राम प्रसाद महतो, विनोद स्वांसी, मृत्युंजय महतो, साहेब राम महतो, श्याम सुंदर महतो, विजय महतो, ओमप्रकाश महतो, शिव शंकर महतो, गोपेन महतो, नीलकमल महतो, गोपाल महतो, रंजित महतो, संजय कुम्भकार, गणपति कारवां, कोकिल सिंह, बाहादुर सहिस, कार्तिक गोप, मंगल कारुआ, सैकत महतो, उमापद महतो, बुद्धेश्वर महतो, प्रताप महतो, उत्तम महतो, दीपक महतो, वासुदेव महतो, सुनील कुमार महतो, सुजित कुमार महतो, बिरेन प्रामाणिक, उमेश महतो, साधे महतो, संजय गोप, दिनेश कुंभकार, गणेश कुंभकार, हलधर मुखर्जी, शम्भु महतो आदि मौजूद थे ।

उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ बीएसीईटी में वार्षिक खेल दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : राजेंद्र विद्यालय समूह की संस्थाओं के अंतर्गत बी. ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर में रविवार को कॉलेज के खेल मैदान में वार्षिक खेल दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे खेल भावना और दल-कार्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में डॉ. एस. के. सिंह, सी. पी. एन. सिंह तथा डॉ. एस. के. रॉय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शारीरिक स्वास्थ्य , अनुशासन एवं खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षकगण, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रथम दिवस बालक एवं बालिका वर्ग के लिए कई रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 100 मीटर दौड़, रस्साकशी, बालिकाओं की चम्मच दौड़, कबड्डी, वॉलीबॉल तथा बालिकाओं की कैरम प्रतियोगिता प्रमुख रूप से शामिल रही। प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल भावना, ऊर्जा एवं सामूहिक प्रयास का प्रदर्शन किया, वहीं दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन के साथ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। खेल महोत्सव का आयोजन 22 दिसंबर 2025 को भी जारी रहेगा, जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, शतरंज सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। आज के खेलों के समापन के उपरांत विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दर्दनाक हादसा : आउटसोर्सिंग कंपनी में लैंडस्लाइड, दो मजदूरों की मौत, कई घायल

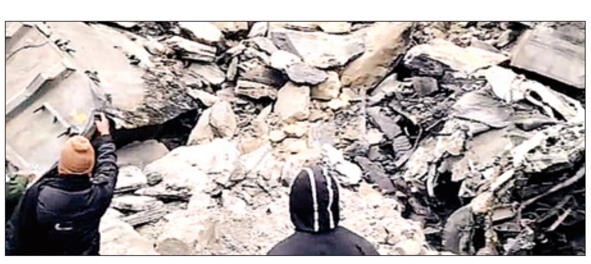

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : सीसीएल बरका-सयाल क्षेत्र में शनिवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। आउटसोर्सिंग कंपनी आशीर्वाद में हाई वॉल धंसने से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मृतकों की पहचान प्राइवेट डंपर ऑपरेटर सुनील यादव और राजू पासवान के रूप में की गई है। घटना के बाद शव निकाल लिए गए हैं, लेकिन आक्रोशित ग्रामीण और मजदूर रात से ही घटनास्थल पर डटे हुए हैं और मुआवजे व कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा शनिवार रात करीब 9:45 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि आउटसोर्सिंग कंपनी आशीर्वाद द्वारा सुरक्षा मानकों और ऊब्रूर के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। कंपनी के ही एक कर्मचारी ने आरोप लगाया कि हाई वॉल से लैंडस्लाइड होने की आशंका को लेकर पहले ही अधिकारियों को सूचना दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई। इसी लापरवाही के कारण यह बड़ा हादसा हुआ। हादसे में गंभीर रूप से घायल दोनों मजदूरों को इलाज के लिए होप अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। उरिमारी परियोजना के पीओ दिलीप कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही पूरे मामले की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

सरहुल बागान मुरी में क्रिसमस गैदरिंग का भव्य आयोजन किया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : मुरी रेलवे आदिवासी परिवार, मुरी शाखा के तत्वावधान में दिनांक 21 दिसंबर को क्रिसमस गैदरिंग का भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन सरहुल बागान, मुरी किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द, प्रेम, भाईचारे एवं एकजुटता का अनुपम संदेश देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में फादर अंसलेम कुजूर, सरिता बोदरा, सिस्टर मिनाकी, डॉ. झरिया कच्छप के निर्देशन में सफलतापूर्वक कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों में निरंजन बाघवार, एम. एल. मांझी, सुबोध मिंज, देवेंद्र कुमार बड़ाइक, बिशन हेंब्रम, अमित कुजूर, आसिम तिर्की, बस्तु उरांव, शिबू पाहन, आर. खेस, पवन हेमरोम, सनातन गंझू, आनंद टोप्पो, कुसुम मुंडा, एम. डी. उरांव, बिपुल, एम. पी. तिर्की, इलियास तिर्की, बलबीर सिंह, ए. के. समुद्रा, अमित कुजूर, सनातन गांझु, अनूप मिंज सहित समस्त समिति सदस्य एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम. एल. मांझी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जीवन और उनका संदेश प्रेम, क्षमा, सेवा और मानवता का प्रतीक है। प्रभु यीशु हमें सिखाते हैं कि समाज में जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर एक-दूसरे से प्रेम करें, जरूरतमंदों की सहायता करें और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाएं। उन्होंने रेलवे आदिवासी परिवार, रांची मंडल के समस्त कर्मचारियों एवं सहकर्मियों से आपसी एकजुटता, सहयोग और संगठनात्मक मजबूती बनाए रखने का आह्वान किया।

पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति की सरायकेला में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा रविवार को परिषदन सभागार, सरायकेला में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय विधायक उदय शंकर सिंह द्वारा की गई। बैठक में माननीया विधायक श्वेता सिंह, माननीय विधायक जीग्गा सुसारण होरो तथा माननीय विधायक, पोटका संजीव सरदार उपस्थित रहे। बैठक के क्रम में समिति द्वारा जिला खनन पदाधिकारी से जिले में संचालित खदानों की वर्तमान स्थिति, बालू घाटों की अद्यतन जानकारी तथा राजस्व संकलन की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संकलन किया जा रहा है। साथ ही अवैध खनन गतिविधियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई, दर्ज प्राथमिकी, जब्त वाहनों एवं वसूली गई राशि की जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा निर्देश दिया गया कि अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध निरंतर निगरानी रखते हुए सख्त एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रदूषण नियंत्रण विभाग से जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति द्वारा सभी औद्योगिक इकाइयों में एयर पॉल्यूशन कंट्रोल यूनिट की अनिवार्य स्थापना, पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने तथा प्रदूषण नियंत्रण संबंधी गाइडलाइन का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही कारखाना परिसरों में पौधारोपण, चाहरदीवारी निर्माण तथा आंतरिक एवं संपर्क सड़कों पर नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समिति द्वारा यह भी स्पष्ट निर्देश दिया गया कि प्रदूषण से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर उसका तत्काल संज्ञान लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाए तथा लंबित शिकायतों का निर्धारित समयसीमा के भीतर निष्पादन कर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए। बैठक के दौरान समिति द्वारा श्रम अधीक्षक को श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का अनिवार्य रूप से भुगतान सुनिश्चित कराने तथा श्रम कानूनों के अनुपालन की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। वहीं नियोजन पदाधिकारी को संबंधित अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत स्थानीय लोगों को 75 प्रतिशत रोजगार का लाभ सुनिश्चित कराने हेतु प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को जिले के सभी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों से उत्पन्न बायो-मेडिकल वेस्ट का वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं मानक प्रक्रिया के अनुरूप निष्पादन सुनिश्चित करने तथा इस संबंध में नियमित अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त समिति द्वारा पेयजल, डीएमएफटी, भू-अर्जन, नगर निकाय सहित अन्य विभागों की भी क्रमवार समीक्षा की गई तथा सभी योजनाओं एवं कार्यों के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

संक्षिप्त खबरें

आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में कराटे प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

अनगड़ा : उत्कल कराटे स्कूल झारखंड शाखा के तत्वावधान में RTC पब्लिक स्कूल, अनगड़ा के प्रांगण में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में रांची जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 50 कराटे छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में RTC पब्लिक स्कूल के प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कराटे प्रशिक्षण को बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं आत्मरक्षा विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा ऐसे प्रशिक्षण शिविरों के नियमित आयोजन पर बल दिया।
शिविर के दौरान उत्कल कराटे स्कूल झारखंड शाखा के मुख्य प्रशिक्षक सेन्साई महादेव गोप के साथ प्रशिक्षक सेन्साई नकुल यादव की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। दोनों प्रशिक्षकों ने छात्र–छात्राओं को कराटे के नवीन नियमों एवं तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी 27 दिसंबर से 30 दिसंबर तक ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 15वीं ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में उत्कल कराटे स्कूल झारखंड शाखा झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करेगी, जिसमें राज्य से लगभग 100 कराटे खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रशिक्षण शिविर में काता एवं कुमिते के नए नियमों के साथ–साथ विभिन्न कराटे शैलियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

क्रिसमस एवं नया साल के उपलक्ष्य में हाईटेंशन मैदान लोवाडीह में फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अनगड़ा : साइक्लोन क्लब लोवाडीह के तत्वाधान में क्रिसमस एवं नया साल के उपलक्ष्य में हाईटेंशन मैदान लोवाडीह में चार दिवसीय फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन में मुख्य अतिथि खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप उपस्थित होकर फाइनल मैच का उद्घाटन कीक मारकर किया। राजेश कच्छप ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना है। आपसी प्रेम भाव से खेलना है। इस मैच में सम्मिलित सभी फुटबॉल टीम को बधाई दी। विशेष कर विजेता एवं उपविजेता को बधाई दी। मैच का प्रथम पुरस्कार वाईएचएन पहान टोली, नामकुम को एक लाख, द्वितीय पुरस्कार गाड़ी गांव पहान टोली को पैंसठ हजार, तृतीय पुरस्कार सुजल ब्रदर्स बरियातू को ग्यारह हजार एवं चतुर्थ पुरस्कार लोली ब्रदर्स सामलौंग को ग्यारह हजार, मैच के मैन ऑफ मैच अमन तिर्की को दिया गया। मौके पर सुमित लकड़ा, पुलिस उपाधीक्षक, विजय कुजूर, बिनोद कच्छप, डां. सुरजीत, प्रदीप साहू, पवन तिर्की, आयोजन समिति के संरक्षक दिनेश चन्द्र प्रमाणिक, बनमाली मंडल, चम्पा कुजूर, रंजीत बड़ाईक, अध्यक्ष नवीन कुजूर, कोषाध्यक्ष संदीप गाड़ी, खेल अध्यक्ष सुनील कुजूर, दीपक कुजूर, खेल सचिव अंजय मेहता, किशोर कुजूर, बिनोद कुजूर, संचालक मंटू लाला एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

समर्पण संस्था ने शीतकालीन राहत सामग्री का किया वितरण

पटमदा : पटमदा प्रखंड के घोषडीह गाँव में समर्पण संस्था की ओर से आदिवासी एवं जरूरतमंद लोगों के बीच शीतकालीन राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान बुजुर्गों को कंबल व शॉल , बच्चों को टोपी, दस्ताने के साथ बिस्कुट एवं चॉकलेट दी गईं।संस्था द्वारा कुछ पुराने लेकिन अच्छी स्थिति वाले गर्म कपड़े भी वितरित किए गए। जिससे बढ़ती ठंड में लोगों को राहत मिल सके। राहत सामग्री पाकर ग्रामीणों में खुशी देखी गई, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान झलकती रही। समर्पण संस्था के सदस्यों ने कहा कि संस्था आगे भी जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए इसी तरह के सामाजिक कार्य करती रहेगी।कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, समाजसेवी कालीपदो महतो एवं समर्पण संस्था के अध्यक्ष बिभूति जेना, सचिव कुमुद शर्मा, चन्दन, श्रवण, हरी, मनीषा , आकाश, अंकित, सूरज, सुरेश, शशि, मृत्युंजय, विजय, सुमित उपस्थित थे।

मिलन चौक पर पलटे अज्ञात ट्रैक्टर से सड़क पर बिखरी बालू, कई बाइक सवार फिसलकर गिरे

चांडिल : मिलन चौक में एक अज्ञात ट्रैक्टर के पलटने से सड़क के बीचों–बीच बालू फैल गई, जिससे बालू पर फिसलकर कई बाइक सवार गिर पड़े। घटना के बाद मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया और दुर्घटना की आशंका बनी रही। शाम तक बालू हटाने के लिए जेसीबी का इंतजार किया गया, लेकिन कोई पहल नहीं होने पर मौके पर मौजूद पत्रकारों ने स्वयं मोर्चा संभाला। पत्रकार अरुण माझी, शिवनाथ महतो, सुधीर कुंभकार एवं विकास ठाकुर ने वेल्चा चलाकर सड़क पर बिखरी बालू को हटाया। पत्रकारों की इस सराहनीय पहल से सड़क साफ हुई और आवागमन निर्बाध रूप से पुनः शुरू हो गया। स्थानीय लोगों ने समय रहते की गई इस मदद के लिए पत्रकारों की प्रशंसा की और प्रशासन से भविष्य में ऐसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

भारत में गहरा रही है जिहादी सोच

भारत के लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष ढांचे के सामने आज जो चुनौती खड़ी है, वह राजनीतिक होने के साथ वैचारिक और सामाजिक भी है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर का ताजा बयान इसी चुनौती की एक तीखी अभिव्यक्ति कही जा सकती है। मुर्शिदाबाद में बनने वाली तथाकथित बाबरी मस्जिद को लेकर उनका यह कहना, यह कोई अयोध्या नहीं है, जो बाबरी को कोई हाथ लगा दे, वस्तुतः सिर्फ जुबान की फिसलन नहीं है। यह एक सोची समझी मानसिकता, एक उकसावे और टकराव की राजनीति का संकेत है जोकि बीते वर्षों में जिहाद के नाम पर पनप रही इस्लामिक कट्टर सोच, उम्मा और पॉलिटिकल इस्लाम से गहराई से जुड़ी हुई है।

अयोध्या विवाद भारत के संवैधानिक इतिहास का एक लंबा और पीड़ादायक अध्याय रहा है, जिसमें हिन्दुओं के असतित्व और स्वाभिमान को लगातार 500 वर्षों तक बार-बार चुनौती दी जाती रही, जिसे कि उच?चतम न्यायालय के फैसले ने कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से समाप्त किया। इसके बाद राममंदिर निर्माण को लेकर देश ने एक कठिन लेकिन जरूरी मोड़ पार किया। ऐसे समय में अयोध्या का संदर्भ उठाकर बाबरी नाम को दोबारा सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में लाना यह दिखाता है कि कुछ लोग उस फैसले को स्वीकार नहीं कर पाए हैं और वे भारतीय समाज को फिर से उसी खाई की ओर धकेलना चाहते हैं, जिससे निकलने में दशकों लगे हैं।

हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की विस्तृत योजना बताना, उसकी फंडिंग, ईंटों की व्यवस्था और साप्ताहिक नमाज की तैयारियों का सार्वजनिक ऐलान करना, ये सभी कृत्य महज धार्मिक गतिविधि का विवरण नहीं हो सकते हैं। साफ तौर पर इस कर्मकाण्ड से राजनीतिक संदेश दिया जा रहा है। यह संदेश उन लोगों के लिए है जो बाबरी ढांचे के विध्वंस को आज भी बदले की भावना से देखते हैं, बाबर जैसे जिहादी, क्रूर आक्रमकारी, हिन्दू द्रोही को अपना आदर्श मानते हैं। दरअसल, ऐसे लोग मस्जिद का नाम बाबरी रखकर उस सामूहिक आक्रोश को बढ़ाना चाहते हैं, जो भारत में मुसलमानों द्वारा हिन्दुओं पर हिंसा करने का कारण बन सकता है!

पिछले एक दशक में भारत ने इस्लामिक कट्टरपंथ के कई रूप देखे हैं। यह सीमा पार से होने वाला इस्लामिक आतंकवाद नहीं रहा है, अनेक बार अब तक सामने आ चुका है कि देश के भीतर वैचारिक स्तर पर भी इसका विस्तार बहुत तेजी से हुआ है। सोशल मीडिया के जरिये युवाओं को कट्टर विचारधाराओं से जोड़ने की कोशिशें हुईं। आईएसआईएस और अल कायदा से जुड़े मॉड्यूलों का भंडाफोड़ हुआ। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, सिम जैसे संगठनों पर कार्रवाई ने यह साफ किया कि कैसे मजहब और सामाजिक सेवा की आड़ में इस्लाम के उग्र नेटवर्क खड़े किए जा रहे थे। कश्मीर से लेकर केरल और बंगाल तक, जिहाद की भाषा अलग अलग रूपों में सामने आई है, जिसका कि मूल मकदस एक ही है। गैर मुसलमानों पर हिंसा।

कहना होगा कि इस पूरे परिदृश्य में गजवा-ए-हिंद की सोच एक बेहद खतरनाक वैचारिक हथियार बनकर उभरी है। यह कोई मासूम मजहबी कल्पना नहीं है; एक आक्रामक राजनीतिक और सैन्य कल्पना है, जो भारत को एक लक्ष्य के रूप में देखती है। जांच एजेंसियों की रिपोर्टों और गिरफ्तार आतंकियों के बयानों में बार-बार इस विचार का उल्लेख हुआ है। भले ही भारत के अधिकांश मुसलमान इस सोच को नकारते हों, लेकिन कुछ कट्टरपंथी तत्व इसे अपनी पहचान और उद्देश्य बना चुके हैं। यही वजह है कि हर ऐसा बयान, हर ऐसा प्रतीकात्मक कदम जो इस सोच को बल देता है, उसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। हुमायूं कबीर का यह तर्क कि चुनाव में जय श्रीराम बोलना सही है तो अल्लाह हू अकबर कहना भी उतना ही सही है, सतही समानता का उदाहरण है। यह तर्क इस सच्चाई को नजरअंदाज करता है कि नारों का राजनीतिक इस्तेमाल किस संदर्भ में किया जा रहा है।

सूडोकु नवताल- 7651

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7650 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

खुद ही मिट जायेंगे गांधी को मिटाने वाले

तनवीर जाफरी

महात्मा गाँधी के नाम से नफरत करने व इसे मिटाने की कोशिशों का एक और प्रयास पिछले दिनों संसद में उस समय देखने को मिला जबकि केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम अर्थात 'मनरेगा ' का नाम बदलकर विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अथवा संक्षेप में 'वी बी जी राम जी' कर दिया। हालांकि पहले यह खबरें थीं कि इसे पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना का नाम दिया जायेगा परन्तु आखिरकार इस योजना से सरकार ने महात्मा गाँधी का नाम हटा ही दिया। गौरतलब है कि मनरेगा की शुरूआत 2005 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यू पी ए सरकार द्वारा की गयी थी। प्रारंभ में इसका नाम जवाहर रोजगार योजना था परन्तु बाद में कांग्रेस ने ही इस योजना को महात्मा गांधी का नाम दे दिया था। अब विपक्ष इसे गांधी का नाम हटाने और मिटाने की भाजपाई कोशिश बता रहा है, जबकि सरकार के अनुसार वह गांधी के विचारों को और मजबूत कर रही है। हालांकि सरकार ने योजना का नाम बदलने के साथ ही इस योजना में कुछ सुधार और विस्तार करने का भी दावा किया है परन्तु कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल इसे गांधी का अपमान बता रहे हैं। कांग्रेस के अनुसार इससे योजना की मूल भावना ही बदल रही है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि जिस तरह अन्य कई योजनाओं, कानूनों, मार्गों, शहरों, स्टेशन आदि के नाम बदलना भाजपा की रणनीति का एक हिस्सा है उसी तरह महात्मा गांधी का नाम हटाना भी उसी मुहिम का एक हिस्सा है।

भाजपा, गांधी का सम्मान करती है, सम्मान करने का दिखावा करती है या सम्मान करते हुये नजर आना उसकी मजबूरी है यह एक ऐसी वैचारिक बहस का मुद्दा है जो गांधी की हत्या के बाद से ही छिड़ा हुआ है। गाँधी का हत्यारा कौन था,उसकी विचारधारा क्या थी? आज उस विचारधारा के अलंबरदार कौन लोग हैं? सत्ता से उनके क्या रिश्ते हैं यह बातें किसी से छुपी नहीं हैं। विगत दस वर्षों से तो खास तौर पर जिसतरह सत्ता समर्थित अनेक सांसदों द्वारा व इसी से जुड़े अनेक संगठनों के लोगों द्वारा जिसतरह गांधी का बार बार अपमान क्या गया,यहाँ तक कि उन्हें गोली मारने का दृश्य तक दोहराया गया,गांधी के हत्यारे आतंकी नाथू राम गोडसे का महिमामंडन किया गया,उसकी प्रतिमा लगाने तक के दुष्प्रयास किये गये यह सब इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि वर्तमान सत्ता के साये तले महात्मा गाँधी के प्रति नफरत खूब फली फूली है। आश्चर्य की बात तो यह है जिनके आदर्श नेताओं ने अंग्रेजों के तलवे चाटे थे,उनके रहम-ो-करम पर जीने को मजबूर थे वही शक्तियां आज उस गांधी के अपमान पर उतारू हैं जिन्हें पूरी दुनिया,यहाँ तक कि खुद अंग्रेज भी झुककर सम्मान देते हैं?

यह पहला मौका नहीं है जबकि मनरेगा से गांधी का नाम हटाया गया है। याद कीजिये 2017 में खादी ग्रामोद्योग आयोग ने हमेशा छपने वाले अपने कैलेंडर में महात्मा गांधी की चरखा घुमाती हुई तस्वीर की जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समान मुद्रा वाली फोटो लगा दी थी। उस समय खादी ग्रामोद्योग के कर्मचारियों और विपक्ष ने भी इसे गांधी जी की विरासत का अपमान बताया था। उस समय सोशल मीडिया पर भी खूब फोटोशॉप्ड मीम्स व ट्रोलिंग हुई। भाजपा नेताओं को तो शायद गांधी का नाम भी सम्मान से लेने में परेशानी होती है। तभी अमित शाह ने महात्मा गांधी को जून 2017 को छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि 'गांधी एक चतुर बनिया था। ' उस समय भी कांग्रेस ने अमित शाह पर राष्ट्रपिता के लिए 'चतुर बनिया' शब्द का इस्तेमाल कर गाँधी का अपमान करने का आरोप लगाया था । उस समय भी कांग्रेस ने कहा था कि आजादी के बाद, बीजेपी ऐसा कर रही है,जैसा अंग्रेजों ने किया था।

31 अक्टूबर 2013 को गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का शिलान्यास गुजरात के नर्मदा जिले में केवड़िया के पास नर्मदा नदी के किनारे किया था । बाद में जब इसका निर्माण 2018 में पूरा हुआ तो नरेंद्र मोदी ने ही प्रधानमंत्री के रूप में इसका उद्घाटन भी किया। मूर्ति की ऊँचाई 182 मीटर है, जो आधार सहित कुल 240 मीटर बनती है। इस प्रतिमा को स्थापित करके भाजपा ने एक तीर से कई शिकार खेलने की कोशिश की। उनमें एक कोशिश यह साबित करना भी थी कि गुजरात का सबसे ऊँचा व्यक्तित्व गांधी का नहीं बल्कि सरदार पटेल का है। दूसरी यह कि नेहरू के मुकाबले में वह पटेल को बड़ा दिखाना चाहती थी। परन्तु अपने उन प्रयासों में वह न तो गाँधी को छोटा कर सकी न ही नेहरू-पटेल के कथित मतभेदों को हवा दे सकी। हाँ पटेल की प्रतिमा लगाने से यह जरूर साबित हो गया कि संघ -भाजपा के पास अपना कोई भी नेता ऐसा नहीं था जिसकी इतनी ऊँची प्रतिमा बनवाई जा सकती। और यह भी कि गांधी-नेहरू को पटेल से छोटा दिखाने की छटपटाहट में वह यह भी भूल गयी कि स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने ही 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की हत्या के तुरंत बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बैन लगा दिया था। यह बैन 4 फरवरी, 1948 को तब लगाया गया था जब यह चिंता थी कि संघ की गतिविधियों ने सांप्रदायिकता फैलाई है जिससे हिंसा को बढ़ावा मिला है। पटेल ने फरवरी 1948 में नेहरू को लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि संघ के सदस्यों ने गांधी की मौत का जश्न मनाया। सर्वविदित है कि गांधी की हत्या हिंदू महासभा से जुड़े आर एस एस के ही पूर्व सदस्य नाथूराम गोडसे ने की थी, जिसके बाद सरकार ने उन संगठनों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जिन्हें नफरत फैलाने वाला माना जाता था। पटेल नेसंघ को अस्थिर करने वाला संगठन माना, और इसकी विचारधारा को साम्प्रदायिक बताया।

बहरहाल दुनिया भर से दिल्ली पहुँचने वाले राष्ट्राध्यक्षों व राष्ट्र प्रमुखों के दिल्ली आगमन पर राजघाट पहुंचकर उन्हें नमन करना या विश्व शांति व बंधुत्व के लिये दुनिया भर में बुलाये जाने वाले मार्च व प्रदर्शनों में गाँधी के चित्रों व उनके सद्भावनापूर्ण विचारों को सर्वोपरि रखना या फिर दुनिया के अनेक देशों में प्रमुख स्थलों पर गाँधी की आदमकद प्रतिमाओं को सम्मान दिया जाना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफी है कि महात्मा गाँधी का नाम किसी योजना से हटाने,उनका नाम शौचालयों पर लिखने या नालों के किनारे उनकी फोटो लगाकर उनका अपमान करने जैसे छिछोरे प्रयासों से न तो गांधी का कद घटने वाला है न ही उनका नाम मिटने वाला है। सच तो यह है कि -' खुद ही मिट जायेंगे गांधी को मिटाने वाले '।

मुद मोद प्रमोद की अभिलाषा

हृदयनारायण दीक्षित

अभिलाषाएं अनंत हैं। सबसे बड़ी अभिलाषा आनंद प्राप्ति है, लेकिन संसार दुखमय है। मनुष्य प्राचीनकाल से ही सुखी देश में रहना चाहता है। वेदों में आदर्श राष्ट्र की सुंदर अभिलाषाएं हैं। आधुनिक राजनीति निन्दित क्षेत्र है। संसदीय राजनीति का भाषा शास्त्र ही कर्कश और बहुधा अश्लील है। यहां आरोप हैं, प्रत्यारोप हैं, जाति, क्षेत्र, मजहब, पंथ के उन्माद हैं। लेकिन प्राचीन भारतीय राजनीति लोकमंगल का उपकरण थी। कुछेक विद्वान लोकतंत्र को यूरोपीय परम्परा की देन मानते हैं।

यूरोपीय जनतंत्र और संसद की कल्पनाएं 13वीं सदी के बाद की हैं लेकिन भारत में राजधर्म और नीतिशास्त्र का विकास ईसा पूर्व कम से कम 6-7 हजार वर्ष पहले ही शुरू हो गया था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र ईसापूर्व लगभग 340 वर्ष में माना जाता है। मौर्यकाल और कौटिल्य ज्ञात इतिहास में हैं। अर्थशास्त्र के रचनाकाल में राजनीति पर ढेर सारे विचार प्रचलित थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र (वाचस्पति गौरौला के भाष्य) में वृहस्पति, शुक्राचार्य, भारद्वाज, पाराशर, चारायण, नारद आदि पूर्ववत विचारकों का उल्लेख किया गया है। शुक्रनीति में राज्यव्यवस्था का खूबसूरत विवरण है। मसलन, राजा बहुमत के अनुसार कार्य करे-कुर्याद् बहुसंमतम (अध्याय 1) शुक्रनीति में योग्यता को ही नियुक्ति का आधार माना गया है कर्मियों की नियुक्ति, पदोन्नति योग्यता और काम के आधार पर करे, जाति या कुल के आधार पर नहीं।

शुक्रनीति में मोहित करने वाली राजनैतिक संरचना है। यहां सेना के अंगो पदों के भी नाम व विवरण हैं। प्रधानमंत्री, मंत्री, सचिव, अमात्य व पुरोहित के वेतन सुस्पष्ट रखने के निर्देश हैं। (अध्याय 2) राजा को निर्देश है कि वृक्षारोपण की चिन्ता करे। गांव में गांव के लिए उपयोगी वृक्ष और वनों में जंगली वृक्ष लगाए। (अध्याय 4) राजा को प्रतिदिन के चैबीस घंटो का समय विभाजन करना चाहिए। आय-व्यय की प्रतिदिन जांच जरूरी है। राजा स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करे। (अध्याय 1) अधिकारियों को एक ही स्थान पर न रखने और स्थानान्तरण के भी निर्देश हैं। (अध्याय 2)

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की शुरूवात में ही शुक्राचार्य व वृहस्पति को नमस्कार किया है। उन्होंने वाद-विवाद के अवसर के लिए शुक्रचार्य के मत का उल्लेख किया है।

शुक्रनीति ऐतिहासिक रचना है। गुस्ताव ओपर्ट ने इस ग्रन्थ पर काफी श्रम किया है। उनके विवेचन में यह ईसापूर्व की रचना है। मूलभूत विषय है राजनीति की विषय वस्तु और लोकतंत्र। इस विषय सामग्री का आधार कौटिल्य हैं। शुक्राचार्य हैं। यथार्थवादी दर्शन है। यहां समग्र लोक को मधुमय बनाने वाली राजनीति थी।

ऋग्वेद (9.113.10 तथा 9.113.11) में प्रार्थना है, जहां सारी कामनाएं पूरी होती हों-यत्र सत्यस्य परमं निधानं तत्र मा सोमामृतं कृधि। यत्र स्थिर सुखं चास्ति तत्र मा अमृतं कृधि। जहां तृप्ति दायक अन्न हो। हे देवों आप वही स्थायित्व दें। अमृतत्व दें। जहां आनंद, मोद, मुद व प्रमोद हैं। यत्रा नंदास च मोदाश्च मुद प्रमोद आसते। जहां कामनाएं तृप्त होती हैं। आप वहां अमृत दें। इस सबके लिए एक आदर्श राज्य व्यवस्था चाहिए। आदर्श राजव्यवस्था के अभाव में राष्ट्र सुखी नहीं होते। इसी प्रार्थना में कहते हैं, जहां विवश्वान का पुत्र राजा है। जहां विशाल नदियां बहती हैं। जहां आनंद का द्वार है। आप हमें वहां स्थायित्व दें। स्तुति है, जहां सूर्य का अखण्ड तेज प्राप्त होता है, उसी क्षेत्र में मुझे अमृतत्व दें। सारी कामनाएं स्वाभाविक हैं, भौतिक हैं, लेकिन एक सुंदर राजव्यवस्था की आवश्यकता की बात महत्वपूर्ण है।

आदिम काल में न राजा था और न ही राज्य।

अथर्ववेद में राज्यव्यवस्था के जन्म और विकास की सुंदर यात्रा है, पहले राज्यरहित राजा के विकास का सुंदर उल्लेख है, पहले राज्य रहित राजा की दशा थी फिर विकास हुआ। परिवार संस्था आई। फिर विकास हुआ और आह्वनीय दशा आई। इसके बाद विचार विमर्श बढ़े। फिर दक्षिणाग्नि दशा आई। यहां दक्ष विशेषज्ञ दशा का अर्थ है कुशल लोगों का नेतृत्व मिलना। विकास होता रहा। इसी के विकास से समिति बनी। यह राजा को पदासीन करती थी और पद से हटाती भी थी। वेदों में उल्लेख है, ह्वराजा समिति में जाता है ह्व अर्थात राजा निरंकुश नहीं है। वह समिति के प्रति उत्तरदाई है।

आधुनिक काल में ज्यादातर राज व्यवस्थाएं किसी न किसी रूप में लोकतांत्रिक हो गई हैं। अमेरिकी राज्यव्यवस्था में राष्ट्रपति की प्रभुता है। रूस में राष्ट्रपति का वर्चस्व है। ब्रिटेन में संसद की प्रभुता है। भारत में संविधान की सर्वोपरिता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का बहुत महत्व है। विचार आधारित पार्टियां चुनाव के दौरान अपने पक्ष में वातावरण बनाती हैं। राजनैतिक दल चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करते हैं। किसी भी राजनीतिक दल के लिए संगठन बनाना जरूरी है। कार्यकर्ता आधारित संगठन पार्टी के पक्ष में लोकमत बनाते हैं। सारी दुनिया में राष्ट्रवादी संगठन हैं। भारत का स्वाधीनता संग्राम भी राष्ट्रवादी था। आज कथित सेकुलरवादी संगठन और व्यक्ति हिंदुत्व को सांप्रदायिक बताते हैं। लेकिन स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख योद्धा महात्मा गांधी ने लिखा था कि, मुझसे हिंदुत्व निकाल दो तो मेरे पास कुछ नहीं बचेगा। स्वाधीनता संग्राम के आगे-पीछे कांग्रेस राष्ट्रवादी संगठन भी थी। संगठन अपरिहार्य है। वामपंथी भी संगठन की महत्ता जानते थे। स्वाधीनता के बाद सांप्रदायिकता चरम पर थी। भारत विभाजन हो चुका था। पाकिस्तान सांप्रदायिक आधार पर बंट गया था। धीरे-धीरे संगठन का तेज घटा। पंडित नेहरू के नेतृत्व में सरकार तो थी, लेकिन संगठन नहीं था।

1951 में भारतीय जनसंघ का जन्म हुआ। इसका सांगठनिक ढांचा धीरे-धीरे मजबूत हो रहा था। संगठन के चुनाव होते थे। संगठन आंतरिक लोकतंत्र से समृद्ध था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अनावश्यक रूप से आपातकाल (1975) लगाया। जनसंघ सहित सभी दलों के कार्यकर्ता जेलों में भेज दिए गए। आपातकाल हटाने के बाद 1977 में संगठन कांग्रेस, सोशलिस्ट और लोकदल तथा भारतीय जनसंघ ने मिलकर जनता पार्टी बनाई। उच्च उद्देश्यों से सशक्त होने के बावजूद जनता पार्टी के पास संगठन का ढांचा नहीं था। जनसंघ घटक के लोगों पर दोहरी सदस्यता के आरोप लगे। जनता पार्टी टूट गई।

कांग्रेस कई दफा टूटी। पहली टूट में एक धड़ा कांग्रेस (ओ) और दूसरा कांग्रेस (आई) कहलाया। कांग्रेस की टूट से ही तृणमूल कांग्रेस बंगाल में व राष्ट्रवादी कांग्रेस महाराष्ट्र में बनी। जनता दल बेमेल संगठन टूटा। एक धड़ा जनता दल एस व एक धड़ा जनता दल यू हो गया। अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बनी। भाजपा के संगठन पर कई विदेशी भारतीय विद्वानों ने शोध किया है और आश्चर्य व्यक्त किया है कि भारत जैसे विशाल देश में ऐसा मजबूत संगठन विचारणीय है।

दिव्य कला मेला : दिव्यांग जनों की मेधा और रचनात्मकता का उत्सव

विवेक शुक्ला

इंडिया गेट पर जहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस की आदमकद मूर्ति स्थापित है उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांग जनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देख कर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला-2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है। इसके साथ ही, अपने पास ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को देख कर इनमें अवरोधों को पार करने का जोश आता।

दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांग जन हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष मेले के 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार की तरफ से दी जाने वाली स्टॉल की सुविधा और यात्रा भत्ता जैसी मदद इन्हें बिना किसी अतिरिक्त बोझ के इस मेले में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपए मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांग जन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है।

दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का भी है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है।

दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से इस मेले ने बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित किया, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन स्वयं को मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। ऐसे आयोजन विकलांगता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, जो शिक्षा और रोजगार नीतियों में सुधार लाते हैं। उदाहरणस्वरूप, देश में पिछले दशक में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण और योजनाएं बढ़ी हैं और मेलों जैसे प्लेटफॉर्म इन योजनाओं का प्रचार करते हैं।

दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दशार्ते हैंझ राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक हैं क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं।

अब कुछ दिव्यांगजनों की सफलता की कहानियों पर नजर डालते हैं, जो इन मेलों की प्रेरणा बन सकती हैं। पहला उदाहरण है- खुशी का। वह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की रहने वाली हैं। उन पर एसिड अटैक हुआ था। कानूनी मामले चल रहे हैं। वो मेले में अपने हाथों से बनी सुंदर डायरियां और बैग वगैरह बेच रही थीं।

बात नीतू की। वह देख सकने में असमर्थ हैं लेकिन अपनी कला के माध्यम से सफलता प्राप्त की है। नीतू ने अपनी कशीदाकारी की कला को जीवन का हिस्सा बनाया और आज वह प्रसिद्ध कशीदाकारी कलाकार के रूप में जानी जाती हैं। दिव्य मेला जैसे आयोजनों ने उन्हें एक मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया और समाज से सराहना प्राप्त की। साथ ही अपने जैसे अन्य दिव्यांगजनों को भी प्रशिक्षित किया है।

एक अन्य उदाहरण ज्योति कुमारी का है जिन्होंने शारीरिक विकलांगता के बावजूद फैशन डिजाइनिंग की दुनिया में पहचान बनाई। दिव्य मेला में उनके द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े और सामान प्रदर्शित किए गए, जो बहुत ही सुंदर और शैलियों से भरपूर थे। उनकी सफलता ने यह साबित कर दिया कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। इन कहानियों से पता चलता है कि दिव्य कला मेला जैसे प्लेटफॉर्म इन सफलताओं को और बढ़ावा दे सकते हैं।

कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है। यह मेला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

दैनिक पंचांग

22 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

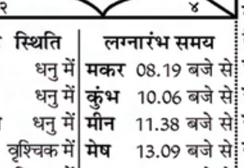

सोमवार 2025 वर्ष का 356 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास पौष पक्ष शुक्ल
तिथि द्वितीया 10.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 05.32 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 16.41 बजे को समाप्त।
करण कौलव 10.52 बजे तदनन्तर तैतिल 23.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872566
जूलियन दिन 2461031.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 01

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	08.19 बजे से
चंद्र	धनु में	कुंभ	10.06 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.38 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	13.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.49 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.47 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	21.17 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.29 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		तुला	01.39 बजे से
		वृश्चिक	03.54 ब.से
		धनु	06.10 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

रांची में साहिबगंज जिला के अध्यक्ष एवं खेल व सांस्कृतिक मोनोनित किए

साहिबगंज: प्रदेश कार्यालय रांची में आयोजित झारखंड प्रदेश के सभी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं सभी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों के साथ संयुक्त बैठक की गई, जिसमें झारखंड में होने वाली नगर निकाय चुनाव पर भी चर्चा की गई और साथ ही साथ संगठन के सभी प्रकोष्ठों को जिला स्तरीय संगठन को मजबूत करने पर जोर देने को कहा गया और सदस्यता अभियान को और तेज करने को कहा गया। साथ ही सभी जिला की सूची मांगी गई। जिसमें साहिबगंज जिला से सूचना प्रौद्योगिक प्रकोष्ठ से विकास कुमार स्वर्णकार को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया और खेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से निश्चंद्र प्रभाकर को खेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष साहिबगंज मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बिलाल खान, आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक कुमार, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र द्विवेदी, महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा राय, खेल एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ममता रंजन, एवं सभी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सहित प्रदेश के सभी पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की वार्षिक अधिवेशन का हुआ आयोजन

साहिबगंज: झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की वार्षिक अधिवेशन छाता डंगाल मैदान बरहरवा में आयोजित किए गए जिसमें मुख्य रूप से केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव, केंद्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता, उपाध्यक्ष फुल कुमारी, जिला अध्यक्ष प्रीतम पीयुस, उपाध्यक्ष निखिल यादव, जिला महामंत्री इमाम विश्वास, प्रवक्ता अंसार खान, जिला कार्यालय मंत्री जावेद अख्तर, प्रमंडलीय संयोजक मोजम अलि, केन्द्रीय सहायक यंत्री रविकांत ठाकुर, जियाउल हक, जिला कार्यकारी अध्यक्ष सद्दाम अंसारी, मनोहर लाल चौहान, कृष्ण कुमार यादव श्यामल प्रसाद दास नगर अध्यक्ष, दिलीप डोकानिया, रणधीर प्रसाद चौरसिया, ब्रह्मदेव यादव, मिथुन यादव सहित सेकंडों कार्यकर्ता सहित मजदूर संघ के पदाधिकारी और मजदूर भाइयों ने गर्मजोशी से अधिवेशन में उपस्थित होकर मजदूर भाइयों को एकजुट रहते हुए विभिन्न मांगों को प्रशासन से पुरा करने का अनुरोध किए।

दो दिन से चल रही शीतलहरी, आम जनजीवन प्रभावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज सहित संपूर्ण जिला बीते दो दिनों से भीषण शीत लहर की चपेट में है। इस कारण दो दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड के कारण आम जनजीवन काफी हद तक प्रभावित होने लगा है। दिन भर सूर्यदेव के दर्शन तक नहीं हो पा रहा है। रविवार को तो एक बार भी धूप नहीं निकला। इस कारण दिनभर भी काफी ठंड का अहसास होता रहा। लोग सिर से पांव तक गर्म कपड़ों में लिपटे रहे। दरअसल, शनिवार की अहले सुबह से ही बर्फीली पछुवा हवा के चलने के कारण ही पूरा जिला भीषण ठंड की चपेट में आया हुआ है। जबकि शुक्रवार की शाम तक यहां उतनी अधिक ठंड नहीं पड़ रही थी। लेकिन शनिवार की सुबह से ही जो बर्फीली ठंडी हवा चलनी शुरू हुई तो ठंड ने अपने तेवर कड़े कर दिये। वैसे भी दिसम्बर का महीना आधे से अधिक बीत गया है तो पूस का महीना भी आधा बीत चुका है तो कड़ाके की ठंड पड़नी तो लाजिमी ही था। वैसे कहा भी जाता है की पूस की रातें सबसे अधिक ठंडी होती है तो फिर पूस में ठंड ने अपने तेवर दिखा दिया। ग्रामीण इलाकों की स्थिति तो और अधिक भयावह है। ग्रामीण इलाकों बर्फीली हवा से ठंड बढ़ने के अलावा वहां सुबह व देर शाम से रातभर घना कुहासा छाये रहने से अधिक परेशानी हो रही है। शाम होने के साथ बाजार व सड़कें वीरान हो गयी। लोग जहां तहां अलाव जलाकर ठंड कम करने के जुगाड़ में लगे हैं। कुहासा व अधिक ठंड पड़ने के कारण फसलों को भी नुकसान होने का अंदेशा बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को साहिबगंज शहर का अधिकतम तापमान करीब 22 एवं न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रहा। इस कारण शनिवार इस साल का सबसे अधिक ठंडा दिन रहा। अब आगे और अधिक ठंड बढ़ेगा तो लोगों को कई प्रकार की परेशानियों से भी जुझना होगा।

जमीन विवाद में हुई मारपीट में दो को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत राधानगर हाई स्कूल मोड़ के समीप जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में दोनों पक्षों ने थाना में शिकायत की है। पुलिस ने इस मामले में रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रथम पक्ष की हेमलता देवी ने थाना पुलिस को आवेदन देकर जमीन विवाद को लेकर मारपीट का आरोप लगाते हुए अनंत मंडल, पुतुल देवी को आरोपी बनाया है। पुलिस ने पीड़िता हेमलता के बयान पर कांड संख्या 556/25 दर्ज कर अनंत मंडल को विधिवत गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। वही दूसरे पक्ष की पुतुल देवी ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि जमीन विवाद को लेकर वीरेन मंडल, कमलेश मंडल, नीरेंद्र मंडल एवं देवाशीष मंडल सहित तीन अन्य अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कांड संख्या 557/25 के तहत धारा 126(2)/191(2)/115(2)/117(2)/109(1)/352/351(2) बीएनएस में प्राथमिकी दर्ज की। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त अभियुक्त देवाशीष मंडल को गिरफ्तार कर विधिवत न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। वही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

लेपाटांड ऐतिहासिक फुटबॉल महाकुंभ में उमड़ा जनसैलाब विधायक सविता महतो ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड के लेपाटांड फुटबॉल मैदान में रविवार को ग्रामीण कीड़ा संस्था, लेपाटांड की ओर से आयोजित 49वें एक दिवसीय ऐतिहासिक फुटबॉल खेल सह मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सविता महतो शामिल हुईं। विधायक सविता महतो ने मैदान में उतरकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन देने की है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए खेलों को जीवन का अहम हिस्सा बताया।इस अवसर पर अंचल अधिकारी दीपक प्रसाद, थाना प्रभारी बजरंग महतो, झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता ओम प्रकाश लायेक, केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, जिला सचिव बैद्यनाथ टुडू, निताई उरांव, विजय कृष्ण महतो, राहुल वर्मा, अभय यादव, पंचानन पातर सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी ग्रामीण उपस्थित रहे।

सत्याग्रह अनशन में मातृशक्तियों ने अपनी मांगों को लेकर 23वें दिन शांतिपूर्ण किया धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तईसवें दिन रविवार को सत्याग्रह अनशन प्रदर्शन हेतु डिहारी, हाजीपुर भिठा, पटवर टोला और भोलीया टोला गांव की गृहणियां सांकेतिक रूप में उपस्थित रहीं। मातृशक्तियों ने शांतिपूर्ण विरोध और धरना प्रदर्शन के दौरान विभिन्न न्यूज एजेंसी के संवाददाताओ के माध्यम से सरकार को स्मरण कराया कि- वेटलैंड नियम, 2017 भारत सरकार द्वारा आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके बुद्धिमतापूर्ण उपयोग के लिए बनाए गए महत्वपूर्ण नियम हैं। ये नियम पर्यावरण अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित किए गए हैं और 2010 के पुराने नियमों का स्थान लेते हैं। इनके मुख्य बिन्दु कुछ इस प्रकार हैं: वेटलैंड क्या हैं। वेटलैंड यानी आर्द्रभूमि ऐसे क्षेत्र हैं जहां पानी स्थायी या मौसमी रूप से जमा रहता है। ये दलदल, झीलें, तालाब, नदियाँ, पीटलैंड, और यहां तक कि मानव निर्मित जलाशय भी हो सकते हैं। ये पारिस्थितिकी तंत्र जैव विविधता, जल चक्र, और स्थानीय आजीविका के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वेटलैंड नियम, 2017 के प्रमुख पहलू: आर्द्रभूमियों का संरक्षण और स्थायी विकास: इनका उद्देश्य है कि आर्द्रभूमियों का क्षरण रुक सके और उनका बुद्धिमतापूर्ण उपयोग हो। जलवायु परिवर्तन, बाढ़ नियंत्रण, भूजल पुनर्भरण, और जैव विविधता को बढ़ावा देना।स्थानीय समुदायों की भागीदारी से इन पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा करना। मुख्य प्रावधान: विकेंद्रीकृत प्रबंधन- राज्य वेटलैंड प्राधिकरण: अब राज्यों को अपनी आर्द्रभूमियों की पहचान, संरक्षण और प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये राज्य-स्तरीय निकाय स्थानीय जरूरतों के हिसाब से काम करेंगे। राष्ट्रीय आर्द्रभूमि समिति: केंद्र सरकार ने एक सलाहकार समिति बनाई है, जो राज्यों के प्रयासों की निगरानी करेगी और नीतिगत दिशा देगी। 2010 के नियमों में मौजूद केंद्रीय वेटलैंड प्राधिकरण को खत्म कर दिया गया है।

काठिया बाबा स्वामी कृष्ण दास का 19वीं पुण्यतिथि उत्सव मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड नगर पंचायत क्षेत्र के नील कोठी वार्ड नंबर 2 स्थित काठिया बाबा आश्रम में रविवार को काठिया बाबा श्री श्री 108 स्वामी कृष्ण दास गुरु महाराज का 19वीं तिरोभाव उत्सव हुआ। इस दौरान भक्तों के द्वारा काठिया बाबा की जय, गुरु जी महाराज की जय आदि का जयकारा लगाया जिससे पूरा माहौल भक्ति में हो गया। दोपहर के वक्त पुनः राजभोग आरती, भजन कीर्तन, गुरु जी की पूजा अर्चना आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही हजारों भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर आश्रम के श्री महंत काठिया बाबा श्री श्री 108 स्वामी नवल किशोर दास महाराज ने बताया कि प्रत्येक वर्ष तिथि के अनुसार गुरु महाराज का तिरोभाव उत्सव मनाया जाता है। और भक्तों के बीच महा भोग एवं गरीब असहाय जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया जाता है। मौके पर राजमहल एवं अन्य राज्यों से आए भक्तजन उपस्थित थे।

हाथियों की आवाजाही से रेल यातायात प्रभावित, कई ट्रेनें रद और कुछ का मार्ग बदला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्र में हाथियों की लगातार आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा कारणों से कई ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। रविवार को रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार कुछ ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों को आंशिक रूप से समाप्त और आंशिक रूप से प्रारंभ किया जाएगा। रेलवे के अनुसार हाथियों की गतिविधि के कारण 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक कई लोकल, मेमू और पैसेंजर ट्रेनों को पूरी तरह रद्द किया गया है। इस अवधि में चक्रधरपुर से राउरकेला और राउरकेला से चक्रधरपुर के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन संख्या 68025 और 68026 रद्द रहेंगी। टाटानगर से राउरकेला और राउरकेला से टाटानगर के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन संख्या 68043 और 68044 भी इस अवधि में संचालित नहीं होंगी। हटिया से झारसुगुड़ा और झारसुगुड़ा से हटिया के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 18175 और 18176, राउरकेला से झारसुगुड़ा और झारसुगुड़ा से राउरकेला के बीच की मेमू ट्रेन संख्या 68029 और 68030, बड़ामपहाड़ से बांगिरिपोसी के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेन संख्या 58151 और 58152, टाटानगर से बड़बिल और बड़बिल से टाटानगर के बीच की मेमू ट्रेन संख्या 68125 और 68126, टाटानगर से गुआ और गुआ से टाटानगर के बीच की मेमू ट्रेन संख्या 68019 और 68020 तथा चक्रधरपुर, टाटानगर और खड़गपुर के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन संख्या 68010, 68009 और 68006 रद रहेंगी।

सुशासन सप्ताह : 25 दिसंबर तक चलेगा ‘प्रशासन गांव की ओर’ अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर “Good Governance Week 2025” के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि सुशासन सप्ताह 2025 के तहत जिले में 19 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक “प्रशासन गांव की ओर” अभियान संचालित किया जा रहा है। इस दौरान जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना, ग्रामीण क्षेत्रों में प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान, प्रशासन को आम नागरिकों के और निकट लाना तथा जमीनी स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन को सुदृढ़ करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष शिविरों में आमजनों से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का ऑन-स्पॉट समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अभियान का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

घरेलू विवाद में युवक ने फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला की समाप्त

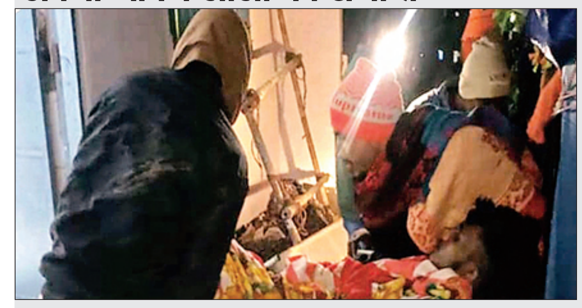

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने घरेलू विवाद में अपने घर में ही फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ी कोदरजन्ना गांव निवासी जयप्रकाश दास का 19 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार दास शनिवार को अपने ही घर में साड़ी के सहारे पंखे से फांसी का फंदा लगा लिया। मामले की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर युवक का शव अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। मृतक युवक के भाई निरंजन कुमार ने बताया कि मेरे भाई की पत्नी के साथ हमेशा लड़ाई झगड़ा होता रहता था। शनिवार को भी फोन पर पत्नी के साथ लड़ाई झगड़ा हो रहा था। तो भाई ने बताया कि अभी हम बरौनी ट्रेन पकड़ेंगे, फिर हम लोग आग तापने लगे। उसके बाद पिता जयप्रकाश दास घर आए और सुमित को आवाज लगाने लगा। जब सुमित नहीं सुना तो दरवाजा खोल कर देखा तो वह फांसी के फंदे पर झूल रहा था। साल भर पहले भाई के शादी हुआ था और पत्नी के साथ हमेशा लड़ाई झगड़ा होता रहता था। मृतक सुमित कुमार मजदूरी का काम किया करता था। ट्रेन में जूता पॉलिश करता था। ट्रेन पर ही रहा करता था। दो दिन एक दिन बाद घर आता था। मृतक भाई में सबसे छोटा था और दो बहन थी। इधर परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल है। जहां रविवार की सुबह सदर अस्पताल में चिकित्सक के द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया उसके उपरांत पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

चंपा गांव में एबीवीपी का वस्त्र वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर इकाई द्वारा घाटी के ऊपर स्थित जनजातीय गांव चंपा में एक व्यापक वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंद एवं वंचित परिवारों को राहत प्रदान करना। कार्यक्रम में अभाविप प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री अविनाश साह ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर मंत्री अविनाश साह ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ निभाने वाला राष्ट्रवादी संगठन है। उन्होंने कहा कि ह्लसेवा कार्य एबीवीपी की कार्यपद्धति का अभिन्न हिस्सा है और संगठन सदैव अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का प्रयास करता रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह ने अपने संबोधन में कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सोच केवल आंदोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा, सहयोग और संवेदना के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुंचना संगठन का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी कार्यकर्ता विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के साथ खड़ा रहता है और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। भविष्य में भी संगठन इसी भावना के साथ सामाजिक सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।कार्यक्रम के सफल संचालन में विभाग संगठन मंत्री बादल कौशिक, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, नगर सह मंत्री निधि सिंह, राजू पहाड़िया, बमभोला, समीर, आरती, सूरज, गौरव, राजा, प्रिया, माही सहित अन्य सक्रिय कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

क्रिसमस पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

पाकुड़: जिले के हिरणपुर थाना परिसर में रविवार को क्रिसमस पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी विनय कुमार ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और कानून-व्यवस्था कायम रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। इसी क्रम में हिरणपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी विनय कुमार ने की। बैठक में समिति के सदस्यों ने आपस में परिचय देते हुए क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने पर जोर दिया। थाना प्रभारी ने त्योहार के दौरान अनुशासन एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अवैध गतिविधि से दूर रहने का संदेश दिया और हिरणपुर बाजार में ट्राफिक के कारण रोड जाम की स्थिति पर भी चर्चा हुए। वहीं, समिति के सदस्यों ने क्रिसमस पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

मंडल कारा चाईबासा में जेल अदालत और स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

पश्चिमी सिंहभूम: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के तत्वावधान में स्थानीय मंडल कारा परिसर में जेल अदालत एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जेल अदालत के लिए गठित न्यायिक दंडाधिकारी अंकित कुमार सिंह की पीठ ने प्रस्तुत मामलों की समीक्षा की और बंदियों के मामलों पर सुनवाई की। न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से बंदियों को त्वरित न्यायिक राहत उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जेल परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें सभी बंदियों की चिकित्सकीय जांच की गई। शिविर के माध्यम से बंदियों के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया।

घरेलू निवेशक सक्रिय, भारतीय शेयर बाजार में निवेश बढ़ा 4.5 लाख करोड़ रुपए

- व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2025 तक बढ़कर 12 करोड़ से अधिक हो गई

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल घरेलू निवेशकों ने म्यूचुअल फंड्स और अन्य माध्यमों के जरिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपए इक्विटी मार्केट में लगाए। व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2019 में लगभग 3 करोड़ थी, जो 2025 तक बढ़कर 12 करोड़ से अधिक हो गई। यह दर्शाता है कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे शेयर बाजार की ओर आकर्षित हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि केवल डायरेक्ट इक्विटी में ही निवेश नहीं बढ़ा, बल्कि म्यूचुअल फंड्स और मार्केट-लिंक्ड उत्पादों में भी निवेश में तेजी आई। 2020 के बाद घरेलू निवेश लगभग 17 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इससे यह साफ होता है कि भारत में लंबी अवधि के निवेश और बचत करने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। हालांकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयरों में सीमित रुचि दिखाई, घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी ने विदेशी प्रवाह की अस्थिरता का असर कम किया और बाजार को बाहरी झटकों से बचाने में मदद की। घरेलू निवेशकों ने अस्थिर बाजार और वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया। सितंबर तिमाही तक

कंपनियों की आय में सुधार हुआ। बेहतर वित्तीय साक्षरता ने निवेशकों को अधिक स्थिर और लंबे समय तक निवेश करने में सक्षम बनाया। घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी भारतीय शेयर बाजार की स्थिरता और दीर्घकालिक विकास में अहम भूमिका निभा रही है। विदेशी निवेशकों की सीमित रुचि के बावजूद, घरेलू निवेश ने बाजार को मजबूती दी है और निवेश संस्कृति में सकारात्मक बदलाव दिखाया है।

भारत में ओपनएआई, गूगल और परप्लेक्सिटी ने एआई टूल्स मुफ्त किए

- भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में से एक है, यहां लगभग 73 करोड़ स्मार्टफोन यूजर्स

नई दिल्ली। ओपनएआई, गूगल और परप्लेक्सिटी ने भारत में अपने प्रीमियम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स को मुफ्त में उपलब्ध कराना शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ाना है। भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाजारों में से एक है, जहां लगभग 73 करोड़ स्मार्टफोन यूजर्स हैं और मोबाइल डेटा दुनिया में सबसे सस्ता है। यूजर्स हर महीने लगभग 21 गीगाबाइट डेटा इस्तेमाल करते हैं और प्रति गीगाबाइट केवल 9.2 सेंट का भुगतान करते हैं, जिससे एआई टूल्स का इस्तेमाल और किफायती हो जाता है। ओपनएआई ने अपना चैटजीपीटी गो प्लान भारत में एक साल के लिए मुफ्त कर दिया है। पहले यह प्लान 54 डॉलर सालाना था। सेंसर टॉवर के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में चैटजीपीटी के दैनिक एक्टिव यूजर्स 73 मिलियन तक पहुँच गए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 607 प्रतिशत की वृद्धि है। यह

संख्या अमेरिका के दैनिक यूजर्स से दोगुनी है, जिससे भारत अब चेटजीपीटी के लिए सबसे बड़ा परप्लेक्सिटी ने भी अपने प्रो प्लान को, जो दुनियाभर में 200 डॉलर सालाना है, एयरटेल ग्राहकों के लिए मुफ्त कर दिया। इसके बाद भारत के डेली एक्टिव यूजर्स की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तक पहुँच गई, जबकि यह पिछले साल केवल 7 प्रतिशत थी। यूजर इंगेजमेंट डेटा से पता चलता है कि भारत में चेटजीपीटी सबसे लोकप्रिय है। नवंबर में लगभग 46 प्रतिशत मासिक यूजर्स ने रोज ऐप खोला, जबकि परप्लेक्सिटी के लिए यह संख्या 20 प्रतिशत और जेमिनी के लिए 14 प्रतिशत थी।

भारत के बैंकों में ताबड़तोड़ हिस्सेदारी खरीद रहीं विदेशी कंपनियां

बैंकों और एनबीएफसी में हिस्सेदारी खरीदकर भारत की ग्रोथ स्टोरी में शामिल हो रही वैश्विक कंपनियां

नई दिल्ली। 2025 में भारतीय फाइनेंशियल सेक्टर विदेशी निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा है। जापान, यूएई और अमेरिका की बड़ी वित्तीय संस्थाओं ने भारतीय बैंकों और एनबीएफसी में भारी निवेश किया है। पहली नजर में ये सौदे सामान्य साझेदारी जैसे दिखते हैं, लेकिन गहराई से देखने पर यह भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और तेज क्रेडिट ग्रोथ पर विदेशी भरोसे को दर्शाते हैं।

इस साल का सबसे बड़ा सौदा दिसंबर में सामने आया, जब जापान की मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप (एमयूएफजी) ने श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड में 20 फीसदी हिस्सेदारी करीब 39,618 करोड़ रुपये में खरीदने का फैसला किया। इससे पहले मई में जापान की ही सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एसएमबीसी) ने यस बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी 13,483 करोड़ रुपये में खरीदी थी। इन सौदों से साफ है कि जापानी बैंक भारत को दीर्घकालिक ग्रोथ मार्केट मान रहे हैं। यूएई के एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने आरबीएल बैंक में 60 फीसदी बहुमत हिस्सेदारी 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का फैसला किया।

वहीं अबू धाबी स्थित एवेनीर इन्वेस्टमेंट ने सम्मान कैपिटल में 43.46 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 9,000 करोड़ रुपये में लेने की सहमति दी है। इसके अलावा एडीआईए और वारबर्ग पिंकस ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में मिलकर 7,500 करोड़ रुपये का निवेश किया।

अमेरिकी निवेश कंपनी ब्लैकस्टोन ने फेडरल बैंक में 6,196 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं ज्यूरिख इंश्योरेंस ने कोटक महिंद्रा इंश्योरेंस में 70 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी।

अमेरिकी बाजार में इंफोसिस एडीआर में 40 फीसदी की उछाल

- लिक्विडिटी संकट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते ट्रेडिंग रुकी, भारत में शेयर पर असर नहीं

न्यूयॉर्क। अमेरिकी शेयर बाजार में भारतीय आईटी दिग्गज इंफोसिस लिमिटेड के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआर) में एक असाधारण हलचल देखने को मिली। शुरुआती सत्र में ही इंफोसिस एडीआर लगभग 40 फीसदी तक उछल गया, जिसके बाद भारी अस्थिरता के चलते ट्रेडिंग को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। दिलचस्प बात यह रही कि भारत में उसी दिन इंफोसिस का शेयर सिर्फ मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ और कंपनी की ओर से कोई बड़ी कॉरपोरेट घोषणा भी नहीं की गई। बाजार के जानकारों के मुताबिक इस तेज उछाल के पीछे मुख्य कारण शॉर्ट स्क्वीज रहा। यह स्थिति तब बनी जब एक बड़े संस्थागत लेंडर ने अचानक उधार दिए गए इंफोसिस एडीआर के करोड़ों शेयर वापस बुला लिए। शॉर्ट सेलर्स, जो शेयर उधार लेकर बेच चुके थे, उन्हें मजबूरी में खुले बाजार से शेयर खरीदने पड़े। मांग अचानक बढ़ने और सप्लाई सीमित होने से कीमतों में तेज उछाल आ गया। आमतौर पर इंफोसिस एडीआर में रोजाना 70 से 80 लाख शेयरों का कारोबार होता है,

लेकिन इस बार वापस बुलाए गए शेयरों की संख्या 4.5 से 5 करोड़ बताई जा रही है। यह सामान्य दैनिक वॉल्यूम से कई गुना अधिक थी, जिससे बाजार में लिक्विडिटी संकट पैदा हो गया।

सोने की कीमतों में गिरावट

चांदी ने दिखाया मजबूत प्रदर्शन

- बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना 1,200 रुपए गिरा, चांदी 2 लाख के पार

नई दिल्ली। भारत में सोने की कीमतें हाल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद अब गिरावट दिखा रही हैं। बीते एक हफ्ते में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,200 रुपए और 100 ग्राम सोने की कीमत में 12,000 रुपए की कमी आई है। फिलहाल 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,34,180 रुपए और 100 ग्राम 13,41,700 रुपए पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने की कीमत क्रमशः 1,23,000 रुपए और 1,00,630 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। दिसंबर माह की बात करें तो सोने की कीमतों में अब तक लगभग 3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। बाजार के जानकारों का अनुमान है कि शॉर्ट टर्म में सोने की कीमत 1,31,500 से 1,34,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में बनी रह सकती है। ऐसे में क्रिसमस वीक के दौरान सोना नए रिकॉर्ड स्तर तक नहीं पहुंच सकता। चांदी की कीमतों में भी हल्की गिरावट आई है। एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,09,000 रुपए है, जो 18 दिसंबर को बने ऑल टाइम हाई 2,11,000 रुपए से 3,000 रुपए कम है। वहीं, 100 ग्राम चांदी 20,900 रुपए और 10 ग्राम 2,090 रुपए पर बिक रही है। दिसंबर में

चांदी ने सोने की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और अब तक लगभग 11 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोना 13,433 रुपए प्रति ग्राम पर है। मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 13,418 रुपए और दक्षिण भारत के शहरों जैसे चेन्नई, कोयंबटूर व मदुरै में 13,528 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार हो रहा है।

भारत, नीदरलैंड ने संयुक्त व्यापार एवं निवेश समिति का गठन किया

नई दिल्ली। भारत और नीदरलैंड ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त व्यापार और निवेश समिति का गठन किया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। दोनों देशों ने इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समिति का मुख्य उद्देश्य भारत और नीदरलैंड के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और सुदृढ़ करना है। यह द्विपक्षीय व्यापार की समीक्षा करेगी, निवेश को बढ़ावा देगी, निवेश और व्यापार से जुड़े मुद्दों को सुलझाएगी और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं की पहचान करेगी। समझौते के तहत समिति की बैठक हर साल आयोजित होगी और इसे बारी-बारी से भारत और नीदरलैंड में आयोजित किया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच संस्थागत स्तर पर लगातार संपर्क बना रहेगा और दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

जापान की कंपनी ने श्रीराम फाइनेंस में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

मुंबई। जापान की प्रमुख वित्तीय कंपनी मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंशियल ग्रुप ने भारत की श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है। इस सौदे की कुल राशि 39,618 करोड़ रुपए बताई गई है। विशेषज्ञ इसे भारतीय वित्तीय बाजार में वैश्विक भरोसे का बड़ा संकेत मान रहे हैं। कंपनी यह हिस्सेदारी तरजीही इक्विटी शेयरों के माध्यम से हासिल करेगा। इस निवेश से श्रीराम फाइनेंस का पूंजी आधार मजबूत होगा, फंडिंग लागत घटेगी और कंपनी के मुनाफे में सुधार की उम्मीद बढ़ेगी। दा **शेयरधारकों की मंजूरी और नियामक स्वीकृति के अधीन रहेगा। कंपनी ने कहा कि यह दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है और इससे क्रेडिट रेटिंग और बाजार में साख में संभावित मजबूती आएगी।

10 मिनट में चार्ज होगी बैटरी, 300 किलोमीटर तक दौड़ेगी

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में बिस्मा गांव के चिराग ने एक ईवी मोटर तैयार की है। जो 10 मिनट की चार्जिंग में 300 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर सकेगी। ई-व्हीकल बड़ी तेजी के साथ बढ़ते चले जा रहे हैं। चार्जिंग के टाइम और उसमें कितना सफर होगा। इसको लेकर हमेशा शंका बनी रहती है। जिसके कारण लगातार नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। निजी कंपनी में कार्य कर रहे उदयपुर के चिराग ने एक ईवी मोटर तैयार की है। इसका सफल ट्रायल हो चुका है। अब इसे व्यावसायिक मॉडल में बदलने के लिए इसमें आवश्यक परिवर्तन किये जा रहे हैं।

श्री सीमेंट करेगी दो हजार करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। सीमेंट कंपनी ने महाराष्ट्र के विदर्भ में 20 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की नई उत्पादन इकाई लगाने की घोषणा की है। इस परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। कंपनी का लक्ष्य अपनी कुल उत्पादन क्षमता को 80 एमटीपीए तक बढ़ाना है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि समूह का राज्य के साथ लंबे समय से संबंध रहा है। पिरामल फाइनेंस ने श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस में अपना 14.72 फीसदी हिस्सा दक्षिण अफ्रीका के सैनलाम समूह को 600 करोड़ रुपये में बेचने का निर्णय लिया। सैनलाम पहले से कंपनी का विदेशी बीमा साझेदार है। शेयर खरीद समझौता दोनों पक्षों के बीच हुआ और यह सौदा 31 मार्च, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

निफ्टी 50 मजबूत, स्मॉलकैप शेयरों की हालत खराब

- छोटे शेयरों में गिरावट और अस्थिरता देखते हुए निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 फिलहाल अपने 52 सप्ताह के उच्च स्तर के करीब है। यह संकेत देता है कि बड़े और स्थिर शेयर निवेशकों के बीच भरोसे का केंद्र बने हुए हैं। निवेशक इस समय जोखिम कम रखना पसंद कर रहे हैं और अधिकतर पूंजी बड़ी कंपनियों में लगा रहे हैं। हालांकि, गहराई से देखें तो स्थिति बिल्कुल अलग है। बीएसई 500 और निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में अधिकांश छोटे शेयर अपने 52 सप्ताह के उच्च स्तर से 20 से 69 फीसदी तक नीचे हैं। बीएसई 500 में हर चौथा शेयर औसतन 30 फीसदी नीचे है। स्मॉलकैप सेगमेंट में केवल 10 शेयर ही अपने शिखर के करीब हैं। इसका मतलब है कि छोटे शेयरों में निवेशकों का विश्वास फिलहाल कमजोर है। छोटे शेयर वैश्विक और घरेलू मैक्रो इवेंट्स के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इस साल रुपए की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति जैसे ट्रंप टैरीफ का असर स्मॉलकैप कंपनियों पर तेजी से दिखा है। इसी वजह से निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं और छोटे शेयर पिछड़ रहे हैं। बाजार की सतह (निफ्टी 50) को देखकर पूरी तरह तेजी का अनुमान लगाना सही नहीं है। छोटे शेयरों में गिरावट और अस्थिरता देखते हुए निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए। लंबे समय में सही चयन और सोच-समझकर निवेश करने से ही स्मॉलकैप निवेश लाभकारी हो सकता है।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा रुख दिखाया

- सप्ताह की कुल गिरावट लगभग 0.3 फीसदी रही पर शुक्रवार की तेजी ने निवेशकों में भरोसा बहाल किया

मुंबई। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे रुख को दिखाया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 दोनों सूचकांकों में कुल मिलाकर लगभग 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन सप्ताह के अंत में आई मजबूती ने निवेशकों के भरोसे को थोड़ा बहाल किया। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक बाजारों की कमजोरी, अमेरिकी और एशियाई संकेतों के नकारात्मक रुख, और घरेलू स्तर पर रुपये की गिरावट ने बाजार पर दबाव डाला। इसके परिणामस्वरूप सोमवार और मंगलवार को

सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में बंद हुए।सोमवार को सेंसेक्स 54.30 अंक गिरकर 85,213.36 पर और निफ्टी 19.65 अंक गिरकर 26,027.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को गिरावट और तेज रही, सेंसेक्स 533.50 अंक गिरकर 84,679.86 और निफ्टी 167.20 अंक गिरकर 25,860.10 पर बंद हुआ। निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई और बाजार में बेचवाली का दबाव नजर आया।

सप्ताह के मध्य बुधवार और गुरुवार को बाजार ने कुछ हद तक स्थिरता दिखाई। शुरुआती कारोबार में हल्की मजबूती देखने को मिली, लेकिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों दिनों लाल निशान में बंद हुए। बुधवार को सेंसेक्स 120.21 अंक गिरकर 84,559.65 और निफ्टी 41.55 अंक गिरकर 25,818.55 पर बंद हुआ। गुरुवार को मामूली गिरावट रही, सेंसेक्स 77.84 अंक गिरकर 84,481.81 और निफ्टी 3.00 अंक गिरकर 25,815.55 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बाजार ने चार दिनों की गिरावट के बाद मजबूती दिखाई। अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े उम्मीद से कम आने के कारण फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई। इसका सकारात्मक असर भारतीय बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 447.55 अंक की बढ़त के साथ 84,929.36 और निफ्टी 150.85 अंक की मजबूती के साथ 25,966.40 पर बंद हुआ।

भारत में एमआईसीई पर्यटन को बढ़ावा देने कई शहरों में खुलेंगे ब्यूरो

- सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर आधारित पहल

नई दिल्ली। पर्यटन मंत्रालय अगले वर्ष से विभिन्न भारतीय शहरों में शहर-स्तरीय सम्मेलन प्रोत्साहन ब्यूरो खोलेगा। ये ब्यूरो सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर काम करेंगे और हर राज्य की राजधानी तथा एक अन्य प्रमुख शहर में स्थापित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य छोटे शहरों की हिस्सा बढ़ाना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार करना है। ये ब्यूरो एमआईसीई (मीटिंग, इंसेंटिव, कान्फ्रेंस, एक्जीबिशन) गतिविधियों का समन्वय करेंगे। दिल्ली के भारत मंडपम और यशोभूमि कॉम्प्लेक्स तथा मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर जैसी प्रतिष्ठित जगहों को इस पहल में प्राथमिकता दी जाएगी। 2026 से ये ब्यूरो स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेंगे और वैश्विक आयोजनों के लिए समन्वित सहयोग प्रदान करेंगे। एआई और डिजिटल समाधान अपनाकर भारत को भविष्य का पेशेवर आयोजन गंतव्य बनाया जाएगा। इस पहल का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में वैश्विक एमआईसीई बाजार में भारत की हिस्सेदारी दो गुना करना है।

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक पर 61.95 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कोटक महिंद्रा बैंक पर बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच, बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट्स, बिजनेस कोरस्पोंडेंट्स (बीसी) द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के दायरे और क्रेडिट सूचना कंपनी नियम, 2006 (सीआईसी नियम) के प्रावधानों के उल्लंघन के संबंध में 61.95 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने कहा, आरबीआई के निर्देशों, सीआईसी नियमों और संबंधित पत्राचार के प्रावधानों का अनुपालन न करने के पर्यवेक्षी निष्कर्षों के आधार पर, बैंक को नोटिस जारी किया गया था जिसमें उसे यह कारण बताने को कहा गया था कि आरबीआई के निर्देशों और सीआईसी नियमों में उक्त प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। बैंक द्वारा नोटिस के जवाब और अतिरिक्त प्रस्तुतियां पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने पाया कि बैंक ने कुछ इसतरह के

ग्राहकों के लिए एक और बीएसबीडी खाता खोला था जिनके पास पहले से ही बैंक में बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (बीएसबीडी) था। इसके अतिरिक्त, बैंक ने बीसी के साथ ऐसी गतिविधियों को करने के लिए एक समझौता किया है, जो बीसी द्वारा की जा सकने वाली गतिविधियों के दायरे में नहीं आती हैं। इसके अलावा, आरबीआई के कहा कि बैंक ने कुछ उधारकर्ताओं के संबंध में क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को गलत जानकारी दी। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई वैधानिक और नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई टिप्पणी करना नहीं है। आरबीआई ने आगे कहा, इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना लगाने का निर्णय आरबीआई द्वारा बैंक के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

ओडिशा का हैदराबाद निवेशक सम्मेलन में 67,000 करोड़ का निवेश प्रस्ताव

भुवनेश्वर। हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन में ओडिशा सरकार को लगभग 67,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सम्मेलन में भाग लिया और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना और ओडिशा को दीर्घकालिक निवेश का केंद्र बनाना था। सम्मेलन में दवा उद्योग, चिकित्सा उपकरण, नवीकरणीय ऊर्जा, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, डाटा सेंटर और उन्नत विनिर्माण में उद्योग की रुचि देखी गई। इस दौरान 13 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिनसे 27,650 करोड़ रुपये के निवेश और लगभग 15,905 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इसके अलावा 39,131 करोड़ रुपये के अन्य निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं, जिनसे 40,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। माझी ने कहा कि ओडिशा स्थिर नीतियों, प्रतिस्पर्धी लागत और सहयोगपूर्ण प्रशासन के जरिए भविष्य के लिए तैयार निवेश गंतव्य बन रहा है। सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई।

आईएचसीएल वेल्लोर में 'विवांता' होटल खोलेगा

- कंपनी ने बीबीके ग्रुप के साथ साझेदारी की

चेन्नई। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने तमिलनाडु के वेल्लोर में 'विवांता' ब्रांड के तहत नया होटल खोलने की घोषणा की है। इस परियोजना के लिए कंपनी ने बीबीके ग्रुप के साथ साझेदारी की है। वेल्लोर का यह होटल कुल 100 कमरों वाला होगा और इसमें समकालीन डिज़ाइन के साथ जीवंत स्थल होंगे। होटल का निर्माण शहर के उभरते बुनियादी ढांचे और बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। वेल्लोर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और औद्योगिक केंद्र है। भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल होने से शहर की विकास क्षमता और भी बढ़ी है। आईएचसीएल और बीबीके समूह दोनों इस साझेदारी और विवांता ब्रांड की पेशकश को लेकर उत्साहित हैं।

बिहार में नशे का मकड़जाल

हिमाचल से कफ सिरफ लाकर नेपाल-बांग्लादेश में सप्लाई

30 हजार बोतल के साथ 2 गिरफ्तार

पटना। राजधानी में नशे के सौदागरों का नेटवर्क बढ़ता जा रहा है। युवाओं तक ड्रग्स पहुंचाए जा रहे हैं। उन्हें नशे की लत लगाकर अपना धंधा फैला रहे हैं। नशीले इंजेक्शन से लेकर कफ सीरप तक की बरामदगी इसका प्रमाण है। समाचार पत्रों ने इस ओर लगातार शासन-प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है कि किशोर व युवाओं को नशे के सौदागर अपना शिकार बना रहे हैं। शनिवार को एक जगह नशीले पदार्थ होने की सूचना पर पटना पुलिस ने चित्रगुप्त नगर और चौक थाना क्षेत्र में छापेमारी की तो वहां कफ सीरप की बोतलें थीं।

पुलिस ने 30 हजार 380 बोतल कफ सीरप बरामद की है। इसकी अनुमानित कीमत 60 लाख रुपये बताई गई है।चौक थाना के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि चित्रगुप्त नगर वाले मामले में आरोपित पिता-पुत्र की तलाश है। छानबीन में पता चला कि बरामद कफ सीरप हिमाचल और महाराष्ट्र से मंगाया गया था। इसकी आपूर्ति पटना सहित अन्य शहरों में की जानी थी। अब पुलिस यह पता कर रही है कि इसके पीछे मास्टरमाइंड कौन है। इस चेन से कौन लोग जुड़े हैं। सिटी एसपी (पूर्वी) परिचय कुमार ने बताया कि मादक पदार्थों की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चित्रगुप्त नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि मूलचंद पथ के कबाड़ी गली स्थित एक मकान में प्रतिबंधित कफ सीरप की बडी खेप रखी गई है। चित्रगुप्त नगर थानेदार रोशनी कुमारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस ने वासुदेव और उसके बेटे विजय के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान दो कमरे से 25 हजार 580 बोतलें बरामद की गई। जांच में पता चला कि ये हिमाचल प्रदेश की तीन अलग-अलग कंपनियों की हैं। आरोपितों के पास इसका कोई लाइसेंस नहीं था। पता चला कि दोनों पिछले एक-डेढ़ साल से इसमें संलिप्त थे। वहीं, चौक थाना क्षेत्र झाऊगंज चिमनी घाट के पास वाहन जांच के दौरान दो वाहनों से 4800 बोतल कफ सीरप जब्त किया गया। इस मामले में रंजन कुमार और शंकर कुमार को गिरफ्तार किया गया। कफ सीरप महाराष्ट्र से मंगाया गया था। 29 नवंबर को शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र की सीडीए कालोनी में छापेमारी कर करीब 70 लाख रुपये मूल्य की कफ सीरप और नशीली दवाएं जब्त की गई। इस मामले में पांच लोगों को पकड़ा गया था। इससे पहले नवंबर के पहले सप्ताह में पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र से 16 हजार बोतल प्रतिबंधित कफ सीरप जब्त किया गया। इससे पूर्व बाईपास थाना क्षेत्र में 42 लाख रुपये का कफ सीरप औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा जब्त किया जा चुका है। सीडीए कालोनी से करीब 35 हजार बोतल कफ सीरप जब्त किया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि इसमें कोडिन फास्फेट की मात्रा मानक सीमा से कई गुना अधिक पाई गई, जिससे यह स्पष्ट है कि इसे नशे के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा था। इसके अलावा दवा भंडारण के लिए कोई लाइसेंस भी नहीं लिया गया था। नंबवर में ही बक्सर-पटना फोर लेन पर वाहन जांच के दौरान दो ट्रक में कफ सीरप के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था, जो उत्तर प्रदेश के फैजाबाद और मथुरा के रहने वाले थे। शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र की सीडीए कालोनी में बरामद कफ सीरप को पटना में डंप कर नेपाल और बांग्लादेश भेजने की भी तैयारी थी। प्रारंभिक जांच में यह बातें भी सामने आई थी कि हिमाचल प्रदेश से यह कोडिन कफ सीरप लाया गया था। शनिवार को चित्रगुप्त नगर से बरामद विभिन्न कंपनियों की 25 हजार से अधिक बोतल प्रतिबंधित कफ सीरप में अधिकांश को हिमाचल प्रदेश में तैयार किया गया था। इसी तरह नौ माह पूर्व अगमकुआं थाना क्षेत्र में ड्रग विभाग ने बड़ी कार्रवाई की थी। ट्रांसपोर्ट नगर से करीब 26 लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित कफ सीरप जब्त की गई थी। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रहने वाले सानीबार नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। सितंबर में भी मालसलामी थाना क्षेत्र से 4,800 बोतल प्रतिबंधित कफ सीरप बरामद की गई थी। बरामद बोतलों पर हिमाचल प्रदेश में निर्मित का लेबल लगा था।

बिहार में बैडमिंटन खिलाड़ियों को मिलेगी सौगात

भागलपुर में खुलेगा पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी

पटना। बिहार में बैडमिंटन खिलाड़ियों को सौगात मिली है। भागलपुर में जल्द ही पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी खुलेगा। बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित बैडमिंटन खिलाड़ी और ट्रेनर पुलेला गोपीचंद से मुलाकात कर बिहार में बैडमिंटन के विकास पर चर्चा की। खेल मंत्री ने पुलेला गोपीचंद से बिहार में भी बैडमिंटन के विकास के लिए बैडमिंटन अकादमी खोलने का प्रस्ताव रखा। जिसे पुलेला गोपीचंद ने स्वीकार करते हुए आने वाले भविष्य में भागलपुर में अपने मार्गदर्शन में पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी खोलने पर अपनी सहमति दे दी। श्रेयसी सिंह ने पुलेला गोपीचंद के साथ पूरे अकादमी कैंपस के साथ-साथ कोर्ट, जिम, खेल विज्ञान केन्द्र, स्पाइनल इंजरी सेंटर, पुनर्वासन केंद्र और फिनलैंड से इंपोर्टेड विभिन्न खेल और प्रशिक्षण उपकरणों का भी बारीकी से निरीक्षण किया ताकि बिहार में भी ऐसी सुविधा और अकादमी उपलब्ध हो सके। श्रेयसी सिंह ने पुलेला गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग ले रहे बिहार के प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ ही उनके हॉस्टल में रहकर मेस में एक साथ भोजन कर उनका हौसला बढ़ाया और उनकी प्रशिक्षण और तैयारियों का जायजा लिया। उन्हें बिहार के खेल का भविष्य बताते हुए उन्हें प्रोत्साहित कर उनकी सफलता के लिए सरकार द्वारा हर संभव सहयोग देने के प्रति आश्वस्त किया। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि 2004 में स्थापित हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी एक प्रतिष्ठित बैडमिंटन प्रशिक्षण केंद्र है जिसका उद्देश्य विश्व स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ियों और कोचों को विकसित करना और बैडमिंटन को बढ़ावा देना है। साइना नेहवाल, पी.वी. सिंधु, किदांबी श्रीकांत, जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी यहां से निकले हैं।

घरों में तोड़फोड़ और गहनों की लूट

मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र के दो थाना क्षेत्रों में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें लाखों रुपए मूल्य के सामान की चोरी हुई है। पहली घटना मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरापट्टी गांव की है। यहां एक बंद पड़े घर को चोरों ने निशाना बनाया। बहुआरापट्टी गांव निवासी मोहम्मद शकील कुछ दिन पहले दिल्ली अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में गए हुए थे। घर में ताला बंद था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने घर का दरवाजा तोड़ कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित के अनुसार, चोरों ने उनके घर से एलसीडी टीवी, गहने, गैस चूल्हा सहित अन्य कीमती सामान की चोरी की। वहीं दूसरी घटना नगरा थाना क्षेत्र के रौजा मसीहन टोला गांव में हुई।

संक्षिप्त डायरी

ग्रामीण कौशल योजनाः भागलपुर रोजगार मेले में 17 कंपनियों ने लिया भाग, जॉब के लिए 3180 युवाओं ने किया अप्लाई

बिहपुर। प्रखंड जीविका के द्वारा शनिवार को प्रखंड मैदान पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। मेले में युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। मेला में 17 कंपनियों ने रोजगार देने के लिए अपने-अपने स्टाल लगाए। जिनके सामने 3180 युवक व युवतियों समेत अन्य लोगों ने रोजगार के लिए पंजीयन कराया। जीविका बीपीएम अरुण कुमार भारती ने बताया कि मेले में आवेदन देने वाले चयनित होने वाले सभी अभ्यर्थियों को उनके मोबाइल पर मैसेज आएगा। जिसमें कुछ को सीधे रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। जबकि कुछ को आरसेटी द्वारा कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसके बाद वे स्वरोजगार शुरू कर सकेंगे।मेला में सिक्योरिटी गार्ड के लिए होप केयर व एजाइल सिक्योरिटी, माइक्रो फाइनेंस के लिए उत्कर्ष फाइनेंस व एलआईसी, कृषि मार्केटिंग कंपनी के लिए शिवशक्ति व नवभारत, स्टिचिंग कंपनी के लिए एलएनजे, भारतीय स्किल सोलर इलेक्ट्रीशियन की जॉब ट्रेनिंग के बाद, मैनपावर एजेंसी सुपरवाइजर व मैनेजर आदि के लिए शानवी व आर्कटिक, फूड डिलीवरी के लिए जोमैटो समेत सरकारी स्टाल डीआरसीसी व आरएसईटीआई आदि समेत कुल 17 कंपनियों ने रोजगार स्टाल लगाए थे। इस मेले का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख रीमा देवी, बीपीआरओ काजल कुमारी, विधायक प्रतिनिधि परमानंद मंडल, थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा, जीविका डीपीएम सुनिर्मल गरैन, रोजगार प्रबंधक मुमताज रहमानी, एचएम मैनेजर मुकेश कुमार गुप्ता, प्रबंधक सामुदायिक वित्त पूनम कुमारी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जबकि मंच संचालन संचार प्रबंधक विकास कुमार राव व बिहपुर बीपीएम अरुण कुमार भारती ने किया। उपस्थित इन सभी प्रतिनिधियों व अधिकारियों ने अपनी योग्यतानुसार इस रोजगार मेले का भरपूर लाभ उठाने की अपील की।

भारतीय सेना से भगोड़ा घोषित आतंकवादी बिहार से पकड़ा गया

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र रक्सौल से सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। देश छोड़कर फरार होने की कोशिश कर रहे भारतीय सेना के एक भगोड़े जवान को इंडो-नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जवान पाकिस्तान स्थित आतंकी और तस्कर नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। उसकी तलाशी में 500 ग्राम हेरोइन और एक हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजवीर सिंह उर्फ फौजी के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि वह पाकिस्तान के आतंकी हैंडलरों के संपर्क में था और नशा तस्करी के बदले भारतीय सेना से जुड़ी संवेदनशील और गोपनीय जानकारियां पाकिस्तान को उपलब्ध करा रहा था। राजवीर की निशानदेही पर पंजाब पुलिस ने फाजिल्का जिले के कांशी राम कॉलोनी से उसके सहयोगी चिराग को भी गिरफ्तार किया है। चिराग के पास से एक 9 एमएम पिस्टल और 407 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक चिराग, राजवीर के लिए कुरियर का काम करता था।

मुजफ्फरपुर में कलर कोडिंग के साथ ऑटो परिचालन शुरू

मुजफ्फरनगर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार से ऑटो एवं ई-रिक्शा के लिए कलर कोडिंग और रूट निर्धारण व्यवस्था का ट्रायल रन शुरू किया गया। मुजफ्फरपुर जंक्शन स्थित ऑटो स्टैंड से जिला पदाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने हरी झंडी दिखाकर इस व्यवस्था का शुभारंभ किया। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि शुरूआती दो सप्ताह ट्रायल अवधि रहेगी। इस दौरान व्यवस्था की व्यवहारिक चुनौतियों की पहचान कर आवश्यक सुधार किए जाएंगे।जनवरी के पहले सप्ताह से निर्धारित रूट, रंग कोड या ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो-ई रिक्शा चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नई योजना के तहत कुल 4800 ऑटो एवं ई-रिक्शा को कलर कोडिंग के दायरे में लाया गया है। इनमें से 4200 वाहनों के लिए निश्चित रूट तय किए गए हैं, जबकि 600 ऑटो को रिजर्व श्रेणी में रखते हुए सफेद रंग के साथ फ्री जोन में रखा गया है। शहर को तीन जोन और एक फ्री जोन में बांटकर कुल 20 रूट निर्धारित किए गए हैं। हर रूट के लिए अलग रंग तय किया गया है, ताकि यात्रियों को भी आसानी से यह जानकारी मिल सके कि कौन सा ऑटो किस दिशा में जाएगा। इसके साथ ही ऑटो-ई रिक्शा के लिए निर्धारित ठहराव स्थल भी चिह्नित किए गए हैं। इससे सड़कों पर अनियंत्रित पार्किंग पर रोक लगेगी और प्रमुख चौराहों व बाजार क्षेत्रों में जाम की समस्या कम होगी।

ग्रेटर पटना : जेपी सेतु से आगे 500 एकड़ में बसेगी सैटेलाइट टाउनशिप

पटना। सोनपुर का इलाका ग्रेटर पटना में शामिल होगा। सोनपुर के बड़े हिस्से को नए शहर के तौर पर विकसित किया जाएगा। राज्य के 11 शहरों में नई सैटेलाइट टाउनशिप बनाने की योजना है। सबसे पहले पटना में सेटेलाइट टाउनशिप बसाई जाएगी। उसके बाद मुजफ्फरपुर में जमीन सर्वे होगा। पटना में जेपी सेतु से आगे करीब 500 एकड़ जमीन पर नया शहर बसाया जाएगा। नगर विकास विभाग ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले महीने से जमीन लेकर इसे डेवलप करने का काम होगा। जेपी सेतु से आगे प्राइवेट के साथ ही रेलवे की जमीन है। विभाग रेलवे से इसके लिए बात करेगा। पटना आसपास के कई इलाकों में शहर के विस्तार को अभी टाल दिया गया है। सबसे पहले सोनपुर में जेपी सेतु के आगे टाउनशिप बसेगी। जेपी सेतु के समानांतर बन रहे नए ब्रिज के बनने से इस इलाके से आवागमन आसान होगा। पटना आसपास के अन्य लोकेशन कैंसिल

: पहले सैटेलाइट टाउनशिप की जो प्लानिंग तैयार की गई थी, उसमें पटना के आसपास के कई लोकेशन का सर्वे किया गया था। इसमें गया-डोभी, डुमरी, पुनपुन और बिहटा-सरमेरा रोड के इलाके को शामिल किया गया था। इन जगहों को फिलहाल कैंसिल कर दिया गया है और जेपी सेतु के आगे सोनपुर वाले हिस्से को फाइनल किया गया है। विभागीय अफसरों के मुताबिक, आवागमन की बेहतर सुविधा को देखते हुए सोनपुर का चयन किया गया है। 22 प्रतिशत एरिया सड़क के लिए। 3 % में कमजोर वर्ग के लिए आवास बनेंगे। 5 % हिस्से में पार्क एवं सामाजिक संरचना। 55 % हिस्सा जमीन मालिक को वापस मिलेगी। 15 प्रतिशत जमीन की बिक्री होगी। 43 शहरों में नए सिरे से मास्टर प्लान भी।

43 शहरों में टाउनशिप बनाने के लिए नए सिरे से मास्टर प्लान बनाया जा रहा है। इसके लिए कैबिनेट ने बिहार शहरी आयोजना स्कीम नियमावली-2025 को मंजूर कर दिया है। नई टाउनशिप बनने से पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, पूर्णिया जैसे शहरों से दबाव हटेगा। भीड़-भाड़, ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी। सड़कों, पार्कों, खेल मैदानों, उद्यानों, खुले स्थानों, सामाजिक बुनियादी ढांचा, लोकोपयोगी सुविधाओं को जगह मिलेगी। इससे निवेश का नया रास्ता खुलेगा। क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा। जमीन मालिकों को नए नियम के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। जमीन को विकसित करके आधे से अधिक हिस्से को लौटा दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकार के सर्किल रेट से तीन गुनी राशि जमीन मालिकों को देने की तैयारी है। प्रति एकड़ 1.30 करोड़ से 6 करोड़ तक की राशि जमीन मालिकों को दी जा सकती है। पहले चरण में सोनपुर और मुजफ्फरपुर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। भूमि अधिग्रहण के बाद पूरे हिस्से को विकसित करके जमीन मालिक को भूमि का 55 प्रतिशत हिस्सा लौटा दिया जाएगा।

बिहार में मशरूम की खेती पर 90% सब्सिडी, रोजगार का सुनहरा अवसर

सुपौल। किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें मशरूम उत्पादन से जोड़ा जा रहा है। कोसी प्रभावित सुपौल जिले में उद्यान विभाग ने मशरूम खेती को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। वैसे तो मशरूम उत्पादन जिले में कई वर्षों से की जा रही है परंतु इस वर्ष इसे और विस्तार दिया गया है। इसके तहत जिले के किसानों को 90 फीसदी अनुदान पर 26500 किट का वितरण किया जाएगा, जो पिछले वर्ष से 15 हजार किट अधिक है। जबकि झोपड़ी में मशरूम उत्पादन में इस वर्ष जिले में कटौती की गई है। गत वर्ष जहां जिले को 15 झोपड़ी का लक्ष्य निर्धारित था। वहीं, इस वर्ष इसे घटाकर 10 कर दिया गया है। फिलहाल विभाग द्वारा मशरूम किट का वितरण शुरू कर दिया गया है। बेहतर उत्पादन के लिए विभाग ने किसानों को प्रशिक्षण भी दिया है ताकि मशरूम उत्पादन कर किसान

अपनी आमदनी को बढ़ा सकें।इस वर्ष बड़ी संख्या में जिले के किसानों ने मशरूम उत्पादन को लेकर अपनी दिलचस्पी दिखाई है। किसानों से प्राप्त आवेदन के सत्यापन के बाद संबंधित एजेंसी को सूची विभाग द्वारा भेजने के बाद किसानों के बीच किट वितरण शुरू कर दिया है।

उद्यान निदेशालय द्वारा जिस एजेंसी को यह जिम्मेदारी मिली है, वह जिले में पहुंचकर किसानों को किट उपलब्ध करा रही है। विभाग द्वारा एक किट की कीमत 54 रुपये निर्धारित की गई है। इसमें किसानों को 10 फीसद अर्थात 5.40 रुपये प्रति किट देने होंगे। शेष 90 फीसद अनुदान की राशि विभाग द्वारा एजेंसी को दी जाएगी। मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने जो 26500 किट उपलब्ध कराने का फैसला लिया है उसमें तीन किस्म के मशरूम किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। उद्यान विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 10000 किट वेस्ट मशरूम के, 15000 बटन मशरूम के तथा 1500 किट ब्रकेट मशरूम के किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

युवाओं के खाते में पहुंचे 50-50 हजार

बिहार सरकार में स्व-रोजगार को मिल रही रफ्तार

समस्तीपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इस बार का सबसे प्रमुख मुद्दा रोजगार और पलायन रोकना था। नई सरकार बनने के बाद घोषित सात निश्चय 3.0 में भी रोजगार पर बल है। सीएम ने पांच साल में एक करोड़ रोजगार देने का वादा किया है। जिले में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बिहार सरकार की बिहार लघु उद्यमी योजना अहम भूमिका निभा रही है। वित्तीय वर्ष 2025 में यह योजना बड़ी संख्या में युवाओं और जरूरतमंद परिवारों के लिए रोजगार का जरिया बनकर उभरी है। जिला उद्योग केंद्र समस्तीपुर के माध्यम से प्रशिक्षण, चयन और आर्थिक सहायता की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।जिला उद्योग केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025 में कुल 2400 आवेदकों को उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद पात्र पाए गए लाभार्थियों में से 1740 युवाओं को पहली किस्त के रूप में 50-50 हजार रुपये की

सहायता राशि उनके खातों में भेजी गई है, ताकि वे अपना स्वयं का लघु उद्योग शुरू कर सकें।इस योजना के तहत अब तक 2830 आवेदनों को स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे साफ है कि जिले में स्वरोजगार को लेकर युवाओं की रुचि लगातार बढ़ रही है। सरकार ने योजना के अंतर्गत 61 प्रकार के व्यवसायों को शामिल किया है, ताकि युवा अपनी रुचि और संसाधनों के अनुसार रोजगार चुन सकें। इनमें आइसक्रीम निर्माण, आटा-सत्तू-बेसन उत्पादन, ऑटो गैराज, कंक्रीट पाइप निर्माण, कसीदाकारी, कॉर्न फ्लेक्स उत्पादन, कूलर निर्माण, कृषि यंत्र निर्माण, वेल्डिंग व गेट-ग्रिल कार्य, पशु आहार, मसाला उद्योग, तेल व दाल मिल, रेडीमेड वस्त्र निर्माण, बढ़ईगिरी और फर्नीचर निर्माण जैसे कई रोजगारपरक विकल्प शामिल हैं। बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत लाभुकों का चयन पूरी तरह कंप्यूटरीकृत रेंडमाइजेशन प्रणाली के जरिए किया जाता है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। एक परिवार से केवल एक सदस्य को योजना का लाभ दिया जाता है। आर्थिक सहायता तीन किस्तों में जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से प्रदान की जाती है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। परिवार की मासिक आय 6 हजार रुपये से कम होना अनिवार्य है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और आवासीय प्रमाण पत्र जरूरी हैं। दिव्यांग आवेदकों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी अनिवार्य किया गया है। न केवल सरकारी नौकरी वरन युवाओं को उद्यमी बनाने की दिशा में काम चल रहा है। उनका कौशल विकास किया जा रहा है। इससे वे स्वरोजगार करेंगे। उन्हें किसी पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। यदि बेहतर काम चल निकला तो कुछ लोगों को रोजगार देने की स्थिति में होंगे।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असर्मथता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं। तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण **में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से** पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का **लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।**

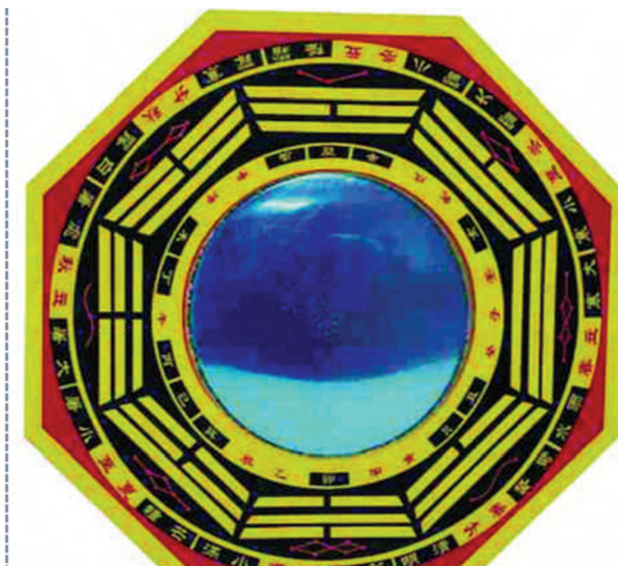

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

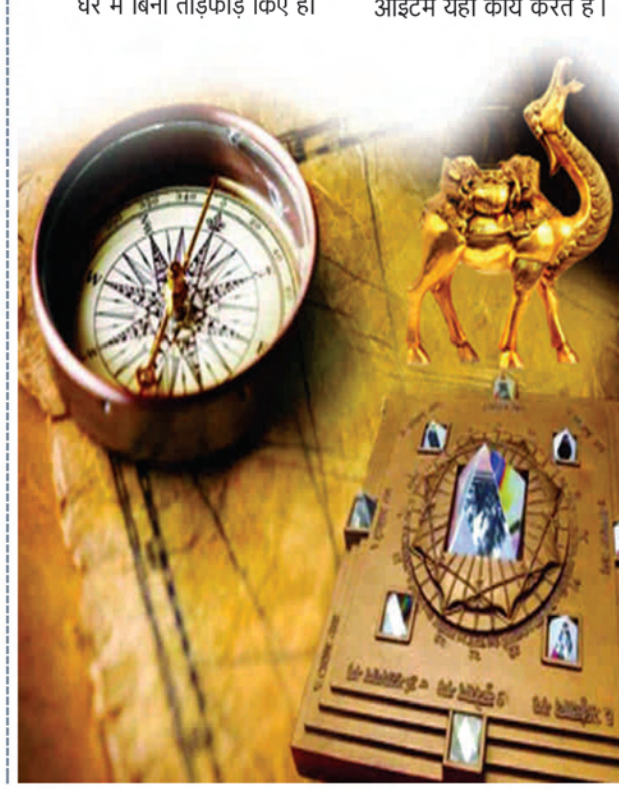

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने पास बरकरार रखी है। मैच के अंतिम दिन छह विकेट पर 207 रनों से आगे खेलते हुए इंग्लैंड टीम अपनी दूसरी पारी में 352 रनों पर ही आउट हो गयी जबकि उसे जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य मिला था। इस प्रकार मेहमान टीम इंग्लैंड को 82 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही इंग्लैंड का सीरीज में बराबरी का सपना भी टूट गया।

लक्ष्य का पीछ करते हुए इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। बल्लेबाज जैक क्राउली ने सबसे अधिक 85 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज बढ़ी पारी नहीं खेल पाये। जेमी स्मिथ 60 के बाद विल जैक्स ने 47 रन और इसके बाद ब्रायडन कार्स ने 39 रन बनाये पर अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने काफी प्रयास किये जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। जेमी स्मिथ एक छोड़ पर जमे हुए थे जिससे मेहमान टीम की उम्मीदें बनी हुई थीं। स्मिथ ने विल जैक्स के साथ मिलकर 91 रन बनाये। इस जोड़ी के टूटने के बाद जैक्स ने ब्रायडन के साथ मिलकर इंग्लैंड की उम्मीदों को बनाये रखा। जैक्स 47 रनों पर आउट हो गए। उनके आउट होते ही फिर इंग्लैंड की पारी ढह गयी। जैक्स और ब्रायडन के बीच 52 रनों की साझेदारी हुई थी। जैक्स का विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर और जोश टंग का विकेट लेकर मैच जीत लिया। ब्रायडन 39 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क के अलावा नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा स्कॉट बोलेंड ने एक विकेट लिया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में एलेक्स कैरी और ट्रेविस हेड की अहम भूमिका रही। कैरी ने पहली जबकि हेड ने दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी।

इससे टीम ने पहली पारी में 371 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने 2-2 विकेट लिए वहीं जोश टंग को एक विकेट मिला। वहीं इंग्लैंड की टीम अपनी अपनी पहली पारी में पारी में 286 रन ही बना पाई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया को 85 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 349 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य दिया था।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ विश्व टूर के सेमीफाइनल में हारी

हांगझू (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता था पर इसके बाद वह अपनी लया बनाये नहीं रख पायी और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गयी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में इस चीनी जोड़ी के खिलाफ जीत मिली थी पर सेमीफाइनल में वह इस सिलसिले को बरकारार नहीं रख पाये। चीनी जोड़ी इस बार भारतीय जोड़ी पर भारी पड़ी। मैच के बाद शेट्टी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने पहले गेम में काफी अच्छी शुरुआत की पर उसे बनाये नहीं रख पाये। । वहीं इससे पहले

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मेलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत के साथ ही बीडब्लयूएफ विश्वटूर के सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। इस मैच में पहले गेम में हार के बाद भी इस जोड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन कर वापसी की। अब सेमीफाइनल में इस जोड़ी का मुकाबला चीन के लियांग वेइ केंग और वांग चांग से होगा। गौरतलब है कि बीडब्लयूएफ विश्वटूर फाइनल्स साल का सबसे बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जिसमें हर वर्ग में विश्व के शीर्ष 8 खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें ग्रुप स्तर के बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाते हैं।

रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तारीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। यहां हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पाक टीम ने लीग मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पाक टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने समीर मिन्हास के शानदार शतक से आठ विकेट पर 347 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ढ़ह गयी और 26.2 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष म्हात्रे 2, जबकि आरोन जॉर्ज 16, वैभव सूर्यवंशी 26, विहान मल्होत्रा 7 और अभिज्ञान कुंडू 13 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद सभी बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये। पाकिस्तान की ओर से अली राजा ने 4 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सैयम ने 2 विकेट लिए। अब्दुल सुभन ने 2 विकेट और हुजाईफा अहसान ने भी इतने ही विकेट लिए

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हए पाक टीम ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। समीर ने गेंदबाज किशन सिंह और दीपेश देवेंद्रन के खिलाफ तेजी से शॉट खेले। समीर ने 113 गेंदों पर 17 चौके और 9 छक्के लगाकर 172 रन बनाए। समीर के अलावा अहमद हुसैन ने 72 गेंदों पर 56 रन बनाये। भारत की तरफ से दीपेश देवेन्द्रन ने 3 जबकि हेनिल पटेल और खिलान पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाक के हमजा जहूर 18 रन पर आउट हुए। जहूर के आउट होने के बाद उस्मान खान 35 उतरे और मिन्हास के साथ मिलकर 92 रन की भागीदारी करके स्कोर 123 रन तक पहुचाया। टूर्नामेंट में एक शतक और एक अर्धशतक जड़कर अच्छी फॉर्म में चल रहे बाएं हाथ के अहमद हुसैन ने 56 रन की पारी खेली पर बाएं हाथ के स्पिनर खिलन पटेल 44 रन देकर दो विकेट ने मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को स्वीप शॉट खेलने के लिए ललचाया जिससे वह मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। उनके और मिन्हास के बीच 137 रन की भागीदारी ने पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने में अहम भूमिका अदा की।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण अफीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

ईशान किशन की वापसी पर गावस्कर ने खुशी जतायी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार का अच्छा प्रदर्शन हाल के दिनों मे ईशान ने किया था उससे उनकी वापसी तय थी। गावस्कर ने कहा, मैं ईशान के लिए बहुत खुश हूं. वह कुछ समय टीम से बाहर रहे पर झारखंड को ट्रॉफी दिलाकर उसने शानदार वापसी की। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी पर कहा कि फॉर्म में नहीं होने से उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, वह अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका प्रदर्शन 2024 टी20 विश्व कप के बाद से ही सराहनीय रहा ह। दक्षिण अफीका के खिलाफ हालांकि वह रन नहीं बना पाये कुछ मैचों में उन्हें परेशानी हुई पर फॉर्म आती-जाती है। टी20 में शुरुआत से ही तेज खेलना होता है, अगर लय न हो तो मुश्किल हो जाती है। इसी कारण शायद उन्हें बाहर किया गया है। गावस्कर ने कहा, 'उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के लिए ज्यादा सही है। वह टी20 में तेज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं पर वह बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमने यह आईपीएल में भी देखा है, इसलिए टी20 उनके लिए नया प्रारुप नहीं है। गावस्कर ने जितेश को बाहर किये जाने पर दुख जताते हुए कहा, जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने मौके मिले, वह अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। उनके लिए परेशान है पर युवा होने के कारण वह वापसी करेंगे।

वर्ल्ड टेनिस लीग 2025: सुरेश की धमाकेदार सर्व से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने जीता खिताब

बैंगलुरु (एजेंसी)। वर्ल्ड टेनिस लीग 2025 (WTL) ने बैंगलुरु के स्रू कृष्णा स्टेडियम में चार दिनों तक रोमांचक टेनिस का आनंद दिया। फाइनल में भारत के धक्षिणेश्वर सुरेश की शानदार परफॉर्मेंस की मदद से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने AOS ईगल्स को 22-19 से हराकर अपना पहला WTL खिताब अपने नाम किया।

फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स टूर्नामेंट में टेबल के निचले हिस्से में थीं। लेकिन टूर्नामेंट के डायनामिक फॉर्मेट ने उन्हें लय में वापस लाकर फाइनल तक पहुंचाया। दर्शकों से भरे स्टेडियम में क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव और केएल राहुल भी मौजूद थे। इस रोमांचक मुकाबले में टीम ने आखिरी क्षण तक शानदार खेल दिखाया।

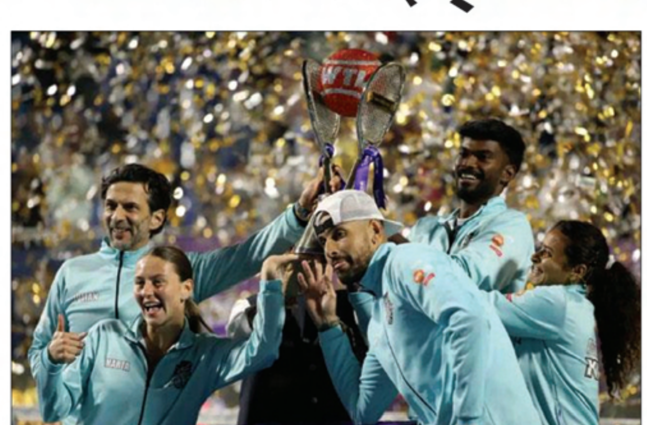

धक्षिणेश्वर सुरेश ने ग्रुप स्टेज में सुमित नागल से मिली हार का बदला फाइनल में 7-6 के निर्णायक सेट से चुकाया। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, ने डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े खिलाड़ियों को हराकर खुद को भविष्य के स्टार खिलाड़ी के रूप में पेश किया।

फाइनल में मार्टा कोस्त्युक ने पहले मैच में श्रीवल्ली भामिदिपति को 6-4 से हराकर मावेरिक्स को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि AOS ईगल्स ने मिक्स्ड डबल्स में श्रीवल्ली और गेल मोनफिल्स की मदद से मावेरिक्स को 6-3 से हराकर वापसी की कोशिश की।

लेकिन उनकी वापसी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। निक किर्गियोस और धक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी ने सुमित नागल और मोनफिल्स को 6-3 से हराकर निर्णायक जीत मावेरिक्स के नाम कर दी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए धक्षिणेश्वर को 'मैन ऑफ़ द फाइनल' का खिताब भी मिला।

वर्ल्ड टेनिस लीग, जिसे 'The Greatest Show on Court!' कहा गया है, ने भारतीय दर्शकों को विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का मौका दिया। टूर्नामेंट में AOS ईगल्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स और वीबी रियल्टी हॉक्स ने भाग लिया। युवा भारतीय खिलाड़ियों जैसे धक्षिणेश्वर सुरेश, श्रिवल्ली, सहजा यमालपल्ली और माया राजेश्वरन ने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलकर सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर पाया।

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन। एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं। हॉलैंड के प्रीमियर लीग में 104 गोल हो गए, जो रोनाल्डो से एक अधिक है। लिवरपूल ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही टॉटेनहम की टीम को 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद न्यूकैसल के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए फायदेमंद होगा या नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेस्सी का भारत आगमन महज एक भव्य आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए संभावनाओं से भरा अवसर माना जा रहा है। उनकी मौजूदगी से खेल को वैश्विक मंच पर पहचान मिली और युवा खिलाड़ियों में उत्साह भी देखने को मिला। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि क्या यह दौरा भारतीय फुटबॉल के भविष्य में कोई ठोस बदलाव ला पाएगा।

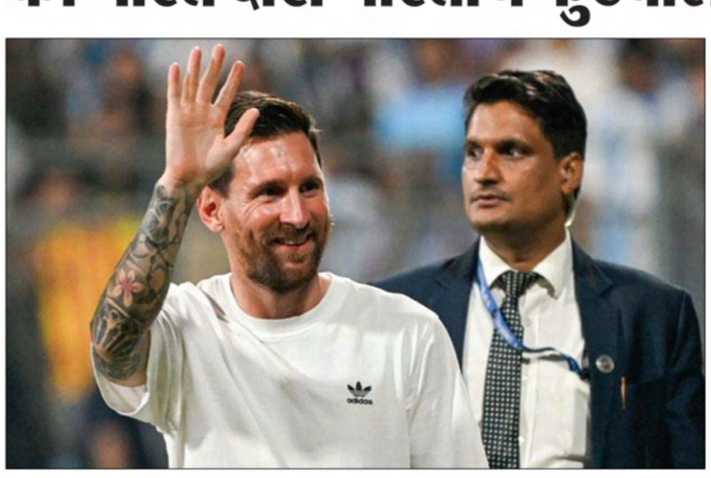

मैच या प्रशिक्षण से बन सकता था दौरा ज्यादा प्रभावी

अगर यह दौरा फुटबॉल के वास्तविक विकास को ध्यान में रखकर होता, तो मेस्सी का भारतीय राष्ट्रीय टीम या किसी स्थानीय क्लब के खिलाफ मुकाबला खेलना ज्यादा सार्थक होता। 1977 में पेले द्वारा मोहन बागान के खिलाफ खेला गया ऐतिहासिक मैच आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा, किसी फुटबॉल अकादमी का दौरा, युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना या वंचित बच्चों से मुलाकात इस यात्रा को खेल और समाज-दोनों के लिए उपयोगी बना सकती थी।

कमजोर दौर से गुजर रहा है भारतीय फुटबॉल

मेस्सी का दौरा ऐसे समय हुआ जब भारतीय फुटबॉल कठिन दौर से गुजर रहा है। नवंबर 2025 की फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम 142वें स्थान पर है। वहीं, इंडियन सुपर लीग (ISL) के भविष्य, ढांचे और स्थिरता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

खेल से ज्यादा दिखी मार्केटिंग

यह दौरा फुटबॉल से अधिक मार्केटिंग केंद्रित नजर आया। भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हुए यह यात्रा इंटर मियामी के प्रचार और अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह पैदा करने तक सीमित रही। कई ऐसे लोग भी मेस्सी के साथ फोटो खिंचवाने को उत्साहित दिखे, जिनका खेल से सीधा कोई संबंध नहीं था।

क्रिकेट बैट भेंट करना बना चर्चा का विषय

दौरे के दौरान कुछ अजीब दृश्य भी सामने आए। ICC अध्यक्ष जय शाह द्वारा मेस्सी को भारतीय क्रिकेट टीम के हस्ताक्षर वाला बैट भेंट करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। फुटबॉल से जुड़े इस दौरे में क्रिकेट प्रतीकों की मौजूदगी पर सवाल भी उठे।

मजबूत फुटबॉल संस्कृति की दरकार

भारत को एक मजबूत फुटबॉल राष्ट्र बनने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए माता-पिता का सहयोग, स्कूलों में बेहतर खेल ढांचा और शिक्षा प्रणाली में खेल को पर्याप्त महत्व देना बेहद जरूरी है।

आईएसएल की संरचनात्मक चुनौतियां

आईएसएल के शुरुआती दो सत्र सफल जरूर रहे, लेकिन प्रमोशन और रेलिगेशन सिस्टम की कमी ने प्रतिस्पर्धा को कमजोर किया। साथ ही विदेशी स्ट्राइकरों पर अधिक निर्भरता के चलते भारतीय फॉरवर्ड्स का विकास प्रभावित हुआ, जिसका असर राष्ट्रीय टीम पर साफ दिखता है।

खिलाड़ियों की उपलब्धता और 'इंडियन एरोज़' पहल

राष्ट्रीय टीम के लिए एक और बड़ी समस्या यह है कि क्लब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करते। ऐसे में एआईएफएफ की 'इंडियन एरोज़' पहल अहम साबित हुई, जिसने वैकल्पिक प्रतिभाओं का मजबूत पूल तैयार किया।

भव्य आयोजन, लेकिन सीमित असर

कुल मिलाकर, लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भले ही भव्य, चर्चित और ग्लैमर से भरपूर रहा हो, लेकिन भारतीय फुटबॉल को इससे कोई स्थायी लाभ मिलता नजर नहीं आया। जब तक जमीनी स्तर पर संरचनात्मक सुधार और मजबूत खेल संस्कृति विकसित नहीं होती, तब तक ऐसे बड़े दौरे सिर्फ सुर्खियों और उत्साह तक ही सीमित रहेंगे।

सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द

मुम्बई। भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दक्षिण अफीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी सवाल भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पक्की न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किय गया। वहीं समय-समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पठान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल् का गुब्बार निकल या। . इस दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर-बाहर होने से उनका हौंसला टूटा है। पठान ने उनसे पूछा, 'आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?' इसके जवाब में सैमसन ने कहा, 'मजे के लिए इंतजार कर रह था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।' वहीं जब पठान ने पूछा कि 'जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।' इसपर सैमसपन ने कहा, 'टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है। हमारे लीडरशिप ग्रुप में कप्तान सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है इसलिए संपर्क हमेशा रहा है। इसपर इरफान ने पूछा कि ऐसे में उम्मीद है कि हम आपको अब लगातार पारी शुरु करते देखेंगे। इसप सैमसन ने हंसते हुए कहा कि ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले– एसआईआर का विरोध करने वाले हैं खुद कंफ्यूज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को मुंबई से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने गोवा में आयोजित हालिया कला उत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यह अनूठा कला उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया और कला प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि जो लोग आज एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, वे ही कुछ समय पहले इसकी मांग कर रहे थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध करने वालों को खुद यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस बात का विरोध कर रहे हैं। केवल विपक्ष में होने के कारण विरोध करना ही उन्होंने अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी समझ ली है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो थोड़े दिन पहले तक एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे थे और अब उसी प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वे खुद कंफ्यूज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं और हर कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को धरातल पर उतारने को लेकर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग संसद को चर्चा का मंच बनाने के बजाय अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही जनता के। सरकार की प्राथमिकता देश के विकास और आम नागरिकों के हितों को आगे बढ़ाने की है, जबकि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

ढाई दर्जन मामलों में वांछित एक लाख का ईनाम बदमाश सिराज अहमद एनकाउंटर में ढेर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। लगभग ढाई दर्जन अपराधों में वांछित और यूपी के सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार चल रहे बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम रखा हुआ था। यह मुठभेड़ सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ और स्थानीय पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य फरार आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सिराज अहमद के सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान घायल होने की जानकारी मिली है। पकड़ा गया बदमाश सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ टीम को शनिवार की रात सूचना मिली कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर जिले में मौजूद है। सूचना पर टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। अस्पताल में मौत हो गई।

इंडिगो के हवाई जहाज मे मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों में भगदड़

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मधुमक्खियां के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियां एयरक्राफ्ट के अंदर घुस गई, जिसके कारण यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। यात्री हवाई जहाज से नीचे उतरकर अपने आपको बचाने में लग गए। एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने मधुमक्खियां को कीटनाशक छिड़क कर वहां से हटाया। सबसे खास बात यह रही, मधुमक्खी हवाई जहाज के आंतरिक हिस्से में नहीं घुसी थी। जिसके कारण जल्द ही मधुमक्खियों के हमले को काबू में किया गया। यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। विमान जब उड़ान भरने वाला था, उसी समय मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। विदेशी पर्यटकों ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो वायरल हो रहा है। इस घटना के कारण फ्लाइट करीब 4 घंटे देर से दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों के ऊपर नहीं हुआ। इसको लेकर यात्री मधुमक्खियां को धन्यवाद देरहे थे।

नमो भारत ट्रेन में आपत्तिजनक हरकत : वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

गाजियाबाद(एजेंसी)। गाजियाबाद से मेरठ खंड पर चलने वाली रैपिड रेल नमो भारत ट्रेन में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। चलती ट्रेन के अंदर एक युवक और युवती ने आपत्तिजनक हरकतें कीं, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों यात्री सीट पर बैठे हुए अश्लील व्यवहार कर रहे हैं। यह घटना 24 नवंबर की बताई जा रही है, जब ट्रेन मोदीनगर (उत्तर) स्टेशन की ओर जा रही थी। बैकग्राउंड में ट्रेन की घोषणाएं भी स्पष्ट सुनाई दे रही हैं, जो वीडियो की प्रामाणिकता की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ईएमएस इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में एक अन्य यात्री भी दो सीट पीछे बैठा दिखाई दे रहा है। घटना के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सच्चाई का पता लगाएं। ग्रामीण जोन के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अब इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि यदि वीडियो सही पाया जाता है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर खुलासा किया कि यह वीडियो पिछले महीने 24 नवंबर का है। मामले की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई थी और कुछ कार्रवाई भी की गई।

उत्तर भारत में घने कोहरे का कहर: बर्फबारी से नेशनल हाईवे बंद प्रदूषण का स्तर भी खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के विशाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार को स्थिति इतनी विकट हो गई कि कोहरे की घनी चादर के कारण सड़कों पर दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में अघोषित लॉकडाउन जैसी स्थिति नजर आई। कोहरे के इस कहर ने परिवहन के सभी माध्यमों–सड़क, रेल और हवाई यातायात–पर ब्रेक लगा दिया है। दर्जनों उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि राजधानी और दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनों समेत सैकड़ों ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं, जिससे हजारों यात्री स्टेशनों और हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। रविवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को बर्फीली हवाओं के कारण कोहरे से थोड़ी राहत की उम्मीद दिखी थी, लेकिन यह राहत क्षणिक साबित हुई। कुछ ही समय बाद कोहरे की एक मोटी परत ने पूरे क्षेत्र को फिर से अपनी चपेट में ले लिया। मौसम में आए इस बदलाव का मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जिसकी वजह से वहां भारी हिमपात हो रहा है। भारी बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लद्दाख नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा है। वहीं, मैदानी इलाकों में ठंड के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी चिंता बढ़ा दी है; दिल्ली के वजीरपुर जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के पार पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी राहत की संभावना कम है। 21 दिसंबर की सुबह तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, 25 से 27 दिसंबर के बीच कोहरे का एक और दौर आने की आशंका है, जो विशेष रूप से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेगा। मध्य प्रदेश और झारखंड में भी अगले 24 से 48 घंटों तक कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। कोहरे के साथ-साथ शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि दिन के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। तापमान के मोर्चे पर, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन उसके बाद फिर से 4 डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के राज्यों जैसे तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी शीतलहर चलने का अनुमान जताया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी के बीच मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी और मैदानी इलाकों में चल रही बर्फीली हवाओं ने पूरे उत्तर भारत को एक कोल्ड चैंबर में तब्दील कर दिया है।

इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने वालों के लिए अलर्ट जारी, उड़ानों के रद्द होने से बनी स्थिति

नई दिल्ली। धुंध और कोहरे के चलते अचानक फ्लाइट रद्द करना पड़ रहीं हैं। ऐसे इंडिगों ने एडवाइजरी जारी करते हुए अपने यात्रियों को अलर्ट कर कहा है कि घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट चेक कर लें और सुनिश्चित करें कहीं आपकी फ्लाइट रद्द तो नहीं हुई है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने रविवार के लिए अपने यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी और एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो एयरलाइन ने सोशल मीडिया और आधिकारिक माध्यमों से यात्रियों को सूचित किया है कि खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइन ने कहा है कि कम विजिबिलिटी के कारण विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ संभव नहीं होगा जिससे उड़ानें देरी से चल सकती हैं या उन्हें कैंसिल भी किया जा सकता है। इंडिगो की टीमें लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी बदलाव की स्थिति में यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए जानकारी दी जाएगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से निकलने से पहले लिंक पर जाकर अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जरूर देख लें। एयरलाइन ने उन यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं जिनकी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी फ्लाइट को फिर से शेड्यूल कर सकते हैं। यदि यात्री यात्रा नहीं करना चाहते तो वे वेबसाइट के माध्यम से रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया है। धुंध और प्रदूषण के कारण सिर्फ इंडिगो ही नहीं बल्कि पूरा एविएशन सेक्टर प्रभावित है। शनिवार को कम दृश्यता के चलते दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 66 उड़ानें रद्द की गईं। श्रीनगर से 4 और अमृतसर-दिल्ली रूट की 3 उड़ानें खराब मौसम की भेंट चढ़ गईं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री बोले- धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, नया कानून बनाएंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार शाम एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य सरकार अन्य धर्मों का अपमान करने या गाली-गलौज करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा के प्रावधान हेतु विधानसभा सत्र में एक नया अधिनियम प्रस्तुत करेगी। साथ ही, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों में उचित संशोधन भी किए जाएंगे। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी धर्मों के प्रति आपसी सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए धार्मिक घृणा फैलाने तथा हमलों की घटनाओं के खिलाफ सरकार पहले से ही सख्त कदम उठा रही है।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक समुदाय राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण लाभार्थी हैं। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े कब्रिस्तानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने का पूरा आश्वासन दिया। क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने ईसा मसीह के उन अमर उपदेशों की याद दिलाई, जिनमें प्रेम, शांति, क्षमा और मानवता की सेवा का संदेश निहित है। विशेष रूप से, उन्होंने नफरत करने वालों से भी प्रेम करने के दिव्य संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिसंबर माह को तेलंगाना तथा कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष और चमत्कारिक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य का गठन तथा सोनिया गांधी का जन्मदिन दोनों इसी माह में पड़ते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली जैसी पहलों की सराहना की। अंत में, रेवंत रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के तहत राज्य विकास, समृद्धि और जनकल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

सीएम उमर ने कहा- भ्रम में मत रहिए मैं दिल्ली और कश्मीर में अलग-अलग बात नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने बयानों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां एक ओर विपक्षी गठबंधन केंद्र सरकार पर पूर्ण रूप से हमलावर रुख अपनाना चाहता है, वहीं उमर अब्दुल्ला समय-समय पर केंद्र की सराहना करके उस दबाव को कम कर देते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी जा रही फंडिंग की खुलकर तारीफ की है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी यह सराहना किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं है और वे स्थान के अनुसार अपनी बात नहीं बदलते।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने अपनी नीति को बिल्कुल साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि वे उन नेताओं में से नहीं हैं जो राजनीति में लोगों को गुमराह करें। जहां केंद्र सरकार अच्छा कार्य करती है, वहां वे उसकी प्रशंसा करते हैं और जहां कमी दिखती है, वहां खुली आलोचना भी करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी को खुश करने के लिए झूठ नहीं बोलता। मैं अपनी बात दिल्ली में भी वही कहता हूं जो कश्मीर में कहता हूं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में भी उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाते रहे हैं। इसी मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की उदारता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि राज्य दर्जे की बहाली को छोड़कर अन्य सभी मामलों में केंद्र सरकार ने उन्हें कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सच कहूं तो पूर्ण राज्य के मुद्दे को छोड़ दें तो केंद्र सरकार ने हमें शिकायत करने का कोई अवसर नहीं दिया। सिर्फ इसी एक मामले में वे आगे नहीं बढ़ रहे, वहां हमें केवल शिकायतें ही मिली हैं। यह पूरा विवाद उमर अब्दुल्ला के हालिया बयानों और साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उदार फंडिंग और सहयोग की प्रशंसा की थी। उनकी अपनी पार्टी के सहयोगी और कश्मीर के कुछ अन्य नेता उन पर केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली में वे केंद्र की तारीफ करते हैं और कश्मीर आकर आलोचना शुरू कर देते हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि वे कभी भी स्थान के आधार पर अपनी बात नहीं बदलते। वे हमेशा से केंद्र की उदार फंडिंग की सराहना करते आए हैं और जहां गलती है, वहां आलोचना भी करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि वे विधानसभा हो या सार्वजनिक मंच, हर जगह एक ही बात कहते हैं। वे किसी के दबाव में या प्रसन्नता के लिए अपनी राय नहीं बदलते। उनकी यह स्पष्टवादिता उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा रही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है। राज्य के विकास और केंद्र से सहयोग के मामले में वे सकारात्मक रुख रखते हैं, लेकिन पूर्ण राज्य दर्जे की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं।

दिल्ली पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री से मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में हिजाब खींचने वाले मामले को लेकर देशभर में चल रही बयानबाजी और राजनीतिक चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे हालात में उनके दिल्ली आगमन को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होने की भी संभावना है। दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश कुमार का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। हालांकि फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में बिहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बिहार में हिजाब विवाद को लेकर देश भर में सियासी बयानबाजी तेज है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री से संभावित मुलाकात कई तरह के राजनीतिक संकेत दे रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में जिस जज ने सोनिया को राहत दी उसी को हटाने पर अड़ा लालू परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत के विशेष जज को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस जज ने हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी थी, उसी जज को बदलने की मांग राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार की ओर से की गई। हालांकि अदालत ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका नामंजूर कर दी। राबड़ी देवी ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ चल रहे मामलों को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि विशेष जज उनके मामलों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। अदालत ने साफ कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी जज को बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती और सुनवाई तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ेगी।

लालू परिवार के खिलाफ ये मामले लैंड फॉर जॉब्स और आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े हैं। इनमें राबड़ी देवी के अलावा लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों ने ट्रांसफर याचिका का कड़ा विरोध किया। एजेंसियों का कहना था कि यह याचिका दुर्भावना से दायर की गई है और इसका मकसद न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। यह भी दलील दी गई कि जब तक आरोप तय हुए और मामला सबूतों के चरण में पहुंचा, तब तक किसी तरह के पक्षपात का मुद्दा नहीं उठाया गया। इसी बीच, यही विशेष जज एक अन्य अहम फैसले को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि यह शिकायत किसी अनुसूचित अपराध से जुड़ी एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए कानूनन टिकाऊ नहीं मानी जा सकती। इस आदेश को गांधी परिवार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा गया। हालांकि इस फैसले से असंतुष्ट जांच एजेंसी ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत नया अभियोजन मामला दर्ज किया गया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

नेशनल हेराल्ड मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ा है, जो पहले नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करती थी। आरोप है कि 2010 में 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी ने एजेएल का कर्ज बहुत कम रकम में खरीद लिया और बाद में हजारों करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस लेनदेन के जरिए पार्टी फंड का दुरुपयोग कर संपत्तियों पर कब्जा किया गया। हाल ही में इससे जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

जी राम जी बिल की तुलना मनरेगा से करने का फैसला करने कांग्रेस ने बुलाई बैठक

एनडीए सदस्यों ने जताया विरोध, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले फंसा पेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा की जगह लेने वाले 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) बिल-2025 को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने 29 दिसंबर को समिति की बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीवी जी राम जी बिल पर चर्चा और इसकी तुलना मनरेगा से करने का फैसला किया है। इस कदम को प्रस्तावित कानून पर राजनीतिक लड़ाई को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है, जिस पर सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया है।

समिति के एजेंडे में ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से 'बीवी- जी राम जी बिल' पर प्रस्तुति और इसकी मनरेगा से तुलना शामिल है। कांग्रेस सांसद उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। बीजेपी सांसदों को इस बात पर आपत्ति है कि यह बिल संसद से पारित होने के बावजूद अभी राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और गजट में अधिसूचना के बाद ही कानून बनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'विचारहीनता' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक इसे कानून नहीं माना जा सकता। बीजेपी के अन्य सांसदों का कहना है कि संसद से हाल ही में पारित किसी बिल पर समिति चर्चा नहीं कर सकती, बल्कि वह केवल उसके क्रियान्वयन की समीक्षा और सिफारिशें दे सकती है। एनडीए सदस्यों का आरोप है कि बिल की तुलना यूपीए काल की मनरेगा योजना से करना मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण है। उनका कहना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस नए कानून की आलोचना करने के लिए एकजुट हैं। यह नया कानून उस पुराने कानून की जगह लेगा, जिसके तहत महात्मा गांधी के नाम पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई जा रही थी, और अब योजना के नाम से गांधी जी का नाम हटा दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस समिति का एजेंडा विवादों में आया हो। इससे पहले जुलाई में भूमि अधिग्रहण कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए समिति की बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और अभिनेता प्रकाश राज को बुलाने के फैसले पर बीजेपी सदस्यों ने तीखा विरोध जताया था। मेधा पाटकर की मौजूदगी को लेकर बीजेपी सांसदों ने उन्हें 'विकास विरोधी' बताते हुए बैठक से वॉकआउट किया था, जिसके चलते बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी।

चीन भारत में ला सकता है बाढ़ या सूखा? ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर बना रहा ऐसा टाइम बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं कि चोर चोरी से जाएं.....लेकिन सीनाजोरी से नहीं, यह कहावत चीन पर सटीक बैठती है। क्योंकि चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बड़ी जलविद्युत परियोजना को बनने में जुटा है। इसके बारे में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारत में नदी के निचले हिस्से में जल सुरक्षा, इकोसिस्टम और आजीविका को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है। क्योंकि यह नदी ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत में प्रवेश करती है, इसलिए नदी के ऊपरी हिस्से में किसी भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप को उन लाखों लोगों के लिए सीधा खतरा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित 168 अरब डॉलर की हाइड्रोपावर योजना बहुत बड़ी होगी। यह योजना करीब 2000 मीटर की खड़े ढलान का इस्तेमाल करके कई बांध, जलाशय, सुरंगें और अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के द्वारा बिजली बनाएगी।

विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी भाग) के निचले इलाकों पर चीन के मेगा डैम प्रोजेक्ट शुरु करने की खबरों का संज्ञान लिया है।

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस परियोजना को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन में इसकी तैयारियां कर रहा हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार इस इलाके में भारतीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखती है, इसमें चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास की योजनाएं भी शामिल हैं, और अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाती है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपरी हिस्से में (चीन में) कोई छेड़छाड़ या प्रोजेक्ट होने से नदी का प्राकृतिक बहाव बिगड़ सकता है। यहां तक कि छोटे-छोटे बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ बाढ़ वाले मैदानों, मछली पालन और भूजल रिचार्ज को प्रभावित कर सकते हैं। ये इलाके पहले से ही जलवायु परिवर्तन के तनाव से कमजोर हैं। वहीं चीन ने इन सभी चिंताओं को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि निचले इलाकों वाले देशों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट का तकनीकी स्तर इतना जटिल है कि इससे डर बढ़ गया है।

भारत ने भी तेज किया अपना प्रोजेक्ट

इन ऊपरी प्रोजेक्ट्स को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर अपना 11,200 मेगावाट का प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाया है, ताकि रणनीतिक और पानी की सुरक्षा न खो जाए। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक ही नदी पर दोनों देशों के बड़े प्रोजेक्ट जोखिम बढ़ा सकते हैं। बिना सहयोग और पारदर्शिता के, भारत-चीन के बीच बांध बनाने की होड़ से ब्रह्मपुत्र और इसके लाखों निर्भर लोगों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**